{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 17 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 263
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पदमेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस
हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 76,808.48
निफ्टी - 23,989.15
सोना - 1,60,062
चांदी - 2,65,000
डॉलर - 94.46

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की 3 शिकायत, एफआईआर अबतक नहीं...

दावा- सोने-चांदी की 1250 श्रीराम शिलाएं गायब... यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र और संबंधित संगठनों पर लगाए गंभीर आरोप, कहा

राम मंदिर में 1,400 करोड़ की हुई चोरी!

विपक्षी पार्टियां के नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा चढ़ावे की 10 प्रतिशत राशि का ही हिसाब

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामला दिन पर दिन गरमाता जा रहा है। इस मामले में मंगलवार को पुलिस के पास 3 शिकायतें पहुंची हैं। पहली- धर्मसेना के संस्थापक संतोष दुबे ने की। दूसरी- यूपी युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला और तीसरी- करणी सेना ने की है। हालांकि पुलिस ने अभी तक कोई भी एफआईआर दर्ज नहीं की है। वहीं धर्मसेना के संस्थापक संतोष दुबे का दावा है कि 1989 में गांव-गांव, शहर-शहर और देश-विदेश से पूजित होकर अयोध्या आईं सोने-चांदी, हीरे-माणिक्य और अष्टधातु की 1250 शिलाएं अब 'गायब' हो चुकी हैं। सोने-चांदी की शिलाओं की देख-रेख का जिम्मा भी ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के पास था। इस बीच यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि देश की आस्था के साथ भाजपा-आरएसएस के द्वारा छल किया गया है। आज आस्था को बेचा जा रहा है और धर्म के नाम पर सौदा किया जा रहा है। उनका दावा है कि राम मंदिर में 1,400 करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी हुई है।

अजय राय ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि को लेकर जो जानकारी सामने आ रही है, वह दिखाती है कि एक संगठित लूट हुई है, जिसमें बड़े-बड़े लोग शामिल हैं और ये बात खुद भाजपा के पूर्व सांसद कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट में एक रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट नृपेंद्र मिश्रा को चेयरमैन बनाया गया, जो 5 साल 3 महीने तक नरेंद्र मोदी के प्रमुख सचिव थे। यानी- इस संगठित लूट के जिम्मेदार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। ट्रस्ट में शामिल गोपाल राव पहले से ही विवादित रहे हैं। चंपत राय सारा माल लेकर चंपत हो गए। अनिल मिश्रा समेत आरएसएस की पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों को ट्रस्ट में पद दिए गए थे। अब इस मामले में सरकार ने एसआईटी गठित कर मान लिया है कि बहुत ही जबरदस्त तरीके से गड़बड़ी हुई है। विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि राम मंदिर में रोजाना चढ़ने वाले चढ़ावे की 10 प्रतिशत राशि को ही हिसाब में रखा जाता है।

सिंघल जी बताएं कि वो पैसे कहां गया

अजय राय ने कहा कि पहले भाजपा-आरएसएस के लोगों ने श्रीरामजन्मभूमि में शिलापूजन के नाम पर खूब पैसे वसूले, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं है। ये 1,400 करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी है। उस समय विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष अशोक सिंघल जी बताएं कि वो पैसा कहां गया? भाजपा-आरएसएस ने लोगों की आस्था और भगवान का चढ़ावा ही चोरी कर लिया है। श्रीरामजन्मभूमि में भाजपा-आरएसएस के लोगों ने संगठित लूट की है। हमारी मांग है कि इस गंभीर मुद्दे से जुड़ी एसआईटी की रिपोर्ट एक हफ्ते में आनी चाहिए। लेकिन, अफसोस है कि एसआईटी में उस अधिकारी को जांच की जिम्मेदारी दी गई है, जिसके ऊपर खुद महाकुंभ में मची भगदड़ से जुड़ी जांच चल रही है।

3 करोड़ की जमीन 24 करोड़ में खरीदी

अब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने चंपत राय पर बड़ा आरोप लगाया है। संजय सिंह ने कहा कि राम मंदिर के नाम पर देश के कोने-कोने से मिले चंदे के पैसे से अयोध्या में कम पैसे की जमीन बहुत अधिक रेट में खरीदी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस जमीन की खरीद फरोख्त में जमकर भ्रष्टाचार हुआ हुआ है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि 2 अप्रैल 2024 को चंपत राय ने अयोध्या में 645 वर्ग मीटर की एक नजूल की जमीन खरीदी थी। इस जमीन की कीमत करीब 2 करोड़ 92 लाख रुपये थी। लेकिन इस जमीन को चंपत राय ने 24 करोड़ में खरीदा था। यानी 3 करोड़ की जमीन को 24 करोड़ रुपये में खरीदा गया। साथ ही इसे खरीदने में देशभर के लोगों द्वारा मंदिर को दान दिए गए पैसों का इस्तेमाल हुआ था। इसी से साफ पता चलता है कि इसका खरीद फरोख्त अवैध रूप से किया गया था।

सरकारी जमीन खरीदने का आरोप

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि 22 जुलाई 2024 को अयोध्या के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट ने पुष्टि की कि खरीदी गई जमीन वास्तव में नजूल (सरकारी) जमीन थी। इससे साफ पता चलता है कि यह सौदा गैर-कानूनी था। संजय सिंह ने बताया कि नजूल जमीन सरकार की जमीन होती है और इसे खरीदा या बेचा नहीं जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि बेचने वाले महंत मुरली दास थे, जो बाबा पूरन दास के शिष्य थे और खरीदने वाले चंपत राय थे, जबकि मिथिलेश्वर नाम के व्यक्ति ने गवाह के तौर पर काम किया।

अखिलेश और विनय कटियार ने भी चंपत को घेरा

इससे पहले, समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी चंपत राय पर निशाना साधा था। अखिलेश यादव ने कहा था कि मंदिर के दान में करोड़ों की हेराफेरी (चोरी) में चंपत राय का अहम रोल है। क्योंकि उनके हाथ में ही मंदिर का सबकुछ था। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ भाजपा नेता विनय कटियार ने भी दान में कथित अनियमितताओं को लेकर चंपत राय पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब डंडा चलेगा तो सब पता चल जाएगा। इस पाप के पीछे कौन है।

राम मंदिर में चोरी से आस्था को चोट लगी है- स्वामी सदानंद

द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने अयोध्या के राम मंदिर के दानपात्रों से चढ़ावे की 200 करोड़ की चोरी होने पर भी चिंता जाहिर की है, जिसमें कि नोटों की गिनती से जुड़े करीब 50 कर्मचारी संदेह के घेरे में हैं। उन्होंने कहा आयोध्या में हुई यह घटना आस्था के साथ खिलवाड़ है। शंकराचार्य ने कहा कि यह काम उन लोगों का नहीं है, जो लोग इसे कर रहे थे। हम लोगों को यही तो आपत्ति है कि सनातन धर्मालंबियों के हिंदुओं के जितने भी मंदिर हैं पूरे देश में वो शासनाधीन है, जो अधिकारी हैं, कर्मचारी हैं उनका परिवर्तन होता रहता है, तबादला होता हैं। उनको धार्मिकता का अनुभव नहीं होता है, शास्त्र का ज्ञान नहीं होता है, विधिनिषेध का ज्ञान नहीं होता है, पाप पुण्य का ज्ञान नहीं होता है, ये सब मंदिरों को पर्यटक स्थल के दृष्टिकोण से देखते हैं, जबकि हम लोग वहां जाने वाले सनातन धर्मावलंबी, हिंदू यात्री दर्शन करने के लिए जाते हैं। हमारा दृष्टिकोण तपोभूमि होता है। द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने कहा कि हमारी यह मान्यता है कि मंदिर और धर्म स्थान, जहां धर्म और ब्रह्म की सत्ता विद्यमान होती है, सकारात्मक ऊर्जा होती है, आध्यात्मिक शक्ति होती है। उसे प्राप्त करने के लिए लोग जाते हैं, अपनी गाढ़ी खून पसीना की कमाई वहां अर्पण करके आते हैं। मंदिर में उसका अच्छा सदुपयोग होना चाहिए, ईमानदार व्यक्तियों की नियुक्ति होनी चाहिए। अयोध्या में जिन्होंने भी यह चोरी जैसा अपराध किया है, उन्हें कठोर दंड दिया जाना चाहिए, ताकि दूसरी बार वहां भी और अन्य दूसरे मंदिरों में इस तरह की प्रवृत्ति न हो और उस पर रोक लगा सके।

खास खबर

गुरुग्राम में 13 बांग्लादेशी गिरफ्तार

गुरुग्राम। राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए अवैध घुसपैठियों के विरुद्ध गुरुग्राम पुलिस का अभियान लगातार जारी है। अपराध शाखा टीमों ने 800 से अधिक संदिग्धों के दस्तावेज चेक किए। इस दौरान 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी बांग्लादेश बॉर्डर से अवैध रूप से भारत में घुसे और अब गुरुग्राम में रह रहे थे। पुलिस अब इन सभी को डिपोर्ट कराएगी। गुरुग्राम पुलिस द्वारा जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान एवं सत्यापन के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चेकिंग अभियान के दौरान जिन व्यक्तियों के दस्तावेज संदिग्ध पाए जा रहे हैं या जो भारत में वैध रूप से निवास करने के प्रमाण प्रस्तुत नहीं पा रहे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा नेता की 13.83 करोड़ की संपत्ति कुर्क

मेरठ। मेरठ में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए निर्धारित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में कथित फर्जीवाड़े और धन के दुरुपयोग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने 13.83 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। मामले में मेरठ की एक निजी विश्वविद्यालय समेत उत्तराखंड की दो विश्वविद्यालय जांच के दायरे में हैं। यह मामला वर्ष 2011-12 से 2016-17 के बीच अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए जारी की गई छात्रवृत्ति राशि में कथित अनियमितताओं से जुड़ा हुआ है। जांच एजेंसियों के अनुसार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत जारी धनराशि के वितरण में कथित रूप से फर्जीवाड़ा किया गया। आरोप है कि पात्र छात्रों के नाम पर छात्रवृत्ति राशि का गलत तरीके से लाभ उठाया गया और सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ। इसी मामले में आर्थिक अनियमितताओं की जांच के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की है।

एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप

नागपुर। नागपुर में भारतीय वायुसेना के एक अफसर की 24 साल की पत्नी से रेप, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया है। मुख्य आरोपी अय्याज ताज मदारे उसका पूर्व स्कूल क्लासमेट है। पीड़ित के मुताबिक, अय्याज उस पर धार्मिक मंत्रों से जुड़ी रस्में करता था। इसके बाद उसका रेप करता था। धर्मांतरण से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अय्याज उसके हाथ पकड़े हुए धार्मिक मंत्र पढ़ता दिखाई दे रहा है। वीडियो में महिला कहती है, 'तुम्हें लड़ने की बहुत आदत है ना, हाथ छोड़ो ना... छोड़ो।' इसके बाद वह लगातार 'मुझे छोड़ दो' कहकर रोती और विरोध करती नजर आती है। जबकि आरोपी उसके हाथ जोर से पकड़े रहता है।

देश के प्रमुख ठिकानों पर ड्रोन अटैक की आशंका

सरकार का एजेंसियों को अलर्ट, एंटी ड्रोन सिस्टम की तैनाती शुरू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चेतावनी दी है कि सीमाओं पर मौजूद महत्वपूर्ण ठिकानों पर दुश्मन ड्रोन हमला कर सकता है। जहाज और जलमार्ग मंत्रालय के समुद्री सुरक्षा विंग ने जमीन और समुद्री सीमाओं के पास मौजूद महत्वपूर्ण संपत्तियों और ठिकानों पर ड्रोन अटैक को लेकर अलर्ट जारी किया है। मंत्रालय के लेटर में लिखा है कि हमें जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे, खासकर सीमा के पास बने अपने ठिकानों को खतरनाक ड्रोनों से बचाने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने होंगे। दुनिया के मौजूदा हालात को देखकर यह साफ है कि दुश्मन के ड्रोन हमारे जरूरी ठिकानों के कामकाज को ठप कर सकते हैं। इस चेतावनी के बाद सुरक्षा एजेंसियां देशभर के खास ठिकानों को सुरक्षित रखने के लिए एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने में जुट गई हैं।

गृह मंत्रालय ने भी सीमा सुरक्षा बल के तहत एक खास कमेटी बनाई है। इस कमेटी का काम भारत के लिए सबसे अच्छे एंटी-ड्रोन सिस्टम को जांचना और पास करना है। सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ पाकिस्तान सीमा से सटे पंजाब के इलाकों में इन सिस्टमों को लगाने की तैयारी कर रही है, और इसके लिए बाकायदा ट्रायल भी शुरू हो चुके हैं। इसके साथ ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने भी एक टीम बनाई है। इस टीम में रक्षा अनुसंधान संगठन, इंटेलिजेंस ब्यूरो, एयरपोर्ट अथॉरिटी और बीएसएफ के अधिकारी शामिल हैं, जो देश के महत्वपूर्ण ठिकानों का दौरा कर रहे हैं। इस टीम की रिपोर्ट और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद ही तय होगा कि किस ठिकाने पर कौन सा एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाया जाएगा।

दिल्ली में पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित आतंकी साजिश नाकाम, 7 गिरफ्तार

देश के सात दुश्मन गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल करते हुए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे और उन्हें पाकिस्तान से संचालित हैंडलरों का समर्थन प्राप्त था।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क में थे। उनके निशाने पर महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान, सुरक्षा बलों से जुड़े ठिकाने और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थान बताए जा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने आरोपियों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और अन्य संदिग्ध सामग्री भी बरामद की है। प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान स्थित नेटवर्क और अंडरवर्ल्ड से जुड़े तत्वों के साथ उनके संबंधों की जानकारी मिली है। एजेंसियां अब इस मॉड्यूल के वित्तीय स्रोतों और देशभर में फैले संभावित नेटवर्क की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि समय रहते की गई कार्रवाई से एक बड़ी आतंकी घटना को टाल दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

पेपर लीक रोकने के लिए 22 जून तक नहीं चलेगा टेलीग्राम

नई दिल्ली। नीट यूजी परीक्षा 2026 को लीक प्रूफ बनाने के लिए केंद्र सरकार फूंक-फूंककर कदम रख रही है। इसके लिए सरकार ने 22 जून तक के लिए टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। इस कदम का राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने स्वागत करते हुए इसे परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है।

जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी कर भारत में टेलीग्राम के संचालन को 22 जून 2026 तक अस्थायी रूप से निलंबित करने को कहा है। यह निर्णय 21 जून को होने वाली नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले किसी भी प्रकार की अफवाह, पेपर लीक या अनधिकृत जानकारी के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि यह कदम परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा। वहीं, एनटीए ने भी इस फैसले को छात्रों के हित में बताया है और कहा है कि इससे परीक्षा का संचालन अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से किया जा सकेगा।

उद्धव गुट में फिर बगावत...शिवसेना का दावा

7 सांसद, 16 विधायक शिंदे के संपर्क में

मुंबई। महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर को लेकर अटकलों और चर्चाओं के बीच, जिनमें दावा किया जा रहा है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के और सांसद व विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं, शिवसेना (शिंदे गुट) के एमएलसी कृपाल तुमाने के एक चौंकाने वाले दावे ने विपक्षी खेमे में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है।

कृपाल तुमाने ने कहा, शिवसेना (यूबीटी) के नौ सांसदों में से सात एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में काम करने को तैयार हैं। वे उनकी नीतियों के अनुसार काम करना चाहते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्रों का विकास सुनिश्चित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के कम से कम सात 7 सांसद और 16 विधायक हमारे संपर्क में हैं। उन्होंने उद्धव गुट के भीतर असंतोष और नाराजगी के स्तर पर जोर दिया। तुमाने ने कहा कि उनके साथ बातचीत अंतिम चरण में है और पाला बदलने की घटना जल्द ही हो सकती है। एमएलसी कृपाल तुमाने के ये दावे ऐसे समय में आए हैं जब उद्धव गुट में एक और टूट की अटकलें तेज हैं। यह भी चर्चा है कि वफादारी बदलने से बाल ठाकरे द्वारा स्थापित पार्टी हिल सकती है और राज्य में शिवसेना के दोनों गुटों के समर्थन आधार (सपोर्ट बेस) हमेशा के लिए बदल सकते हैं।

ईडी ने मुंबई, खंडाला और नई दिल्ली में 17 स्थानों पर मारे छापे

मुंबई। यस बैंक से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी लोन ट्रांसफर मामले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मुंबई, खंडाला और नई दिल्ली में 17 स्थानों पर छापे मारे। जांच का केंद्र उन सौदों पर है, जिनमें संकटग्रस्त संपत्तियों को कम कीमत पर हासिल करने, फर्जी दावों और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के जरिए फायदा पहुंचाने के आरोप हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी के मुंबई जोनल ऑफिस-1 ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। यह कार्रवाई मुंबई, खंडाला और नई दिल्ली में एक साथ की गई। जांच एजेंसी ने कुल 17 स्थानों पर छापेमारी कर अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जुटाने की कोशिश की। मामला यस बैंक और कुछ एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों के बीच मिलीभगत से जुड़ा हुआ है। ईडी ने जिन संस्थाओं और लोगों के परिसरों पर छापेमारी की है, उनमें सुरक्षा एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, सुरक्षा रियल्टी लिमिटेड, ख्याति रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड और इनके प्रमोटर, निदेशक और कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा यस बैंक के एक पूर्व कर्मचारी को भी जांच के दायरे में लिया गया है। एजेंसी को शक है कि इन संस्थाओं और व्यक्तियों की भूमिका संदिग्ध वित्तीय लेनदेन में रही हो सकती है। जांच का मुख्य आधार यस बैंक के एक बड़े लोन खाते से जुड़ा है।

कुछ ना कहना

सोना हुआ सस्ता

जनगणना के कारण चार राज्यों में समय से पहले हो सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा जैसे चार महत्वपूर्ण राज्यों में 2027 के विधानसभा चुनाव तय समय से पहले करने की संभावना पर काम कर रही है। ये चुनाव आमतौर पर फरवरी-मार्च 2027 में होने हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार, जनगणना की प्रक्रिया के साथ संभावित टकराव और हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते इन्हें पहले करने की तैयारी है। मणिपुर को हालांकि जातीय तनाव के कारण योजना से बाहर किया गया है।

समय से पहले चुनाव करने का मुख्य कारण जनगणना है, जो फरवरी-मार्च 2027 में ही प्रस्तावित है। जनगणना और चुनाव दोनों प्रक्रियाओं में अधिकांशतः शिक्षक और सरकारी कर्मचारी शामिल होते हैं, जिससे लोगों की कमी हो सकती है। एक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी ने बताया कि इस संभावना को देखकर संबंधित राज्यों से चर्चा हुई है। उत्तराखंड भाजपा दिसंबर में ही चुनाव कराने की पक्षधर है, ताकि कर्मचारियों पर दोहरा बोझ न पड़े और जनगणना कार्य के लिए उन्हें पर्याप्त समय मिल सके।

राजनीतिक रूप से भाजपा पश्चिम बंगाल में मिली हालिया सफलता के मोमेंटम को भुनाना चाहती है। भाजपा के वरिष्ठ नेता के अनुसार, पार्टी कैडर का उत्साह बढ़ा हुआ है, और उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व गोवा में प्रो-इंकंबेंसी का माहौल है। उत्तर प्रदेश भाजपा का मानना है कि समय से पहले चुनाव उनके लिए फायदेमंद हो सकते हैं, जहां वे लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद हैं। गोवा में भी भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है और कार्यकर्ताओं का मानना है कि इससे विपक्ष को पर्यावरण और जमीन से जुड़े मुद्दों पर तैयारी का कम समय मिलेगा।

वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) भी समय से पहले चुनाव की तैयारी में है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि पंजाब में चुनाव फरवरी 2027 के बजाय इसी साल नवंबर में हो सकते हैं। वहीं, भाजपा वैचारिक रूप से सदन का कार्यकाल घटाकर समय से पहले चुनाव करवाने के पक्ष में नहीं है। हालांकि, मौजूदा लॉजिस्टिक्स (जनगणना) के कारण पार्टी इस मामले में अपने मानक से हटने पर विचार कर रही है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल इन राज्यों में चुनाव के लिए अपनी कमर कस चुके हैं।

एमपी लोकायुक्त का एसपीई आरटीआई के दायरे में- सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जून 2026 को मध्य प्रदेश सरकार की उस अधिसूचना को रद्द किया है, जिसके द्वारा लोकायुक्त के स्पेशल पुलिस एस्टैब्लिशमेंट (एसपीई) को सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के दायरे से बाहर किया गया था। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एसपीआई कोई खुफिया या सुरक्षा संगठन नहीं है, और इसलिए आरटीआई से छूट नहीं मिल सकती है। यह अधिसूचना कानून के प्रावधानों के विपरीत और अपनी शक्ति का अधिक उपयोग पाई गई। न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी और अतुल एस. चंदूरकर की पीठ ने फैसले में कहा कि लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त भ्रष्टाचार और लोक सेवकों से जुड़े मामलों की जांच करते हैं, जिसमें एसपीई सहायता करता है। हालांकि, 1981 के मध्य प्रदेश लोकायुक्त कानून के तहत एसपीई को खुफिया या सुरक्षा संबंधी जांच का कोई अधिकार नहीं है। आरटीआई अधिनियम की धारा 24(4) के तहत केवल वास्तविक खुफिया या सुरक्षा संगठनों को ही छूट मिल सकती है, और एसपीई इस श्रेणी में नहीं आता। दरअसल पूरा मामला पुलिस इंस्पेक्टर कामता प्रसाद मिश्रा से शुरू हुआ था, जिन पर रिश्वत लेने का आरोप था। मिश्रा ने अपनी जांच से जुड़े कुछ दस्तावेज आरटीआई के तहत मांगे, लेकिन एसपीई ने 2011 की अधिसूचना का हवाला देकर जानकारी देने से इंकार किया।

लैंडमाइन फटने से चार सैनिक घायल

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास हुए एक धमाके में सेना के 4 जवान घायल हो गए, जिनमें एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर भी शामिल है। यह धमाका नौशेरा सेक्टर के कलाल इलाके में सेना के जवानों की पेट्रोलिंग के दौरान गलती से लैंडमाइन एक्टिवेट होने की वजह से हुआ। धमाके में एक जेसीओ और तीन सैनिक घायल हुए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक सीमा पार से होने वाली घुसपैठ रोकने के लिए लैंडमाइन बिछाई जाती हैं, जो कभी-कभी बारिश में बह जाती हैं और ऐसे हादसों का कारण बनती हैं।

जनसुनवाई में सुनी गई आवेदकों की समस्याएँ

152 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 16 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक एवं श्री एम.आर. कोल तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 152 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

खैरलांजी तहसील के ग्राम वेरवाटोला निवासी महेंद्रलाल बसेने नाली जाम होने की शिकायत लेकर आए थे। महेंद्रलाल का कहना था कि कुछ ग्रामीणों द्वारा पंचायत की जल निकासी नाली में मिट्टी डालकर उसे समतल कर दिया गया है, जिससे पानी का बहाव रुक गया है। नाली जाम होने से गंदा पानी उनके घर के सामने जमा हो रहा है और महामारी फैलने तथा मकान को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। उसने बताया कि 2 जून 2026 को ग्राम पंचायत को आवेदन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस प्रकरण में जनपद सीईओ खैरलांजी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

बालाघाट के प्राथमिक शिक्षक शिवनारायण मर्सकोले चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति राशि के भुगतान में हो रही देरी को शिकायत लेकर आए थे। शिवनारायण ने बताया कि उनके पुत्र के उपचार पर हुए खर्च की प्रतिपूर्ति हेतु 01 लाख 86 हजार 784 रुपये की राशि का आवेदन लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा 22 मई 2026 को जारी किया जा चुका है। आवश्यक दस्तावेज संकुल लामता के माध्यम से बीईओ कार्यालय में जमा करने के बावजूद देयक बिल ट्रेजरी में प्रस्तुत नहीं किया गया है। उपचार में भारी खर्च होने से उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है। अतः शीघ्र देयक बिल प्रस्तुत कर प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान कराया जाए। इस प्रकरण में बीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट तहसील के ग्राम धापेवाड़ा के निवासी डिगम्बर डेकवास नल-जल योजना के तहत पानी नहीं मिलने की शिकायत लेकर आए थे। डिगम्बर का कहना था कि भटेरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत लगाए गए नलों में डेढ़ माह से पानी नहीं आ रहा है। भीषण गर्मी के बीच जल संकट के कारण ग्रामीणों को पेयजल और दैनिक उपयोग के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित ठेकेदारों को कई बार सूचना देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया है। अतः ग्राम धापेवाड़ा में नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम सिहोरा के किसान एवं ग्रामीण घिस्सी नदी पर नाव की व्यवस्था कराने की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि करीब 100 किसानों की खेती नदी पार हट्टा क्षेत्र में स्थित है, जहां पहुंचने के लिए नदी पार करना पड़ता है। पिछले दो वर्षों से नाव संचालित नहीं होने के कारण किसानों और हट्टा स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अतः वर्षा ऋतु को देखते हुए किसानों और विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए तत्काल नाव उपलब्ध कराई जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

नगरीय क्षेत्र लांजी के वार्ड नं. 20 बिसोनी निवासी आशीष भण्डारकर नगर परिषद लांजी में गुजरी स्थल की भूमि में नियमों के विरुद्ध शराब ठेकेदार को ठेका आवंटित करने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि जिस भूमि का ठेका पहले से गुजरी संचालन के लिए दिया गया था, उसी भूमि के एक हिस्से को शराब दुकान के लिए लीज पर दे दिया गया है। आशीष का कहना है कि नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नियमों की अनदेखी कर दो अलग-अलग अनुबंध किए हैं। अतः इस गंभीर अनियमितता की निष्पक्ष जांच की जाए तथा शराब दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। इस प्रकरण में जिला आबकारी अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम पिपरिया के ग्रामीण शिकायत लेकर आये थे कि हुडकीटोला से एंकाटोला तक डुटीबांध की पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार शिकायत के बावजूद संबंधित अधिकारी और कर्मचारी द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस नहर से लगभग 500 से 600 किसानों के खेतों में सिंचाई होती है। समय रहते नहर की मरम्मत नहीं होने पर सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होगी। अतः शीघ्र कार्रवाई कर नहर की मरम्मत करायी जाए। इस प्रकरण में जल संसाधन विभाग के इंजीनियर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील के ग्राम कामठी की दिव्यांग प्रेमलता मर्सकोले ट्राइसिकल दिलाने की मांग लेकर आयी थी। प्रेमलता का कहना था कि वह दोनो पैरों से विकलांग है और उसे पूर्व में ट्राइसिकल प्रदान की गई थी। लेकिन अब वह पूरी तरह से खराब हो गई है और चलने फिरने लायक नही है। अतः उसे दूसरी ट्राइसिकल प्रदाय की जाए। इस प्रकरण में उपसंचालक सामाजिक न्याय को कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील के ग्राम बेहरई की कविता रोकडे पति की मृत्यु के बाद ईपीएफ की राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। कविता का कहना था कि उसके पति रुपेंद्र कुमार रोकडे आशीर्वाद माइक्रो फाइनेंस कंपनी भटेरा रोड बालाघाट शाखा में कार्यरत थे। कंपनी द्वारा उनके वेतन से हर माह ईपीएफ की राशि काटी जाती थी, उसके पति का 25 अक्टूबर 2022 को निधन हो गया है लेकिन अब तक उसे पति की ईपीएफ राशि का भुगतान नही किया गया है। अतः उसे ईपीएफ राशि का शीघ्र भुगतान कराया जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लांजी तहसील के ग्राम बापडी निवासी सुभाष बनोटे शिकायत लेकर आये थे कि उन्होंने कारंडा उप डाकघर में 31 जुलाई 2018 को अपनी पुत्री हीना बनोटे के नाम से 05 हजार रुपए जमा कर सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाया था। इस खाते की पासबुक में मेन्यूअल एंट्री के दौरान उसमें 05 हजार रुपए की राशि दर्शायी गई थी और उसमें डाक घर की सील भी लगी थी। लेकिन जब पासबुक की कम्प्यूटराईज्ड कापी एंट्री करायी गई तो 05 हजार रुपए की राशि हीना के खाते में जमा नही होना बताया जा रहा है। अतः उसकी समस्या का समाधान कर बेटी हीना के खाते में 05 हजार रुपए की राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को कार्यवाही करने कहा गया है।

तख्तापलट के बाद,नई सरपंच पद पर फैसला आज

आज भरवेली पंचायत को मिलेगी नई सरपंच, 2 प्रत्याशी मैदान में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सरपंच पद के कार्यकाल को लेकर हमेशा से विवादों में रहने वाली ग्राम पंचायत भरवेली में तख्ता पलट के बाद आज 17 जून को नई सरपंच का चयन किया जाएगा।यह चयन 21 पंचों द्वारा किसी एक महिला पंच को अपना समर्थन देकर किया जाएगा।जिसकी तैयारियां ग्राम पंचायत भरवेली में पूर्ण की जा चुकी है।आपको बताएं कि जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में 4 जून को पार्षदों ने अपनी एकजुटता दिखाते हुए निवर्तमान सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन का तख्ता पलट कर दिया था। जहां पार्षदों ने सरपंच गीता बिसेन को कुर्सी से हटाने के लिए एकता दिखाते हुए सरपंच के विपक्ष में वोट किया।जिसके कारण 4 जून को 18-1 से तत्कालीन सरपंच गीता अनिल बिसेन की सरकार गिर गई थी और बहुमत विपक्ष ने हासिल कर लिया था।जहा 4 जून को हुए इस सत्ता परिवर्तन के बाद से ही ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच का पद खाली पड़ा था। जिसे भरने की कवायत शुरू हो चुकी है।जहां पंचायत सचिव द्वारा समस्त पंचों को एक सूचनापत्र जारी कर 17 जून को पंचायत में आयोजित बैठक में उपस्थित रहने, व पंचायत में खाली पड़े सरपंच के पद भरने के लिए नई सरपंच का चयन करने को कहा गया है।जिसके चलते बुधवार को सरपंच पद पर पंच महिला का चयन कर पंचायत की नई सरपंच के नाम की घोषणा की जाएगी।

सरपंच पद के लिए, 2 महिलाप्रत्याशी मैदान में

यू तो भरवेली पंचायत हमेशा ही विवादों में ही रही है 4 जून को अविश्वास प्रस्ताव आने व सरपंच गीता अनिल बिसेन को पद से हटाने के बाद, पंचायत बिना सरपंच के चल रही थी। जिस वजह से गांव में साफ सफाई एवं अन्य काम प्रभावित हो रहे थे। पर अब 17 जून को नई सरपंच का चुनाव करने की बात सामने आ रही है।जहां सरपंच का चयन होने से पंचायत कार्यों में गति आने की बात कही जा रही है हालांकि इस पंचायत में अब नई सरपंच बनने के लिए राह आसान नजर नहीं आ रही है क्योंकि ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच पद के लिए अब 2 महिला प्रत्याशी मैदान में है जहां दोनो प्रत्याशियों के बीच सरपंच पद को लेकर कांटे का मुकाबला देखने को मिल रहा है।सरपंच पद के लिए अपनी दावेदारी ठोकने वाली इन दोनों महिला प्रत्याशियों से किसी एक का चयन पंचो द्वारा सरपंच पद के लिए किया जाएगा, जिसके चयन के बाद ग्राम पंचायत भरवेली को नई सरपंच मिल जाएगी।

श्रीमती उर्मिला मालेश और श्रीमती संगीता शेंडे चुनावी मैदान में

भरवेली पंचायत में सरपंच पद के लिए 2 महिला पंच चुनावी मैदान में है। जहां वार्ड नं 13 पंच श्रीमती संगीता शेंडे और वार्ड नं 14 की पंच श्रीमती उर्मिला मालेश के बीच, सरपंच का चुनाव होना है। पर सबसे ज्यादा पंच श्रीमती उर्मिला मालेश के समर्थन में नजर आ रहे हैं। अब आगे देखना है कि इन दो में से कौन भरवेली की नई सरपंच बनती है और बचा हुआ 1 वर्ष का आधिकारिक कार्यकाल वह कितनी ईमानदारी के साथ चलाती है।

सहमति नही बनी तो होंगा चुनाव

उधर सरपंच पद के चुनाव के लिए सचिव दिलीप मोहने ने भी तैयारी पूर्ण कर ली है।बताया गया कि पहले समस्त पंचों को 2 प्रत्याशियों में से किसी एक महिला पंच के नाम पर सहमति देने कहा जाएगा।यदि किसी एक के नाम पर सभी की सहमति बन जाती है तो चुनाव ना कराते हुए उस प्रत्याशी महिला को सरपंच घोषित कर दिया जाएगा।यदि किसी एक के नाम पर सहमति नही बनती तो फिर दोनों प्रत्याशियों में से किसी एक का चयन करने के लिए हाथ उठाकर समर्थन मांगा जाएगा।जिसको सर्वाधिक समर्थन मिलेगा उसे सरपंच घोषित किया जाएगा

भरवेली में कायम है सरपंच को हटाने की परंपरा

बात अगर भरवेली पंचायत की करें तो भरवेली पंचायत में ज्यादातर सरपंचों ने अपने 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया है, लेकिन बताया जा रहा है कि तत्कालीन सरपंच फहीम पटेल के बाद किसी भी सरपंच ने अपना 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं किया। और उसे कार्यकाल पूरा करें बगैर ही सरपंच पद से हटना पड़ा है या फिर पंचों द्वारा विरोध करके उक्त सरपंच को पद से हटा दिया गया है, पिछले कुछ वर्षों से चली आ रही यहां परंपरा भरवेली पंचायत में अब भी कायम है।ज्ञात हो कि हाल ही में भ्रष्टाचार के मामले में सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन को 18 पंचों ने मिलकर ठीक उसी तरह हटाया था, जिस तरह से पिछले सत्र में किरण मास्कोले को भ्रष्टाचार के मामले में धारा 40 की कार्यवाही कराकर पद से हटाया गया था। उसके बाद श्रीमती रेखा सरवारी सरपंच बनी थी,जहा रेखा सरवारी के ऊपर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे और उन्हें भी पद से हटना प ेा था। अब आगे देखना है कि नई सरपंच कितनी साफ सुथरी रहती है और किस तरह का कार्यकाल चलाती है सवाल बना हुआ है क्योंकि गांव में यह बात जनचर्चा का विषय बनी हुई है।

भुगतान के इंतजार में आत्मनिर्भरता का सपना अधूरा, कलेक्ट्रेट पहुंचीं स्व-सहायता समूह की महिलाएं

धान उपार्जन की बकाया राशि और वर्षों से लंबित मानदेय की मांग, आर्थिक संकट से जूझ रहीं महिलाएं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन की योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने का सपना देखने वाली महिलाओं के सामने आज आर्थिक संकट गहराता नजर आ रहा है। वर्षों से लंबित भुगतान और मानदेय की मांग को लेकर मंगलवार को वारासिवनी जनपद के लड़सड़ा केंद्र की लक्ष्मी तेजस्विनी स्व-सहायता समूह की महिलाएं तथा बिरसा क्षेत्र के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत रसोइयां कलेक्ट्रेट पहुंचीं। जनसुनवाई में उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर बकाया राशि और लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। महिलाओं ने बताया कि शासन की विभिन्न योजनाओं में पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से कार्य करने के बावजूद उन्हें आज तक उनका पूर्ण भुगतान नहीं मिल पाया है। एक ओर धान उपार्जन कार्य से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाएं अपनी व्यय राशि के लिए वर्षों से भटक रही हैं, तो दूसरी ओर स्वास्थ्य केंद्रों में प्रस्तुत महिलाओं के लिए भोजन तैयार करने वाली रसोइयां भी लंबे समय से मानदेय का इंतजार कर रही हैं।

लड़सड़ा केंद्र की लक्ष्मी तेजस्विनी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि वर्ष 2022-23 में उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य किया था। समूह द्वारा कुल 13 हजार 514.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी। इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए महिलाओं ने बैंक से ऋण लिया, आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की और पूरी जिम्मेदारी के साथ खरीदी प्रक्रिया का संचालन किया, लेकिन खरीदी पूरी होने के बाद भी उन्हें उनकी संपूर्ण व्यय राशि का भुगतान नहीं मिल सका। महिलाओं के अनुसार उन्हें प्रारंभिक रूप से लगभग डेढ़ लाख रुपये तथा बाद में 30 हजार रुपये कमीशन के रूप में प्राप्त हुए थे, लेकिन करीब 7 लाख 16 हजार 887 रुपये की व्यय प्रासंगिक राशि आज भी लंबित है। भुगतान नहीं होने से समूह की महिलाएं गंभीर आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना कर रही हैं। समूह की सदस्य मीना धुर्वे ने बताया कि धान खरीदी कार्य के दौरान बैंक से ऋण लिया गया था। समय बीतने के साथ ऋण पर ब्याज भी लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन भुगतान नहीं मिलने के कारण ऋण चुकाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि कई बार संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर समस्या बताई गई, लेकिन अब उनकी सुनवाई तक नहीं हो रही है। वहीं समूह की सदस्य कामेश्वरी बीजेवार ने बताया कि खरीदी कार्य के दौरान कई महिलाओं को निजी स्तर पर भी ब्याज पर राशि उधार लेनी पड़ी थी। अब उधार देने वाले लोग लगातार पैसों की मांग कर रहे हैं। घर-परिवार में भी उन्हें आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। आत्मनिर्भर बनने की उम्मीद लेकर शासन की योजना से जुड़ी महिलाएं आज कर्ज और आर्थिक संकट के बोझ तले दबती जा रही हैं। महिलाओं का कहना है कि बकाया राशि नहीं मिलने से समूह की अन्य गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। बैंक ऋण और बढ़ते ब्याज का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता से लेते हुए लंबित भुगतान शीघ्र कराया जाए, ताकि वे आर्थिक संकट से बाहर निकल सकें और शासन की योजनाओं में आगे भी सक्रिय भूमिका निभा सकें।

जिले में लगातार बढ़ता जा रहा प्रदूषण, रोकथाम के तत्काल किए जाए उपाय

बढ़ते प्रदूषण पर भारतीय मजदूर संघ ने जताई चिंता, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में लगातार बढ़ रहे वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने चिंता व्यक्त करते हुए जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा हैं। संगठन ने कहा कि प्रदूषण का बढ़ता स्तर आम नागरिकों के साथ-साथ श्रमिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन से प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई है।भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष योगेश यादव ने बताया कि जिले में औद्योगिक गतिविधियों, निर्माण कार्यों, वाहनों से निकलने वाले धूएं तथा सड़कों पर उड़ने वाली धूल के कारण प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है और श्वसन संबंधी बीमारियों सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में भी वृद्धि देखी जा रही है।ज्ञापन में कहा गया है कि यदि समय रहते प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में पर्यावरणीय संतुलन और जनस्वास्थ्य दोनों पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। इसलिए प्रशासन को इस दिशा में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए।

6 सूत्रीय मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

उधर भारतीय मजदूर संघ ने जिला प्रशासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे। संगठन ने मांग की कि जिले में प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों की नियमित जांच कर उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए।औद्योगिक इकाइयों एवं अन्य संस्थानों में प्रदूषण नियंत्रण संबंधी सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए।इसके अलावा सड़कों एवं निर्माण स्थलों पर उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित पानी का छिड़काव और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। नदियों, तालाबों सहित अन्य जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए प्रभावी उपाय किए जाएं तथा जिले में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया जाए।संगठन ने यह भी मांग की कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण के साथ-साथ आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान संचालित किए जाएं।

प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रत्येक नागरिक का अधिकार है- योगेश यादव

भारतीय मजदूर संघ अध्यक्ष योगेश यादव ने चर्चा के दौरान बताया कि स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन जनहित एवं भ्रमिक हितों को ध्यान में रखते हुए ज्ञापन में उठाए गए बिंदुओं पर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेगा।ज्ञापन के माध्यम से भारतीय मजदूर संघ ने जिले में पर्यावरण संरक्षण को लेकर ठोस एवं दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने की भी मांग की है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.के./0016/ड-154/वर्ष 2026-27
साकिन:-बोरगांव प.ह.नं. 71
रा.नि.मं. सेवती तहसील किरनापुर

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रावण पिता दुलिचंद जाति मरार निवासी ग्राम बोरगांव तहसील किरनापुर जिला बालाघाट द्वारा अपनी माताजी केशरबाई खरे की मृत्यु दिनांक 19/05/2022 को ग्राम बोरगांव में मृत्यु हो जाने से मृत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अतः उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 16/06/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।आज दिनांक 02/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्प्लेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई . की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

आवश्यकता है
एकार्ड मोटर्स, महिन्द्रा शोरूम बालाघाट में सेल्स कंसल्टेंट के पदों के लिये आवश्यकता है
सैलरी-अनुभव एवं योग्यतानुसार
इच्छुक व्यक्ति जानकारी व साक्षात्कार (इंटरव्यू) के लिए संपर्क करें
मो.9425818191
8518888607

आवश्यकता है
एन.जी.ओ. में स्वास्थ्य एवं सामाजिक कार्य तथा होम वेलनेस सेंटर सर्व कार्य करने हेतु बालाघाट, सिवनी, मण्डला तथा छिंदवाड़ा जिलों में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है
पात्रता- BSW/MSW
मासिक वेतन- 9000/-मो. रिचार्ज
संपर्क-श्रीधाम वेलनेस फाउंडेशन समिति (रजि.)
सहयोगी संस्था-अनुश्री सेवा संस्थान
मोबाईल नम्बर-9752109010
9340299285
हमारा पता-
कार्यालय-श्रीधाम हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च भटेरा रोड बालाघाट (म.प्र.)481001

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 17 जून 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

चूल्हे पर चाय बनाते समय लगी आग 65 वर्षीय वृद्धा की झुलसने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चाय बनाते समय आग से झुलसने के बाद जिला अस्पताल में भर्ती 65 वर्षीय वृद्धा तरासन बाई की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतिका तरासन बाई के पति बुजलाल भगत 65 वर्ष ग्राम जाम थाना कटंगी निवासी हैं। जिला अस्पताल पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद इस वृद्धा का शव परिजनों को सौंप दिया है। मर्ग कायम कर डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना कटंगी भेजी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तरासन बाई भगत के परिवार में बहू पंचफूला भगत, 35 वर्ष और दो नातिन हैं। परिवार खेती-किसानी करता है। तरासन बाई के बेटे का निधन 11 वर्ष पहले हो चुका था। 15 जून की सुबह 8:00 बजे बहू पंचफूला अपने दोनों बच्चों के साथ ट्रेन से सावंगी के लिए निकली थी। घर में तरासन बाई अकेली थीं। सुबह करीब 9:00 बजे वे चूल्हे पर चाय बना रही थीं। इसी दौरान चूल्हे की आग भभक उठी और तरासन बाई बुरी तरह झुलस गईं। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने बचाव कर उन्हें कटंगी अस्पताल में भर्ती कराये थे। सूचना मिलते ही बहू पंचफूला भी कटंगी अस्पताल पहुंच गई। प्राथमिक उपचार के बाद तरासन बाई को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया।जिला अस्पताल में उपचार के दौरान रात 11:30 बजे तरासन बाई की मौत हो गई। शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवाया गया था। 16 जून की सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करवाया और शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मर्ग डायरी घटना स्थल से संबंधित थाना कटंगी भिजवा दी है।

सीएमओ के आदेश की अवहेलना पर सख्ती, नपा कर्मचारियों पर लटक सकती है निलंबन की तलवार

कार्य विभाजन के सात दिन बाद भी नहीं संभाले नए दायित्व, प्रभारी सीएमओ ने अनुशासनहीनता पर कार्रवाई के दिए संकेत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका बालाघाट में प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और विभिन्न शाखाओं के कार्यों में गति लाने के उद्देश्य से प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा हाल ही में लगभग आधा सैकड़ा अधिकारी, कर्मचारियों और उपयंत्रियों के दायित्वों में बदलाव करते हुए नई पदस्थापनाएं और कार्य विभाजन किए गए थे। हालांकि आदेश जारी होने के एक सप्ताह बाद भी कई कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा नए दायित्वों का पालन नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नाराजगी जताई है। सूत्रों के अनुसार संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। साथ ही आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबन की कार्यवाही भी प्रस्तावित की जा सकती है।नगर पालिका प्रशासन का मानना है कि यदि अधिकारी और कर्मचारी प्रशासनिक आदेशों का समय पर पालन नहीं करेंगे तो कार्य व्यवस्था प्रभावित होगी और आम जनता को मिलने वाली सेवाओं पर भी इसका असर पड़ेगा। इसी कारण अब इस मामले में सख्त रुख अपनाने की तैयारी की जा रही है।

नगर पालिका परिषद बालाघाट में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। शहर विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं को लेकर पहले से ही नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन अब स्थिति ऐसी बन गई है कि स्वयं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के आदेशों का भी पालन नहीं हो रहा है। इससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक नियंत्रण पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके द्वारा 9 जून को नगर पालिका की विभिन्न शाखाओं में कार्यों को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उपयंत्रियों, सहायक राजस्व निरीक्षकों, कर्मचारियों तथा कंप्यूटर ऑपरेटरों के बीच कार्यों का पुनर्विभाजन किया गया था। इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को नए दायित्व तत्काल प्रभाव से संभालने के निर्देश दिए गए थे। बताया जा रहा है कि आदेश जारी होने के सात दिन बाद भी कई अधिकारी और कर्मचारी अपने नए दायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। नगर पालिका के भीतर यह चर्चा भी है कि कुछ अधिकारी एवं उपयंत्री नए कार्यभार को संभालना चाहते हैं, लेकिन पूर्व में संबंधित शाखाओं का कार्य देख रहे कर्मचारी और अधिकारी जिम्मेदारियां छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इसी कारण कार्यों का हस्तांतरण नहीं हो पा रहा है और आदेशों का पालन अधर में लटका हुआ है। नगर पालिका के अंदर उत्पन्न इस स्थिति से प्रशासनिक कार्यों की गति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। कर्मचारियों के बीच जिम्मेदारियों को लेकर बनी असमंजस की स्थिति का असर आम नागरिकों को मिलने वाली सेवाओं पर भी पड़ सकता है।

निलंबन की कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी - सूर्यप्रकाश उके

जब इस पूरे मामले को लेकर प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके से चर्चा की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि कार्य विभाजन के संबंध में आदेश जारी किए गए थे, लेकिन कुछ अधिकारी, कर्मचारी एवं उपयंत्री उनके निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हाल ही में इस स्थिति की जानकारी प्राप्त हुई है। प्रभारी सीएमओ ने स्पष्ट किया कि आदेशों की अवहेलना और अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उनके विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका में प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और कार्यों में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से ही दायित्वों का पुनर्विभाजन किया गया था। यदि कोई कर्मचारी और अधिकारी आदेशों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सम्राट राजा भोज पर सोशल मीडिया में हो रही टिप्पणियों से पंवार समाज नाराज

जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने प्रेस वार्ता में जताई आपत्ति, जल्द कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की करेंगे मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गर्रा रेलवे ओवरब्रिज का नाम सम्राट राजा भोज के नाम पर रखे जाने के बाद सोशल मीडिया पर की जा रही कथित विवादित टिप्पणियों को लेकर पंवार समाज ने कड़ा ऐतराज जताया है। इस संबंध में पंवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर समाज का पक्ष रखा तथा महापुरुषों के सम्मान से जुड़े विषयों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने कहा कि हाल ही में लोकार्पित किए गए गर्रा रेलवे ओवरब्रिज का नाम सम्राट राजा भोज के नाम पर रखा गया है। इसके पश्चात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कुछ लोगों द्वारा सम्राट राजा भोज के संबंध में कथित रूप से आपत्तिजनक एवं विवादित टिप्पणियां की जा रही हैं, जिससे पंवार समाज सहित बड़ी संख्या में लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओवरब्रिज का नामकरण किसी व्यक्ति विशेष की इच्छा अथवा अचानक लिए गए निर्णय का परिणाम नहीं है। नगर पालिका परिषद द्वारा 28 मार्च वर्ष 2025 में शहर के विभिन्न मार्गों, चौकों एवं सार्वजनिक स्थलों के नामकरण संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया था। इस प्रस्ताव के तहत विभिन्न महापुरुषों के नाम पर 26 मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों का नामकरण किया गया था। उसी प्रक्रिया के अंतर्गत गर्रा रेलवे ओवरब्रिज का नाम भी सम्राट राजा भोज के केवल पंवार समाज के नाम पर निर्धारित किया गया है।विशाल बिसेन

ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति और संगठन को किसी नामकरण को लेकर आपत्ति है तो उसे वैधानिक एवं प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत अपनी बात रखनी चाहिए। संबंधित विभागों और प्रशासन के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन किसी महापुरुष के प्रति सोशल मीडिया पर अमर्यादित एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियां सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सम्राट राजा भोज केवल पंवार समाज के आराध्य नहीं हैं, बल्कि भारतीय इतिहास में एक महान शासक, दूरदर्शी प्रशासक, समाज सुधारक और लोककल्याणकारी व्यक्तित्व के रूप में उनकी पहचान है। उनके द्वारा शिक्षा, संस्कृति, जल संरक्षण, स्थापत्य कला और जनकल्याण के क्षेत्र में किए गए कार्य आज भी प्रेरणास्रोत माने जाते हैं। ऐसे महापुरुष किसी एक समाज की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की धरोहर होते हैं और उनके सम्मान को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर पंवार समाज आगामी दिनों में केवल बालाघाट जिले में ही नहीं, बल्कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी एकजुट होकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपेगा। समाज की ओर से सोशल मीडिया पर की जा रही कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की जांच कर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की मांग की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में यदि किसी व्यक्ति को ओवरब्रिज की गुणवत्ता, निर्माण कार्य, डिजाइन अथवा अन्य तकनीकी पहलुओं को लेकर कोई शिकायत है तो उसे संबंधित विभाग के समक्ष उठाया जाना चाहिए। विकास कार्यों और तकनीकी मुद्दों पर चर्चा होना स्वाभाविक है, लेकिन उनकी आड़ में किसी महापुरुष की गरिमा को ठेस पहुंचाना उचित नहीं माना जा सकता। प्रेस वार्ता में उपस्थित समाज के अन्य पदाधिकारियों ने भी एक स्वर में कहा कि महापुरुषों के सम्मान से जुड़े विषयों पर सभी नागरिकों को संयम, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही विवादित टिप्पणियों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

रविदास संगठन ने किया प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन बालाघाट के पदाधिकारियो द्वारा संत रविदास सांस्कृतिक भवन बुढ़ी में एक बैठक का आयोजन कर प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से समाज के गणमान्य सदस्य, समाजसेवी, अभिभावक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान सामाजिक पदाधिकारियों ने समाज के विकास, शिक्षा, संगठन एवं सामाजिक उत्थान के विषयों पर वक्ताओं ने अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए तथा समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ाने का संदेश दिया। बताया गया कि उक्त सम्मान समारोह जिला स्तरीय कार्यक्रम था जिसमें जिले भर के विभिन्न ब्लाकों कटंगी, वारासिवनी, लालबर्रा, किरनापुर, परसवाड़ा एवं सभी ब्लॉकों से पधारे छात्र छात्राये व अभिभावक पधारे थे।इस दौरान सतगुरू रविदास समाज संगठन बालाघाट समिति कार्यकारिणी संरक्षक अमीरचंद छिपेश्वर, अध्यक्ष राधेश्याम कनोजे,कार्यकारी अध्यक्ष गेंदलाल डोंडेकर, उपाध्यक्ष बिनोद छिपेश्वेर, विजेंद्र रायगडे, राजकुमार डोंडेकर डोंगरगांव लांजी, सुरेन्द्र पटले वारासिवनी ,सचिव दिलीप कुम्हरे, कोषाध्यक्ष भैयालाल मोहबे, सहसचिव राजेश मालाधारी, सुभाष चौरे, इंद्रकुमार भौंडेकर,संगठन मंत्री राजेंद्र तूरकने खमरिया कटंगी, सुरेश अहिरवा बैहर , मीडिया प्रभारी कमलेश खरोले लालबर्रा, विधिक सलाहकार अरुण कुमार टोंडेकर, प्रचार मंत्री अनिल बारेकर ,भौंडेकर जी

हीरापुर, छबिलाल भौंडेकर,महामंत्री लालदास बारेकर, साहेबलाल बरिया शामिल हुये। वही सदस्यो बालाघाट से मंगलप्रसाद बारेकर, दिनेश बरिया, अभय तरवरे लामटा,महेंद्र देशमुख लामटा ,कटंगी से दिलीप मोहबे ,डीपी खरोले, किरनापुर से रविन्द्र तरवरे, नरो गौधरे, लांजी से विजय हटीले, खैरलांजी से जयचंद बर्वे, कुमन बर्वे, बैहर राधेलाल वर्मा गढ़ी, श्रीमान नरेंद्र मराठे,परसवाड़ा, उकवा से सुरेन्द्र राठौर, संजय बारेकर परसवाड़ा वारासिवनी से विजय दखने, दीनदयाल बारेकर रामपायली,लालबर्रा रमेश झाड़ेकर,जितेंद्र तरवरे, बिरसा मालाधारी जी , राजेश पडवार ,सुरेन्द्र छिपेकर गड़द्दा हट्टा सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी की जयंती आज, विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

सामाजिक मिलन समारोह व कक्षा 10वी,12 वी के प्रतिभाशाली बच्चों का होगा सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बुधवार को वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी की जयंती जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी, जिसका मुख्य कार्यक्रम समारोह नगर मुख्यालय में भव्य रूप से आयोजित किया

जाएगा।वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी की जयंती के अवसर पर जिला राजपूत क्षत्रिय सभा, बालाघाट द्वारा सामाजिक मिलन समारोह विक्रम संवत के अनुसार 17 जून 2026, बुधवार को आयोजित किया जा रहा है।जिलाध्यक्ष, जिला राजपूत क्षत्रिय सभा, बालाघाट डा. संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती, महाराणा प्रताप राजपूत समाज भवन केविन हॉस्पीटल के सामने, गोकुल धाम नगर वार्ड नं. 24, मोतीनगर, बालाघाट में आयोजित की जा रही है। जिसमें दोप. 2 बजे से अतिथियों का स्वागत एवं उद्घोधन होगा। 3 बजे से श्री राणा हनुमान सिंह फाउंडेशन की ओर से कक्षा 10 वी एवं 12 वीं के प्रतिभाशाली बच्चों को पारितोषीक से सम्मानित किया जाएगा।शाम 5 बजे से भव्य वाहन एवं बाईक रैली द्वारा नगर भ्रमण किया जाएगा।इस दौरान नगर के महाराणा प्रताप चौक पर प्रतिमा पर माल्यार्पण अतिथियों की उपस्थिति में होगा। तत्पश्चात शाम 6 बजे से स्नेह भोज होगा।कार्यक्रम का आयोजन गौरीशंकर बिसेन पूर्व कैबिनेट मंत्री, अशोक सिंह सरस्वार पूर्व विधायक,के मुख्य अतिथि, में होंगा।प्रमुख अतिथि सम्राट सिंह सरस्वार अध्यक्ष, जिला पंचायत, बालाघाट, कल्याण सिंह राणा अध्यक्ष, जनपद पंचायत किरनापुर, श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद बालाघाट राजेश पाठक अध्यक्ष, सर्व ब्राम्हण समाज, बालाघाट , सहित संजय सिंह कछवाहा जिलाध्यक्ष, जिला राजपूत क्षत्रिय सभा, बालाघाट की अध्यक्षता में गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा। जिला अध्यक्ष राजपूत क्षत्रिय महासभा संजय सिंह कछवाह ने समस्त स्वजातिय बंधुओं से इस कार्यक्रम में सहपरिवार उपस्थित होकर समाज को गौरवान्ति करते हुए ,कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

छात्रवृत्ति के इंतजार में बीत गए तीन साल, पैरामेडिकल छात्रों ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

सैकड़ों विद्यार्थियों की अटकी छात्रवृत्ति, फीस और पढ़ाई का बढ़ता बोझ लेकर पहुंचे जनसुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को संवारने का सपना देख रहे पैरामेडिकल विद्यार्थियों के सामने आज आर्थिक संकट बड़ी चुनौती बनकर खड़ा हो गया है। डोंगरिया स्थित सरदार पटेल स्कूल ऑफ पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने वर्षों से लंबित छात्रवृत्ति नहीं मिलने से परेशान होकर मंगलवार को जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी व्यथा प्रशासन के समक्ष रखी। विद्यार्थियों ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए लंबित छात्रवृत्ति राशि शीघ्र जारी कराने की मांग की। विद्यार्थियों का कहना है कि वे वर्ष 2023-24 सत्र के छात्र हैं, लेकिन वर्ष 2026 तक पहुंचने के बाद भी उन्हें प्रथम वर्ष की छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिल सका है। ऐसे में जिन छात्रों ने छात्रवृत्ति के भरोसे अपनी पढ़ाई शुरू की थी, उनके सामने अब आर्थिक संकट लगातार गहराता जा रहा है। विद्यार्थियों का आरोप है कि कई बार कॉलेज प्रबंधन एवं संबंधित विभागों से संपर्क करने के बावजूद अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। जनसुनवाई में पहुंचे विद्यार्थियों ने बताया कि छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया के दौरान तकनीकी समस्याओं के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के आवेदन पूर्ण नहीं हो पाए थे। विशेष रूप से ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि निर्धारित अवधि के दौरान संबंधित पोर्टल सुचारु रूप से संचालित नहीं हो सका। परिणामस्वरूप अनेक पात्र विद्यार्थी शासन की छात्रवृत्ति योजना के लाभ से वंचित रह गए। छात्रा भव्या बघेले ने बताया कि पिछले

कई महीनों से छात्र लगातार अपनी समस्या को लेकर कॉलेज प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। हर बार प्रक्रिया जारी होने और मामला उच्च स्तर पर विचाराधीन होने की बात कहकर उन्हें आश्वस्त किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि आज तक किसी भी छात्र के खाते में छात्रवृत्ति की राशि नहीं पहुंची है। विद्यार्थियों का कहना है कि छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि उनकी शिक्षा का आधार है। अधिकांश छात्र ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं, जिनके लिए कॉलेज फीस, अध्ययन सामग्री, परीक्षा शुल्क और आवास संबंधी खर्च वहन करना आसान नहीं होता। ऐसे में शासन द्वारा मिलने वाली छात्रवृत्ति ही उनके लिए सबसे बड़ा सहारा होती है। हर बार प्रक्रिया जारी होने और मामला उच्च स्तर पर विचाराधीन होने की बात कहकर उन्हें आश्वस्त किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि आज तक किसी भी छात्र के खाते में छात्रवृत्ति की राशि नहीं पहुंची है। विद्यार्थियों का कहना है कि छात्रवृत्ति केवल आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ विद्यार्थियों को फीस जमा करने के लिए कर्ज तक लेना पड़ा है, जबकि कई छात्र परिवार की सीमित आय के कारण मानसिक तनाव में हैं। विद्यार्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि छात्रवृत्ति लंबित होने के बावजूद कॉलेज फीस जमा करने के लिए लगातार दबाव बनाया जाता है। निर्धारित समय सीमा में फीस जमा नहीं होने पर अतिरिक्त शुल्क भी लिया जाता है, जिससे उनकी आर्थिक परेशानी और बढ़ रही है। छात्रों का कहना है कि जब शासन की ओर से मिलने वाली सहायता राशि ही लंबित है तो ऐसे में उन पर अतिरिक्त आर्थिक भार डालना उचित नहीं है। जनसुनवाई के दौरान विद्यार्थियों ने जिला प्रशासन से मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए छात्रवृत्ति संबंधी लंबित प्रक्रिया को तत्काल पूरा कराया जाए। साथ ही संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर पात्र विद्यार्थियों को उनका अधिकार दिलाया जाए। छात्रों ने कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो अनेक विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा प्रभावित हो सकती है और कुछ छात्रों को आर्थिक कारणों से पढ़ाई बीच में छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

राजाभोज कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स के 72 कमरों की नीलामी 24 को

आवेदन लेने की अंतिम तारीख 19 और डीडी जमा होगें 20 जून तक, अब तक 50 लोगों ने ले चुके है फार्म

काम्पलेक्स में बने कमरों का रंग-रोगन, शटर में पेंट, साफ-सफाई करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने बने राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स के 72 कमरों (दुकानों) की नीलामी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मंडी प्रशासन द्वारा इच्छुक आवेदकों को फॉर्म का वितरण गत दिवस से किया जा रहा है। वही जो भी स्थानीय नागरिक या व्यापारी इस कॉम्पलेक्स में दुकान लेना चाहते हैं, वे 19 जून तक काम्पलेक्स परिसर में पहुंचकर आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही तय मानदंडों के अनुसार भरे हुए आवेदन और डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) जमा करने की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित की गई है। इसके बाद शासन के नियमानुसार 24 जून को कमरों की नीलामी प्रक्रिया संपन्न होगी, जिसकी तैयारियां मंडी प्रशासन ने पूरी कर ली हैं। वहीं काम्पलेक्स में बने कमरों का रंग-रोगन, शटर में पेंट एवं कुछ स्थानों पर फैली गंदगी की सफाई नही होने से लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। साथ ही गंदगी होने से सब्जी मंडी लाइन की तरफ बने कमरों के पास गंदगी एवं कुछ स्थानों पर अतिक्रमण होने से लोगों को दुकानें देखने में भी परेशानी हो रही है। जबकि स्थानीयजन एवं व्यापारियों की मांग है कि काम्पलेक्स में बने कमरों का रंग-रोगन, साफ-सफाई करने के साथ ही समुचित व्यवस्था पूरी होने के बाद नीलामी की प्रक्रिया करवाये प्रशासन।

सिर्फ 3 दिन शेष, व्यापारियों और बेरोजगारों में उत्साह

राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स में बने कुल 72 कमरों के लिए अब तक 50 से अधिक लोग आवेदन फॉर्म ले जा चुके हैं। आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने में अब महज 3 दिन का समय शेष बचा है। 20 जून के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। वहीं स्थानीय बेरोजगार युवाओं और क्षेत्र के व्यापारियों में इस नीलामी को लेकर खासा उत्साह है। लोग लगातार मंडी कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से नीलामी प्रक्रिया की जानकारी ले रहे हैं। इस नीलामी से जहां एक ओर स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे, वहीं दूसरी ओर मंडी प्रशासन के राजस्व में भी बढ़ोत्तरी होगी।

आधी-अधूरी तैयारियों के बीच नीलामी का आरोप, सफाई न होने से नाराजगी

एक तरफ जहां नीलामी को लेकर उत्साह है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय नागरिकों और कुछ व्यापारियों ने मंडी प्रशासन पर आनन-फानन में प्रक्रिया पूरी करने का आरोप लगाया है। स्थानीयजनों एवं व्यापारियों का कहना है कि मंडी प्रशासन को नीलामी से पहले कॉम्पलेक्स के सभी कमरों का रंग-रोगन और साफ-सफाई करवानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। विशेषकर सब्जी मंडी लाइन की तरफ बने कमरों के पास गंदगी का अंबार लगा हुआ है और कई कमरों के शटर के ताले टूटे पड़े हैं। गंदगी और बदहाली के कारण लोग उन कमरों को ठीक से देख भी नहीं पा रहे हैं। जबकि प्रशासन को पूरी तैयारी के साथ मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी करनी चाहिए परन्तु आधी-अधूरी व्यवस्था के बीच नीलामी का फैसला न्यायसंगत नहीं है। मंडी प्रशासन को पहले राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों का रंग-रोगन, शटर में पेंट सहित आसपास की गंदगी की पुरी तरह से साफ-सफाई करना चाहिए ताकि एक अच्छा वातावरण दुकान लेने वाले दुकानदारों को मिल सके।

अव्यवस्थाओं के बीच हो रही है नीलामी प्रक्रिया - मनीष

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि शासन के द्वारा बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की मंशा से मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया है, जिसकी नीलामी की प्रक्रिया कुछ दिनों पूर्व ही प्रारंभ की गई है, परंतु नीलामी प्रक्रिया संबंधित विभाग के द्वारा आनन फानन में प्रारंभ कर दी गई है। जबकि मंडी काम्पलेक्स के आस पास गंदगी फैली हुई है, अव्यवस्था है, अतिक्रमण भी नहीं हटाया गया है। श्री कुशवाहा ने बताया कि यदि कोई आम आदमी नीलामी के माध्यम से दुकान खरीदता है, तो मंडी में जो अतिक्रमण, गंदगी से परेशान होना पडेगा, वहीं नीलामी के पहले इन कमरों की मरम्मत भी नहीं करवाई गई है, जिससे मंडी में बारिश का पानी टपकता है, दीवारों में दरारें पड़ी हुई है। मंडी बोर्ड के द्वारा जो ऑफसेट प्राइस तय किया गया है, वह भी बेहद अधिक है, जिसके कारण आम आदमी का कमरों को खरीदना संभव नहीं है, क्योंकि 5 से 6 लाख रूपये आम आदमी या बेरोजगार युवा के लिए अधिक राशि है, 2 से 3 लाख रूपयें ऑफसेट प्राइस होना चाहिये था। आगे बताया कि जिस तरह से मंडी प्रशासन के द्वारा मनमाने ढंग से ऑफसेट प्राइस तय किये गये है उससे स्पष्ट नजर आ रहा है कि मंडी बोर्ड पूंजीपतियों को ही लाभ पहुंचाना चाहता है। शासन प्रशासन से मांग है कि मंडी कॉम्पलेक्स में फैली गंदगी की सफाई करवाई जाये, अतिक्रमण को हटाया जाये, कमरों का रंग रोगन कर मरम्मत कार्य करवाये और जो ऑफसेट प्राइस तय किया गया है उसे कम किया जाये जिससे गरीब व बेरोजगार युवा दुकान लेकर अपना रोजगार प्रारंभ कर सके।

रंग-रोगन एवं अन्य कार्य जल्द करवाये जायेगें - ठाकरे

दूरभाष पर चर्चा में कृषि उपज मंडी लालबर्रा सचिव वायआर ठाकरे ने बताया कि राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स में बने 72 कमरों (दुकानों) की नीलामी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 19 जून तक फार्म दिये जायेगें एवं 20 जून को डीडी जमा करने की अंतिम तारीख है, जिसके बाद शासन के नियमानुसार 24 जून को काम्पलेक्स में बने 72 कमरों की नीलामी की जायेगी। श्री ठाकरे ने बताया कि मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों का रंग-रोगन, शटर में पेंट सहित अन्य कार्य करवाये जायेगें जिसके लिए कार्ययोजना तैयार हो चुकी है और जल्द कार्य प्रारंभ कर दिये जायेगें।

लालबर्रा जनपद में प्रशासनिक फेरबदल, अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिवों के हुए तबादले

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश शासन की स्थानांतरण नीति वर्ष 2026-27 के तहत जिला पंचायत बालाघाट द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों के तहत जनपद पंचायत लालबर्रा के अधिकारी सहित कई ग्राम पंचायत सचिवों का स्थानांतरण किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिये गये है। जिला पंचायत द्वारा जारी आदेश के अनुसार जनपद पंचायत लालबर्रा में पदस्थ प्रभारी खंड पंचायत अधिकारी, पंचायत समन्वय अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी का प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण कर दिया गया है। उन्हें अब लालबर्रा से स्थानांतरित कर जनपद पंचायत परसवाड़ा में पदस्थ किया गया है। इसी तरह प्रशासनिक आवश्यकता को देखते हुए लालबर्रा जनपद के अंतर्गत कार्यरत कई ग्राम पंचायत सचिवों को भी इधर से उधर किया गया है। जिसमें लकेश खरे ग्राम पंचायत चंदपुरी से स्थानांतरित कर इन्हे ग्राम पंचायत गारापुरी भेजा गया है। ग्राम पंचायत गारापुरी में पदस्थ सचिव आधारसिंह वाडिवा को अब ग्राम पंचायत जाम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विकास मेश्राम को पाथरी से स्थानांतरित कर इन्हें ग्राम पंचायत कोपे भेजा गया है। ग्राम पंचायत खारी के सचिव दीपक सोनबिरसे को ग्राम पंचायत साल्हे (मो.)। जबकि साल्हे (मो.) में पदस्थ सचिव मनोज चौहान का तबादला ग्राम पंचायत खारी में कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त लालबर्रा की ग्राम पंचायत छतेरा में पदस्थ सचिव वीरेन्द्र सोनी को जिले के अंदर अन्यंत्र जनपद पंचायत बैहर की ग्राम पंचायत कंदई में स्थानांतरित किया गया है। वहीं जिला पंचायत द्वारा जारी निर्देश पर स्पष्ट किया गया है कि सभी स्थानांतरित कर्मचारियों और सचिवों को आदेश जारी होने के 3 कार्य दिवस के अंदर अनिवार्य रूप से कार्यमुक्त होना होगा। यदि कोई सचिव तय समय में स्वेच्छा से कार्यमुक्त नहीं होते है, तो संबंधित जनपद द्वारा उसे एकतरफा कार्यमुक्त कर दिया जायेगा।

वरिष्ठ भाजपाई दिलीप चैतगुरू का निधन, अंत्येष्टि आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर ग्राम पंचायत गणेशपुर निवासी वरिष्ठ भाजपाई 59 वर्षीय दिलीप चैतगुय का 16 जून को दोपहर साढे बारह बजे हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 17 जून को प्रात: 11 बजे गणेशपुर स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेशपुर निवासी वरिष्ठ भाजपाई दिलीप चैतगुरू अस्वस्थ्य थे, जिनका उपचार रायपुर एम्स अस्पताल में जारी था, 16 जून को अचानक स्वास्थ्य अधिक खराब होने एवं हद्यगति रूक जाने से दोपहर 12.30 बजे दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते कि चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. दिलीप चैतगुरू भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता थे, साथ ही सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये है। स्व. दिलीप चैतगुरू का 17 जून को प्रात: 11 बजे गणेशपुर स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया जायेगा।

लालबर्रा में पहली बार धूमधाम से निकाली जायेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में सर्व हिन्दु समाज की बैठक संपन्न, कार्यक्रमों की रूपरेखा पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कॉलोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार की शाम सर्व हिंदू समाज की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बालाघाट प्रभारी (उज्जैन) रत्नभूषण दास एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में क्षेत्र के धार्मिक इतिहास को लेकर एक बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। आयोजित बैठक में जुलाई माह में लालबर्रा में पहली बार धूमधाम से निकाली जाने वाली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि आगामी 18 जुलाई को लालबर्रा क्षेत्र में पहली बार भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जायेगी। इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए बालाघाट के सहयोग से भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलदेव और बहन सुभद्रा जी के विशेष विग्रह लाये जायेगें। इस रथ यात्रा को ऐतिहासिक, अभूतपूर्व और भव्य बनाने के लिए बैठक में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया गया कि सभी समाजों, धार्मिक संस्थाओं और क्षेत्र के प्रबुध्दजनों को विशेष रूप से सम्मिलित किया जायेगा। इस धार्मिक महोत्सव के दौरान एक विशाल कीर्तन-मंडली मुख्य आकर्षण होगी, जो पूरे मार्ग को हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान करेगी। इसके अलावा अन्य कई सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जायेगा।

यह रहेगा संभावित रथ यात्रा मार्ग

बैठक में रथ यात्रा के मार्ग को लेकर एक प्रारंभिक प्रस्ताव पारित किया गया है, जिसके अनुसार श्री हनुमान मंदिर अमोली से प्रारंभ होगी भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा, जो राम मंदिर लालबर्रा, श्रीनिवास मेडिकल स्टोर्स होते हुए मंडी कॉम्पलेक्स मार्ग का भ्रमण करते हुए श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगा। साथ ही यात्रा के अंतिम रूट, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर आगामी बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जायेगा। लालबर्रा क्षेत्र के इतिहास में पहली बार आयोजित हो रही इस भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर सर्व हिंदू समाज और स्थानीय श्रध्दालुओं में भारी उत्साह और हर्ष का माहौल है। क्षेत्रीय श्रध्दालुओं ने इस भव्य रथ यात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और भगवान का रथ खींचकर पुण्य लाभ कमाने का संकल्प लिया है। बैठक में प्रमुख रूप से बालाघाट प्रभारी रत्न भूषणदास, राहुल शुक्ला, हरिशंकर बनवारी, मनीष कुशवाहा, मनीष शास्त्री, गगन अग्रवाल, रणवीर सिंह सेंगर, विमल मिश्रा, राजा सोनी, विनय हरिद्वाज, सुनील अवधवाल, आकाश नागेश्वर सहित अन्य सनातनी धर्मालंबी उपस्थित रहे।

18 जुलाई को निकाली जायेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा - रत्नभूषण

बालाघाट प्रभारी रत्नभूषण दास ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से 18 जुलाई को लालबर्रा में भव्य भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही है, जिसकी तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें हमारे युवा साथी व समाजसेवी के द्वारा अपनी सहमति दी है। हमारे द्वारा बालाघाट से भगवान जगन्नाथ, संकीर्तन मंडली लालबर्रा आयेगी जो नगर का भ्रमण करेगी। श्री दास ने बताया कि लालबर्रा में यह पहली बार यात्रा निकाली जा रही है, श्रध्दालुओं से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में रथ यात्रा में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाये और धर्मलाभ ले।

ओडिशा पुरी की तर्ज पर निकाली जायेगी रथ यात्रा - राहुल

समाजसेवी राहुल शुक्ला ने बताया कि इस आयोजन को ओडिशा के पुरी में निकलने वाली विश्व प्रसिध्द जगन्नाथ रथ यात्रा की तर्ज पर ही मनाने का प्रयास किया जा रहा है। उसी परंपरा और उत्साह के साथ यहां भी भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की नगर भ्रमण यात्रा निकाली जायेगी। श्री शुक्ला ने बताया कि रथ यात्रा के रूट (मार्ग) और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अभी चर्चा चल रही है। यात्रा किस मार्ग से होकर गुजरेगी और सुरक्षा व स्वागत की क्या व्यवस्थाएं होंगी, इसका अंतिम चयन जल्द ही किया जायेगा। इस भव्य आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए आने वाले दिनों में और भी बैठकें आयोजित की जायेगी, जिसकी जानकारी समय-समय पर आम जनता को दी जायेगी।

अमोली में किसान संगोष्ठी का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के पंचायत भवन में ब्लॉक मरार माली समाज के तत्वाधान में सोमवार को एक दिवसीय किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि प्रकोष्ठ प्रभारी भेजलाल माने, कृषि विभाग की ग्राम सेविका श्रीमती रंगारे सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला कृषि प्रकोष्ठ प्रभारी भेजलाल माने ने किसानों को कीट नियंत्रण, मृदा संरक्षण, जल संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने भूमि और जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में गिरते भूजल स्तर और मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों का जागरूक होना बेहद जरूरी है। साथ ही श्री माने ने किसानों को पारंपरिक खेती के पध्दति से बाहर निकलकर आधुनिक, जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया, ताकि किसान कम लागत में अधिक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ और मजबूत हो सके। कार्यक्रम के अंतिम चरण में उपस्थित किसानों ने खेती-किसानी से जुड़ी अपनी विभिन्न समस्याओं को विशेषज्ञों के सामने रखा, जिनका मौके पर ही उचित मार्गदर्शन देकर समाधान किया गया। इस अवसर पर अमोली सहित आसपास के ग्रामों के किसान उपस्थित रहे।

ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर आदिवासी वृद्ध महिला से ३.५० लाख की ठगी

सदमें से बेटे की मौत न्याय के लिए थाने पहुंची बेबस मां

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र में इन दिनों कथित ट्रेडिंग कंपनियों और मोबाइल ऐप के जरिए ज्यादा मुनाफे का लालच देकर भोले.भाले लोगों को ठगने वाले गिरोह सक्रिय हैं। ऐसा ही एक दिल दहला देने वाला मामला वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम डोंगरमाली से सामने आया है। जहां एक शातिर ठग ने ६० वर्षीय बेबस आदिवासी वृद्ध महिला को अपनी झूठी बातों के जाल में फंसाकर ३५०००० रूपये की मोटी रकम ऐंठ ली। इस धोखाधड़ी का सदमा बुजुर्ग महिला का बेटा बर्दाश्त नहीं कर सका और दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई। अब पीड़ित वृद्ध महिला ने वारासिवनी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने और अपनी राशि वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

जमीन बेचकर खरीदे थे ट्रैक्टर और जमा की थी पूंजी

शिकायत में उलेखित हैं की मैं आवेदिका कांता ठाकरे उम्र ६० वर्ष निवासी ग्राम डोंगरमाली रहती हूँ। वारा निवासी पूर्व सरपंच रिजवान उर्फ राजा अली ने उनके और उनके बेटे बंटी ठाकरे से लगातार संपर्क साधा। रिजवान अली ने खुद को एक बड़ी ट्रेडिंग कंपनी का एजेंट बताया और दावा किया कि उसने खुद इस कंपनी से करोड़ों रुपये की संपत्ति बनाई है। आरोपी के झांसे में आकर वृद्ध महिला ने डोंगरमाली स्थित अपनी ३ एकड़ कृषि भूमि १५ लाख रूपये में बेच दी। इस राशि से उन्होंने एक ट्रैक्टर खरीदा और बची हुई राशि में से ३५०००० रूपये रिजवान अली के कहने पर उसके द्वारा बनाए गए कथित ट्रेडिंग ऐप में निवेश कर दिए। आरोपी ने प्रति माह १० प्रतिशत लाभांश देने का वादा किया था और आश्वस्त किया था कि यदि कंपनी डूबी तो वह अपने पास से पैसे लौटाएगा। मई २०२५ में रिजवान अली ने गवाह योगेन्द्र सिंह उम्र ५३ वर्ष निवासी वार्ड नंबर ४ के सामने ३५०००० रूपये की नगद राशि ली थी। उस वक्त आरोपी ने बकायदा वादा किया था कि वह खून.पसीने की कमाई को व्यर्थ नहीं जाने देगा। इसके अलावा आईडी बनाने के नाम पर १०००० रूपये अतिरिक्त लिए गए।

शुरुआती दो महीनों तक आरोपी ने १८०००-१८००० हजार रूपये के रूप में कुछ पैसे दिए। लेकिन उसके बाद अचानक पैसे देना बंद कर दिया और अपने मोबाइल नंबरों ९९२६८४४५८३ ,९४२५४४७३३१ से संपर्क तोड़ने का प्रयास करने लगा। रिजवान अली पैसे देने नहीं आया तो मेरे द्वारा सम्पर्क करने पर उसके द्वारा बताया कि मैंने जो एप्लीकेशन बनाया हूँ उसमें सुधार का कार्य चल रहा है और सुधार होने के पश्चात आपके पैसे आना चालू हो जायेंगे। फिर भी जब कुछ महिने बीतने के बाद राशि मुझे प्राप्त नहीं हुई तो मैंने एवं मेरे लड़के ने राजा अली से बार बार सम्पर्क किया गया एवं पैसे वापस करने के लिए कहा गया। तब राजा अली के द्वारा कहा गया कि जनवरी में पैसा प्राप्त हो जायेगा आप निश्चिंत रहो मेरी रिस्क है। इसी सोच में पड़कर जब मेरे लड़के ने बार.बार राजा अली से पैसा मांगा और राजा अली के द्वारा पैसा वापस नही करने पर आज से २ माह पूर्व मेरे लड़के को सदमा आया और हार्टअटैक आने के बाद उसकी मौत हो गई। अब मेरे पास ना मेरा बेटा है और ना ही मेरा पति जीवित है, मैं अकेली असहाय बुढ़ी महिला हूँ अब ना मेरे पास जमीन है ना बेटा और ना ही पति है और मेरा कोई सहारा नहीं है। बार.बार रिजवान अली को पैसे वापस करने के लिए आग्रह कर रही हूँ लेकिन उसके द्वारा ना तो मुझे लाभांश दिया जा रहा है और ना ही मेरी मूल राशि वापस की जा रही है ।उल्टा उनके द्वारा मुझे डराया एवं धमकाया जा रहा है कि यदि तुने कही मेरे खिलाफ शिकायत की तो तुझे जान से खत्म कर देंगे। वैसे भी तु अकेले निवास करती है किसी को पत्ता भी नहीं चलेगा। मेरे पास ना तो जमीन बची और ना ही पैसा ऊपर से मुझे मेरी जान माल का खतरा भी हो गया है अब मेरे पास आत्महत्या करने के अलावा कुछ शेष नहीं बचा हैं। मेरी मांग है कि रिजवान अली के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मेरी राशि मुझे वापस दिलायें।

पैसो के सदमे में इकलौते बेटे ने तोड़ा दम,अब मिल रही हैं धमकियां-कांता ठाकरे

पीड़िता कांता ठाकरे ने अत्यंत भावुक शब्दों में अपनी आप बीती बताते हुए कहा कि मेरा लड़का गाड़ी चलाता था हम अड़मे के यहां किराये से रहते थे। राजा अली बार बार हमारे घर आता था कि हमारी यह कंपनी में तुम पैसा लगाओ लाभ होगा। मैंने जमीन बेची थी लड़के के लिए ट्रैक्टर ली और बची राशि में से ३.५० लाख रुपए राजा अली को दिए जिसमें २ महीने १८-१८ हजार रुपए मुझे वापस किया। फिर रुपए नहीं मिले कंपनी के नाम पर राजा अली टालमटोल करता रहा। जब कई महीनों तक पैसे वापस नहीं मिले तो उनके इकलौते बेटे बंटी ठाकरे को गहरा सदमा लगा। इस मानसिक तनाव और सदमे के कारण करीब दो महीने पहले ११ अप्रैल को बंटी को हार्ट अटैक आ गया और उसकी मृत्यु हो गई। पति के बाद अब बेटे को भी नहीं बचा सकी। पूंजी वापस मांगी तो रिजवान अली पैसे लौटाने के बजाय उल्टा डराने.धमकाने लगा और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। मेरे पास अब कुछ भी नहीं बचा है आत्महत्या करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा। मैं चाहती हूँ की पुलिस आरोपी रिजवान अली के खिलाफ तत्काल अपराध पंजीकृत कर सख्त कानूनी कार्यवाही करें मुझे मेरे रुपए वापस लौटायें।

वारासिवनी मंगलवार बाजार बना मोबाइल चोरों का गढ़

एक ही दिन में आधा दर्जन जेबें साफ पुलिस जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के साप्ताहिक मंगलवार बाजार में आने वाले आम लोगों और व्यापारियों की सुरक्षा भगवान भरोसे नजर आ रही है। बीते कुछ समय से बाजार में मोबाइल चोरी की वारदातों में बढ़ोतरी हुई है जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। ताजा मामला १६ जून दिन मंगलवार का है जहाँ भीड़ का फायदा उठाकर शातिर चोरों ने करीब आधा दर्जन से अधिक लोगों के कीमती स्मार्टफोन पार कर दिए। पीड़ितों की शिकायत के बाद अब पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी के मुख्य सब्जी बाजार में हर मंगलवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सब्जी व्यापारी और आम उपभोक्ता खरीदी करने पहुँचते हैं। बाजार में होने वाली भारी भीड़ का फायदा उठाने के लिए चोर गिरोह सक्रिय हो चुका है। चोरों के निशाने पर खासकर ऐसे बुजुर्ग या अधेड़ उम्र के व्यक्ति होते हैं जो अपने मोबाइल फोन को शर्ट की ऊपर वाली जेब में रखते हैं। चोर बेहद सफाई से भीड़ का लाभ उठाकर जेब से मोबाइल उड़ा लेते हैं। मंगलवार को बाजार करने आए कई लोगों को मोबाइल चोरी होने की भनक तक नहीं लगी। जब लोग खरीदी पूरी कर अपनी मोटरसाइकिल के पास पहुँचे या घर गए तब उन्हें जेब खाली होने का अहसास हुआ। इसके बाद पीड़ित तुरंत वारासिवनी थाने पहुँचे और लिखित शिकायत दर्ज करवा रहे हैं। हर हफ्ते होने वाली इन चोरियों से अब नगरवासी बाजार जाने में भी कतराने लगे हैं। पीड़ितों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मंगलवार बाजार के दिन सादे कपड़ों में पुलिस जवानों की तैनाती की जाए और संदिग्धों पर नजर रखकर इस गिरोह का पर्दाफाश किया जाए, ताकि भविष्य में लोग सुरक्षित होकर बाजार आ सकें। फिलहाल पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। पीड़ित प्रणेश सोनवाने ने बताया की मैं मंगलवार बाजार में सब्जी खरीदने गया था। जब मैं सब्जी लेकर अपनी गाड़ी के पास वापस आया और जेब में हाथ डाला तो मेरा मोटोरोला कंपनी का मोबाइल गायब था। उस

फोन में जनगणना से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण और जरूरी रिकॉर्ड सेव था जिसके गुम होने से मेरी मुश्किलें बढ़ गई हैं। मैंने थाने में शिकायत दर्ज करा दी है। वहीं शाहिद खान ने बताया की मैं रोज की तरह बाजार से सब्जी खरीदकर जब घर लौटा तब देखा कि ऊपर की जेब में रखा मेरा मोबाइल गायब है। जब मैं शिकायत करने थाने पहुँचा तो वहाँ मेरे जैसे ४ लोग और मिले जिनके मोबाइल उसी बाजार से चोरी हुए थे। पुलिस को इस पर सख्त से सख्त कार्यवाही करनी चाहिए।

नगर पालिका की जनता दरबार में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सुनी समस्या

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नपा परिषद के परम्परागत जनता दरबार में आम जनता और पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के बीच महत्त्वपूर्ण माध्यम में विश्वास, त्वरित समाधान और सुशासन नजर आया। जनता दरबार में

नगर के विभिन्न वार्डो के निवासीयों ने अपनी मूलभुत सहित अनेको समस्याओं पर शिकायत दर्ज करायी। जनता दरबार में मप्र पेन्शर्स संघ वारासिवनी द्वारा वार्ड दो में विभिन्न कार्यो के लिए भवन की मांग की गयी। इस प्रस्ताव को जिलाधीश को भेजकर प्रक्रिया में लेकर भवन निर्माण की सोच नपा परिषद के द्वारा रखी गयी। पेंशर्स संघ वारासिवनी की सोच है की उनके विभिन्न कार्यो के लिये उनकी संस्था का भी नगर में एक भवन होना चाहिये। आज बकायदा एक खाली जमीन का हवाला देकर उन्होने अपनी मांग पर समाधान की उम्मीद नपा परिषद से कायम रखी। नगरे वार्ड नं.४ में वंदना सदन के सामने से ग्रहयोग परिसर तक पहुंच मार्ग में दोनों पक्षो अरविंद तिवारी विरुद्ध सुरेश दीक्षित विषय में नपा परिषद ने न्यायालीन निर्णय को आधार बनाकर अंतिम नोटिश के बाद कार्यवाही के संकेत दिए। इसी तरह वार्ड तीन में दीपक जैन से बाली देशपांडे के घर तक नाली निर्माण के बाद शिवू विक्टर के घर के पास नाली निर्माण के निर्देश प्रदान कर निकट की अन्य नाली निर्माण की तकलीफो को दूर करने के लिए बाली देशपांडे के अनुभव का लाभ लेने की सोच भी देखी गयी। दूसरी ओर बरसात के मौसम को करीब देखकर वार्ड नं. ४,६,११,१४ में भी नाली निर्माण की जनता की मांग पर नपा परिषद ने गम्भीरता दिखाकर जनविश्वास को बढ़ाने का कार्य किया। वार्ड नं.६ से मनोनीत पार्षद श्रीमती दीपलता देशमुख ने महिला टीम के साथ आकर वार्ड में नाली की समस्या के लिए जनता दरबार चर्चा भी की।

शासकीय चावल हेराफेरी मामले का मुख्य आरोपी ड्राइवर दुर्गेश शेन्डे गिरफ्तार

सिवनी बाईपास से गायब दो अन्य ट्रक भी जब्त दो मास्टरमाइंड अब भी फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय चावल को अवैध रीसाइक्लिंग और हेराफेरी के बड़े रैकेट का पर्दाफाश होने के बाद वारासिवनी पुलिस को इस मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। ३ जून २०२६ को संचेती राईस मिल में पकड़े गए संदिग्ध चावल से भरे ट्रक के बाद पुलिस ने इस मामले के मुख्य आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही भारतीय खाद्य निगम डिपो से गायब हुए दो अन्य ट्रकों को भी पुलिस ने लावारिस हालत में बरामद करने में सफलता पाई है।

१५ जून की रात हुई पहली गिरफ्तारी

मामले की जांच कर रही वारासिवनी पुलिस ने १५ जून २०२६ की रात २३.१५ बजे बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी ट्रक चालक दुर्गेश पिता प्रेमलाल शेन्डे उम्र ३७ वर्ष निवासी वार्ड नं.२ मेहंदीवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे जेएमएफसी न्यायालय वारासिवनी में पेश कर पुलिस ने अग्रिम पूछताछ के लिए उसकी रिमांड की मांग की है।

सिवनी बाईपास से मिले गायब दो और ट्रकए आरोपी चालक फरार

इस पूरे घटनाक्रम में जांच में सामने आया कि एफ सीआई नवेगांव डिपो बालाघाट से एथेनॉल प्लांट के लिए कुल तीन ट्रक चावल निकला था। घटना के दिन ३ जून केवल एक ट्रक क्रमांक सीजी ०४ जेडी ३१४७ ही संचेती राईस मिल परिसर से पकड़ा गया था जबकि बाकी के दो ट्रक गायब थे। वारासिवनी पुलिस को १६ जून को सूचना मिली कि गायब हुए दोनों ट्रक सिवनी बाईपास के पास खड़े हैं। पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए ट्रक क्रमांक एच आर ५५ ए ७८८० और पी बी ०३ ए डब्लु ८४२१ को लावारिस हालत में जब्त कर लिया है। पुलिस के आने की भनक लगते ही दोनों ट्रकों के चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस दोनों ट्रकों को वारासिवनी थाने ले आई है और उन्हें सुरक्षित अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है।

यह था पूरा मामला

यह पूरा मामला ३ जून २०२६ का है जब वारासिवनी तहसीलदार श्रीमती वंदना कुसराम और नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय ने गुप्त सूचना के आधार पर लालबर्रा रोड स्थित संचेती राईस मिल के परिसर में आकस्मिक छापा मारा था। वहां ४९० बोरियों में कुल २४२.५५ क्विंटल शासकीय चावल से लदा एक ट्रक खड़ा मिला था। चालक दुर्गेश शेन्डे के पास परिवहन या चावल से जुड़े वैध कागजात विपुल पास रसीद नहीं थे। पूछताछ में पता चला कि यह चावल एफ सीआई नवेगांव डिपो से एवीजे एग्रीक प्राइवेट लिमिटेड एथेनॉल प्लांट बोरगांव छिंदवाड़ा के लिए जारी हुआ था। लेकिन उसे सीधे छिंदवाड़ा ना ले जाकर वारासिवनी में ही खपाने की नीयत से संचेती राईस मिल के शेड में छिपाकर खड़ा कर दिया गया था। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की रिपोर्ट पर ५ जून २०२६ को वारासिवनी पुलिस ने अपराध क्रमांक २७२/२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा ३१६,३ और ३/५ के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले में दुर्गेश शेन्डे ट्रक चालक, राहुल प्रताप अधिकृत प्रतिनिधि एवीजे एग्रीक प्राइवेट लिमिटेड एथेनॉल प्लांट छिंदवाड़ा, सौरभ संचेती संचेती राईस मिल वारासिवनी को आरोपी बनाया गया जिसमें दुर्गेश शेंडे गिरफ्तार हो गया है अभी भी दो आरोपी फरार हैं। इसमें प्रशासन के अनुसार यह कस्टम मिलिंग की आड़ में शासन को भारी आर्थिक क्षति पहुंचाने और शासकीय चावल की अवैध रीसाइक्लिंग करने की यह एक सोची समझी बड़ी साजिश थी।

पुलिस का अगला कदम

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस फरार चल रहे राईस मिल मालिक सौरभ संचेती और एथेनॉल प्लांट के प्रतिनिधि राहुल प्रताप की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार ड्राइवर दुर्गेश शेन्डे से रिमांड के दौरान पूछताछ में इस रैकेट से जुड़े कई और सफेद पोशों के नाम सामने आ सकते हैं। फिलहाल तीनों ट्रक पुलिस की सुरक्षित कस्टडी में हैं।

कबीर कुटी में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई कबीर जयंती

विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १३ स्थित कबीर कुटी में १६ जून को कबीर जयंती के पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सदगुरु कबीर एकता समिति वारासिवनी के तत्वाधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु कबीरवाणी और भजनों का लाभ उठाने पहुंचे। इस धार्मिक समागम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में बांधवगढ़ से पधारे हरीश पंडा साहेब और उनके सहयोगी साथियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। बाहर से आए इन अनुभवी संतों और विद्वानों की देखरेख में पूरे कार्यक्रम को पूर्ण विधि विधान और वैदिक कबीर पंथी परंपरा के अनुसार संपन्न कराया गया। कबीर जयंती के अवसर पर कबीर कुटी में सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। दिनभर चले कार्यक्रमों की शुरुआत अलसुबह अत्यंत पवित्र माहौल में गुरु महिमा पाठ के साथ हुई। इसके पश्चात संतों और समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में पूरी गरिमा के साथ झंडा वंदन किया गया। दोपहर में सामूहिक चौका आरती उतारी गई। आरती के संपन्न होने

सत्संग का आयोजन किया गया जिसमें बांधवगढ़ से आए हरीश पंडा साहेब ने संत कबीर दास जी के दोहों और उनकी साखियों के माध्यम से समाज को एकता, समरसता और मानवता का संदेश दिया। सत्संग के बाद विश्व शांति और जन कल्याण की कामना के साथ कबीर कुटी परिसर में महायज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। कबीर पंथ की विशेष परंपरा के अनुसार शाम को बेहद आकर्षक आनंदी के बाद उपस्थित सभी भक्तों और नगरवासियों के बीच महाप्रसादी का वितरण किया गया। जिसे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धाभाव से ग्रहण किया। इस सफल आयोजन के पीछे सदगुरु कबीर एकता समिति की पूरी टीम की कड़ी मेहनत और सुव्यवस्थित प्रबंधन रहा। अध्यक्ष चंद्रकिशोर बुरड़े ने बताया कि सतगुरु कबीर एकता समिति के द्वारा कबीर जयंती का आयोजन किया गया है। जिसमें सुबह से विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाहर से आए संतों के द्वारा पूजा पाठ संपन्न कराया गया वहीं उपदेश देकर समाज को संत कबीर के उद्देश्य से रूबरू करवा कर उनके उपदेश बताए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में कबीर पंथ के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए और सभी के द्वारा धार्मिक लाभ लिया गया है। आने वाले समय में इस कार्यक्रम को और भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर सामाजिक मिलन समारोह आज

कक्षा १० वी एवं १२ वीं के प्रतिभाशाली बच्चों का होगा सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर जिला राजपूत क्षत्रिय सभा बालाघाट के द्वारा सामाजिक मिलन समारोह का आयोजन बुधवार को आयोजित किया जा रहा है। जिला राजपूत क्षत्रिय सभा के जिलाध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती महाराणा प्रताप राजपूत समाज भवन केविन हॉस्पीटल के सामने गोकुल धाम नगर वार्ड नं. २४ मोतीनगर बालाघाट में आयोजित की जा रही है। जिसमें दोप. २ बजे से अतिथियों का स्वागत एवं उद्बोधन होगा,३ बजे से श्री राणा हनुमान सिंह फांउडेशन की ओर से कक्षा १० वी एवं १२ वीं के प्रतिभाशाली बच्चों को पारितोषीक से सम्मानित किया जाएगा। शाम ५ बजे से भव्य वाहन एवं बाईक रैली के द्वारा नगर भ्रमण कर महाराणा प्रताप चौक पर प्रतिमा पर माल्यार्पण अतिथियों की उपस्थिति में होगा तत्पश्चात शाम ६ बजे से स्नेह भोज होगा। कार्यक्रम का आयोजन गौरीशंकर बिसेन पूर्व केबिनेट मंत्री ,अशोक सिंह सरस्वार पूर्व विधायक ,सम्राट सिंह सरस्वार अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट ,कल्याण सिंह राणा अध्यक्ष जनपद पंचायत

किरनापुर, श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बालाघाट ,राजेश पाठक अध्यक्ष सर्व ब्राम्हण समाज बालाघाट , संजय सिंह कछवाहा जिलाध्यक्ष जिला राजपूत क्षत्रिय सभा बालाघाट सहित अन्य की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा। जिला अध्यक्ष राजपूत क्षत्रिय महासभा संजय सिंह कछवाह ने समस्त स्वजातिय बंधुओं से इस कार्यक्रम में सहपरिवार उपस्थित होकर समाज को गौरवान्ति करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सादा जीवन उच्च विचार, भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है

कुदरत द्वारा रचित सृष्टि की 84 लाख योनियों में सबसे अनमोल बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खज़ाना धारे मानवीय योनि नें सृष्टि में अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रयोग कर इस सृष्टि को कहां से कहां पहुंचा दिया है। सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं को भी आर्टिफिशियल बना दिया है,इतना ही नहीं एक आर्टिफिशियल रोबोट मानव भी बना दिया है बस अब एक कमीं रह गई है जो मानवीय मृत शरीर में जान फुकना और आर्टिफिशियल प्राकृतिक बच्चे प्रौद्योगिकी की तकनीकी पर बनाकर उसमें जान फूककर जन्म देना रह गया है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि मानवीय जीव यह कभी नहीं कर सकेगा।धन, माया, नाम शोहरत की खातिर मानव ने अपने चोबीस घंटे उसमें लगा दिए हैं जिसमें अपने जीवन को भारी तनावग्रस्त के समंदर में झोंक दिया है परंतु संतुष्टि फिर भी नहीं मिलेगी क्योंकि यह मार्ग ऐसा है कि इस पथ पर फिसलता ही चला जाता है और अंतिम लम्हों में सादा और सहज जीवन जीने की याद आती हैं तबतक सब कुछ निकल चुका होता है। साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही,जिसके पीड़ित मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है,और मानसिक विचारधारा सादा जीवन उच्च विचार की ओर लौटने की सोच को रेखांकित करती है। साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो यह सहज सरल जीवन की कुंजी है। सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता, चेतना आती है। दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं। मानव में दयालुता, सुविचार, मानवता, नम्रता झलकती है ऐसे मानवके समीप विकार जैसे द्वेष,अभिमान अहम, अहंकार जैसे अनेक विकारों को भी आने से डर लगता है क्योंकि यह रेखांकित करने वाली बात है कि जहां सादा जीवन रहेगा वहीं उच्च विचारों, गुणवत्ता, चेतना, संतुष्टि का निवास हो जाता है और जीवन सहज, सरलता खुशियों से लबालब हो जाता है। साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार के अर्थ को समझने की करें तो,सादा जीवन का अर्थहै अपनी सीमित आवश्यकताओं के अनुसार, न कि अपने असीमित लालच के अनुसार। सारा तनाव और तनाव इस सूत्र का पालन न करने का परिणाम है। आध्यात्मिक जीवन सादा जीवन उच्च विचार के अलावा और कुछ नहीं है। भगवत गीता कहती है कि सादा जीवन और उच्च विचार ही आर्थिक समस्याओं का समाधान है।जो व्यक्ति सादा जीवन जीने में विश्वास रखता है, वह न तो अपने लिए और न ही दूसरों के लिए समस्याएँ खड़ी करता है। जो व्यक्ति उच्च विचारों में लीन रहता है, वह वास्तव में निस्वार्थ व्यक्ति बन जाता है। साथियों बात अगर हम सहज, सरल जीवन की करें तो बड़े -बुजुर्गों के मुंह से सुनते आए हैं- जीवन में शांति जरूरी है और शांति से रहना अपने हाथ में है। शांति तभी मिल सकती है, जब जीवन सरल हो। कन्फ्यूशियस का कथन है- जीवन बेहद सरल है लेकिन हम उसे जटिल बनाने पर आमादा रहते हैं। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी हमेशा से सादा जीवन उच्च विचारों को अहमियत दी गई है।

वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक

महाराणा प्रताप जयंती-संघर्ष, त्याग और स्वतंत्रता की अमर गाथा

भारत के इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया। ऐसे ही महान योद्धाओं में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ के शासक ही नहीं थे, बल्कि वे भारतीय स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अदम्य साहस के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि, संस्कृति और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनका नाम करोड़ों भारतीयों के हृदय में श्रद्धा और गौरव के साथ लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। वे मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के महान शासक थे। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता जयवंता बाई थीं। बचपन से ही प्रताप में वीरता, नेतृत्व क्षमता और स्वाभिमान के गुण दिखाई देने लगे थे। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी माता से ही साहस, शौर्य और युद्धकला की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। आगे चलकर यही गुण उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान योद्धाओं में शामिल करने वाले बने।

महाराणा प्रताप की जयंती को लेकर देशभर में विशेष उत्साह रहता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार उनका जन्म 9 मई 1540 को हुआ था, इसलिए अनेक स्थानों पर इसी दिन जयंती समारोह आयोजित किए जाते हैं। वहीं मेवाड़ क्षेत्र में सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार उनकी जयंती हिन्दू पंचांग की ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है। वर्ष 2026 में यह तिथि 17 जून को पड़ रही है। मेवाड़ के लोगों के लिए यह केवल एक जयंती नहीं बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति का उत्सव है। महाराणा प्रताप का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। जब वे मेवाड़ के शासक बने, उस समय मुगल सम्राट अकबर अपनी सत्ता का विस्तार कर रहा था। अधिकांश राजपूत राजाओं ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी, लेकिन महाराणा प्रताप ने अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया। अकबर ने कई बार दूत भेजकर उन्हें अपनी अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव दिया, किंतु प्रताप ने हर बार उसे अस्वीकार कर दिया। उनका मानना था कि मातृभूमि की स्वतंत्रता किसी भी कीमत पर नहीं बेची जा सकती।

महाराणा प्रताप और अकबर के बीच संघर्ष का सबसे प्रसिद्ध अध्याय हल्दीघाटी का युद्ध है। 18 जून 1576 को राजस्थान के गोगुंदा के समीप हल्दीघाटी में यह ऐतिहासिक युद्ध लड़ा गया। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन और अपेक्षाकृत छोटी सेना थी, जबकि मुगल सेना संख्या और साधनों में कहीं अधिक शक्तिशाली थी। इसके बावजूद प्रताप और उनके सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। इस युद्ध में भील समुदाय ने भी महाराणा का पूरा साथ दिया। युद्ध कई घंटों तक चला और रणभूमि वीरता की असंख्य गाथाओं की साक्षी बनी। हल्दीघाटी के युद्ध का कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकला, लेकिन इस युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई केवल संख्या या संसाधनों के आधार पर नहीं जीती जाती। महाराणा प्रताप घायल होने के बावजूद जीवित बचे और संघर्ष जारी रखा। उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी इस युद्ध में अपनी अद्भुत स्वामीभक्ति के कारण अमर हो गया। चेतक ने गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और फिर वीरगति को प्राप्त हुआ। आज भी चेतक का नाम निष्ठा और समर्पण के प्रतीक के रूप में लिया जाता है।

हल्दीघाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी। उन्होंने अरावली की पहाड़ियों, जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में रहकर संघर्ष जारी रखा। कई बार उन्हें और उनके परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। भोजन के अभाव में घास की रोटियां तक खानी पड़ीं, लेकिन उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता। महाराणा प्रताप की सबसे बड़ी विशेषता उनका अटूट आत्मसम्मान था। उन्होंने जीवनभर स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व दिया। वे जानते थे कि संघर्ष कठिन है, फिर भी उन्होंने अपने लोगों और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए हर चुनौती स्वीकार की। यही कारण है कि उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता के अग्रदूतों में लिया जाता है। महाराणा प्रताप का राजतिलक उदयपुर के निकट गोगुंदा में हुआ था। यह स्थान आज भी राजतिलक स्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इतिहास और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए यह स्थल अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर यहां विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु और इतिहास प्रेमी बड़ी संख्या में पहुंचकर महान योद्धा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हल्दीघाटी के समीप स्थित यह क्षेत्र आज भी महाराणा प्रताप की गौरवगाथा को जीवंत बनाए हुए है। उदयपुर से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित राजतिलक स्थली पर हर वर्ष कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वीर रस की प्रस्तुतियां और ऐतिहासिक संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के आदर्शों से परिचित कराना और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत बनाना है। वर्ष 2026 में भी महाराणा प्रताप जयंती को लेकर देशभर में अनेक आयोजन प्रस्तावित हैं। उदयपुर में सात दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें भव्य शोभायात्रा, अश्व पूजन, महाआरती, वीर शहीदों का स्मरण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल हैं। मोतीमगरी स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पर विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम होंगे। वहीं विभिन्न राज्यों और शहरों में भी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, संगोष्ठियां और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर स्थापित उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों का स्मरण किया जाएगा। यह दर्शाता है कि महाराणा प्रताप केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश की प्रेरणा हैं। महाराणा प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मन में साहस, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम हो तो किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। उन्होंने दिखाया कि सच्ची विजय केवल युद्धभूमि में नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों और मूल्यों पर अडिग रहने में होती है। उनका संघर्ष, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करती है।

आज जब हम महाराणा प्रताप जयंती मनाते हैं, तब यह केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का भी अवसर है। वीरता, स्वाभिमान, कर्तव्यनिष्ठ और मातृभूमि के प्रति समर्पण जैसे गुण ही महाराणा प्रताप की वास्तविक विरासत हैं। आने वाली पीढ़ियों तक इस विरासत को पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के उस उज्ज्वल नक्षत्र हैं जिनकी आभा कभी मंद नहीं पड़ सकती। उनका जीवन संघर्षों के बीच भी अडिग रहने, अपने सिद्धांतों के लिए जीने और राष्ट्र के सम्मान के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि वे आज भी जन-जन के हृदय में अमर हैं और सदैव रहेंगे।

-कांतिलाल मांडोत

राम मंदिर में दानपात्र में गड़बड़ी हुई है तो उसपर विश्वास करें आपस में ना लड़े

राम मंदिर अयोध्या में 500 सालों के बाद बना और समाज बादी पार्टी के नेता श्री अखिलेश यादव ने दान सम्पति पर करोड़ो के गबनहोने का आरोप लगा लिया है। इस मामले में अब गजब का माहौल देखने को मिल रहा है इसमें अब तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, उनके पास से लाखों रुपये की बरामदगी भी कई हैं। मामला बढ़ने के बाद जांच तेज कर दी गई इस मामले पर चिंता जताने वाले नेताओं में अब ,सीनियर बीजेपी नेता और राम जन्मभूमि आंदोलन के अनुभवी नेता विनय कटियार भी शामिल हो गए हैं।रविवार को अपने घर पर पत्रकारों से बात करते हुए कटियार ने कहा कि अगर ट्रस्टी खुद ही गड़बड़ी में शामिल पाए जाते हैं, तो इससे मंदिर प्रोजेक्ट का मकसद ही क्या ।कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में एसआईटी गठित की गई है और अब दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा इसमें मंदिर के ट्रस्टी चंपत को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है बाद में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ। अनिल मिश्रा और परिसर व्यवस्थापक गोपाल राव हैं, जिन पर मंदिर व्यवस्था की जिम्मेदारी होने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार 7 जून को चढ़ावे की गिनती के दौरान एक कर्मचारी सीसीटीवी में नोटों की गड्डी छिपाते हुए दिखाई दिया ऐ सब का ध्यान भगवान राम पर नहीं बल्कि उस धन पर टीका है जो किसी ने दान किया होगा अब आप इस मुद्दे पर आपस में ही लड़ेंगे तो दूसरे लोग आपके धर्म का मजाक उड़ा देंगे इससे राम के नाम पर एक विश्वास टूटेगा भगवान हैं राम अगर किसी ने करोड़ का दान दिया तो खुश होंगे ऐसा बिलकुल नहीं है वो सेवा के प्रति अपने को मर्यादा में रहने की शक्ति देते हैं आखिर क्यों दिया भगवान राम जो दुनिया को चला रहें हैं वो पैसे के मोहताज होंगे इसी पैसे से गरीबों को बाँट देते तो सार्थक होता खैर जहाँ तक पैसा चुराने की बात है वो अंत में पैसा लेकर कहाँ जाएगा सब यहीं रहने वाला है इसलिए इस पर विवाद से बचना चाहिए आप समझदार बनो दूसरे के दु:ख में काम आओ और इंसान बनने की कोशिश करे जो भगवान राम का सच्चा भक्त है वो यहाँ नहीं कहीं एकांत में उनका ध्यान कर रहा होगा और भगवान राम जब रावण को हराकर अयोध्या आए थे तो श्रीराम ने हनुमानजी की सहायता से लंका के राजा रावण को हराया था। और युद्ध जीतने के बाद वह सीता माता, लक्ष्मण जी, हनुमानजी और अपने दूसरे साथियों के साथ अयोध्या पहुँचे। जब वह अयोध्या के राजा बने तब सीता माता ने उनसे निवेदन किया कि जिन्होंने भी युद्ध जीतने में उनकी सहायता की है वह उन्हें धन्यवाद के रूप में कुछ भेंट देना चाहती हैं। सीता माता ने सबको कुछ न कुछ अनमोल भेंट दी। अब हनुमानजी की बारी थी। श्रीराम मुस्कुराते हुए बोले, आप भला हनुमान को क्या भेंट देंगी? इनकी निस्वार्थ सेवा और भक्ति का तो कोई मोल हो ही नहीं सकता। माता सीता ने फिर भी अपनी एक मोतियों की माला, हनुमानजी को भेंट में दी। हनुमानजी उस माला के एक-एक मोती को दाँतों से तोड़कर देखा और जमीन पर फेंक दिया। सीता माता ने हनुमानजी से पूछा, आपने ऐसा क्यों किया हनुमान? क्या आपको यह माला पसंद नहीं आई? ऐसी बात नहीं है माता, पर यह भेंट मेरे किसी काम की नहीं, क्योंकि इसमें मुझे मेरे प्रभु राम नहीं दिखे। अगर मोतियों में राम नहीं तो इनका मोल मेरे लिए मिट्टी के समान है। तो क्या आपके अंदर राम हैं? सीता माता ने पूछा। सीता माता के ऐसा कहते ही हनुमानजी ने अपना सीना चीर कर सबको अपने हृदय में बसे राम-सीता की छवि के दर्शन कराए। जैसे हनुमानजी ने श्रीराम का कार्य किसी उपहार के लालच में नहीं किया बल्कि इसलिए किया क्योंकि श्रीराम की सेवा करके उन्हें आनंद मिलता था। वैसे ही गेंई किसी चीज के लालच में ना पड़े भगवान राम का सच्चा भक्त ब्रह्मचारी होता है क्योंकि उसका प्रेम राम से है ऐ आपके सामने की कई घटना जो रामरहीम से लेकर आशाराम बापूजी तक है जो ब्रह्मचारी बनने का पाठ पढ़ाते थे आज उस नियम को तोड़ कर काम के वश में आ गए और अब जेल में अदालत के फैसला से गए हैं अत: पता नहीं ऐसे कितने बाबा होंगे जो धर्म की आड़ लेकर झूठ बोलकर आपको कुछ बताता होगा और वो भी कहीं उसी जाल में तो नहीं है? भगवान राम से सबसे बड़ी शिक्षा लेने की यह जरूरी है सच बोलो झूठ का सहारा नहीं नहीं तो एक झूठ से बचने के लिए हजार झूठ बोलना पड़ेगा और आपकी नींद खराब बीगी सेहत पर बुरा असर पड़ेगा राम सेवा सत्य और प्रेम में विश्वास रखते हैं एक तरफ आपके पास भौतिक वस्तु का जाल पड़ेगा फिर आप फंस इसलिए जातो हो कि ऐ सामर्थ नहीं हैं कि उसी के लिए जीना और उसी के लिए मरना और जब तक काम के बंधन से मुक्त नहीं होंगे तब तक उसके लिए आप गलत काम भी कर देते हैं आपको यह अहसास नहीं होता है कि जिस माता पिता ने आपको पालन पोषण किया हैं उनको बुढ़ापे में अकेले इसलिए छोड़ देते हो कि मेरी पत्नी प्यारी है और मैं उसके साथ काम में वशीभत हो ताकि उसके साथ मजे कर सकूँ इसलिए आप भगवान राम के लाख पूजा करनेपर भी उसका प्रकाश नहीं दीखता जब दिखेगा तो फिर उसमें विलीन होने की इच्छा होगी क्योंकि वो इतना तेज है कि बाली को मोक्ष मिला और गोस्वामी तुलसीदास जी ने जब स्त्री का मोह त्याग दिया तब वो राम चरित्र मानस लिखा और दुनिया को हिंदी में भगवान राम का उपदेश सबको इसलिए बताया क्योंकि यह आपको संकट से बचाता है आपको गलत और सही का फर्क मालूम होता है। एक बार मेरे पिताजी का हाथ फिसलने से टूट गया मैं मुंबई से पटना तुरंत पहुँचा वहाँ जब पिताजी को देखा तो दर्द से कराह रहें थे किसी ने बहुत ही भरोसा से बोला कि यह डॉक्टर बहुत बढ़िया है पिताजी ने विश्वास किया और जब डॉक्टर के पास गए तो वहाँ मेरी माँ भी थी माँ का एक बेटा अपनी माँ का टुटा हुआ हाथ के इलाज के लिए आया था वो बहुत कराह रही थी बाद में उसके लड़के ने बताया कि मेरा भाई ही औरत की बात में आकर माँ को मार कर इसका हाथ तोड़ दिया है मुझे बहुत दु:ख हुआ कि आखिर माँ ने ऐसा क्या किया जो जान लेने पर उतारु है ऐ उसका एक नालायक बच्चा ही होगा ऐसे आजकल एक नहीं कई मामले हैं जो कोरोना काल में आपने देखा होगा देखो पहला भगवान ऊपर वाला है और अगर कोई दूसरा भगवान है तो आपके माता पिताजी ही हैं कुछ भी बोले उनकी बात पर गुस्सा नहीं होना नहीं तो दुनिया से जाने के बाद आपको बहुत तकलीफ होगा कौन सही हैं कौन गलत इसका पता भगवान राम के ध्यान से ही मालूम होगा और भगवान राम के ध्यान के लिए में आपको ब्रह्मवर्चस के नियम को पालन करना होगा ब्रह्मवर्चस का शाब्दिक अर्थ ब्रह्म का तेज या दिव्य आभा है। जिसने अपने दिमाग से काम वासना को निकाल कर फेंक दिया समझ लेना वह ब्रह्मवर्चस का नियम पालन कर सकता है जो अध्यात्म में, यह वह उत्कृष्ट आत्मबल, सात्विक ऊर्जा और ज्ञान-तेज है जो एक साधक को कठोर तपस्या और शुद्ध जीवनशैली से प्राप्त होता है। भगवान राम अब ब्रह्मचारी वह व्यक्ति है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर पवित्रता और संयम का पालन करता है ब्रह्मचर्य केवल विवाह न करना या वासना से दूर रहना नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है, जिसे भगवान राम ने अपनाया था,एक सच्चे ब्रह्मचारी के मन में वासना या कामुक विचार नहीं आते हैं? वह वासना पर नियंत्रण रखता है सभी इंद्रियों (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) को वश में रखता है ब्रह्मचारी अपने वीर्य या प्राण-ऊर्जा की रक्षा करता है, जिससे उसका शरीर और मस्तिष्क बेहद ऊर्जावान रहता है सात्विक आहार- वह अत्यधिक मसालेदार, तला-भुना, और उत्तेजक भोजन से बचता है। उसका आहार सात्विक और नियंत्रित होता है वह दिखावे और अत्यधिक शारीरिक साज-सज्जा से दूर रहता है, क्योंकि सादा जीवन उसका व्यक्तित्व स्वयं ही आकर्षण का केंद्र होता है ब्रह्मचर्य के पालन से चेहरे पर एक अलग चमक (ओज) होती है और बुद्धि अत्यंत प्रखर व स्मरण शक्ति मजबूत हो जाती है उनका मन सांसारिक मोह-माया के बजाय ज्ञान, ध्यान और ईश्वरीय चिंतन में अधिक लगता है उनके दिनचर्या में अनुशासन होता है और वे सुबह जल्दी उठने और योग/व्यायाम को प्राथमिकता देते हैं,संयमित ऊर्जा के कारण उनमें परोपकार और निस्वार्थ समाज सेवा की प्रबल भावना होती है भगवान राम ने प्रजा के प्रति अपने राजधर्म का पालन करने और राज्य की गरिमा बनाए रखने के लिए माता सीता का त्याग किया था।

इसके पीछे की मुख्य घटनाएं और कारण निम्नलिखित हैंप्रजा के संदेह और लांछन- अयोध्या लौटने के बाद, एक धोबी ने माता सीता के रावण की लंका में रहने पर सवाल उठाया और उनके चरित्र पर लांछन लगाया।राजा का धर्म- एक राजा के रूप में भगवान राम का मानना था कि राज्य की शांति और प्रजा का विश्वास बनाए रखना सर्वोपरि है। एक आदर्श राजा (मर्यादा पुरुषोत्तम) होने के नाते, उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर प्रजा के हित को रखा।माता सीता की इच्छा- कुछ पौराणिक कथाओं और रामायण के प्रसंगों में यह भी आता है कि माता सीता स्वयं नहीं चाहती थीं कि राजा राम पर कोई अंगुली उठाए, इसलिए उन्होंने राज्य और कुल की मर्यादा की रक्षा के लिए स्वेच्छा से वन जाना स्वीकार किया।ऋषि भृगु का श्राप- कई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह अलगाव ऋषि भृगु द्वारा भगवान विष्णु को दिए गए उस श्राप का परिणाम था, जिसके कारण उन्हें मानव रूप में अपनी पत्नी से वियोग सहना पड़ा था।श्री राम ने कभी अपनी पत्नी (सीता) पर संदेह नहीं किया, लेकिन एक जन-कल्याणकारी राजा के रूप में उन्हें यह कठोर निर्णय लेना पड़ा। सीता का त्याग (वाल्मीकि रामायण के अनुसार)प्रजा के प्रति कर्तव्य- रावण की लंका से लौटने के बाद, अयोध्या की प्रजा माता सीता के चरित्र और इतने समय तक असुरों की लंका में रहने पर सवाल उठाने लगी थी।राजा की निष्पक्षता- एक राजा (राजधर्म) के रूप में, भगवान राम के लिए यह आवश्यक था कि उनकी प्रजा उन पर पक्षपात का आरोप न लगाए। राज्य की एकता और आदर्श मर्यादा स्थापित करने के लिए उन्होंने भारी मन से गर्भवती सीता को वन में जाने का निर्णय लिया।

-संजय गोस्वामी

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

-ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके। तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की। आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र-ज्ञान, मूल्य और चरित्र है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है। नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है। इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है। नाहटा का विश्वास है कि आने वाले समय में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल तकनीक के युग में मशीनें अनेक कार्य कर सकेंगी, लेकिन करुणा, संवेदनशीलता, नैतिक निर्णय, मानवीय संबंध और आत्मिक संतुलन जैसे गुण केवल मनुष्य ही विकसित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को मस्तिष्क के साथ-साथ हृदय और आत्मा को भी शिक्षित करना होगा। महेंद्र नाहटा का यह विचार अत्यंत महत्वपूर्ण है कि ये विद्यालय भारत की नई शिक्षा नीति को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध करने का माध्यम बन सकते हैं। यहां आध्यात्मिकता का अर्थ किसी धार्मिक संकीर्णता से नहीं है, बल्कि आत्म-जागरूकता, नैतिकता, सहिष्णुता, मानवीय एकता और आंतरिक संतुलन से है। यह दृष्टिकोण आज के वैश्विक समाज की भी आवश्यकता है, क्योंकि विश्व के अनेक विकसित देशों में शिक्षा सुधार की चर्चाओं का केंद्र मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और मूल्य आधारित जीवन बनता जा रहा है। आज शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह विद्यार्थियों को सफल तो बना रही है, लेकिन संतुष्ट नहीं; बुद्धिमान तो बना रही है, लेकिन संवेदनशील नहीं; सक्षम तो बना रही है, लेकिन चरित्रवान नहीं। परिणामस्वरूप समाज में तनाव, अवसाद, हिंसा, असहिष्णुता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में शिक्षा के ऐसे मॉडल की आवश्यकता है जो मनुष्य को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करे। जो उसे केवल करियर नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य भी प्रदान करे। जो उसे केवल कमाना नहीं, बल्कि जीना भी सिखाए। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। यहां विज्ञान और अध्यात्म, आधुनिकता और संस्कृति, तकनीक और नैतिकता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग, सफलता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा। यह दृष्टिकोण भविष्य की शिक्षा का आधार बन सकता है। दुनिया भर में आज ऐसी शिक्षा की खोज हो रही है जो विद्यार्थियों को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान और उत्तरदायी नागरिक भी बना सके।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। पूछपरख कमजोर पड़ने से मंगलवार को दलहनों में चना बाजार घटाकर बोले गये। चने व मसूर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहन बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। किराना जिंसों में भाव टिके रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार कमजोर उठाव के चलते भावों में नरमी का रूख रहा। चने व मसूर में बाजार सुस्ती के देखे गये। खाद्य तेलों में नरमी का रूख रहा। तिलहनों में बाजार पूर्वस्तर पर देखे गये। उधर, किराना जिंसों में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4220-4275, खोपरा गोला 360-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडी?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2300-2350, (200) 2400-2450, (250) 2700-2750

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1390-1400, सोया रिफाइंड 1450-1455, कपास्या 1475, धूलिया 1470, कड़ी 1475,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1525, मुम्बई पाम 1465, मुम्बई सोया 1470,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800-8000, रायडा 6800-7000, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7200-7350, मूंग पुराना बोल्ड 7600-7800, मीडियम 7400-7700, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-8800, एवरेज 8200-8300, हल्की 7700-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही देखा गया। चाँदी में बाजार नरमी के रहे। सोना पूर्वस्तर पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 246500, चाँदी (99) 246200, टंच 245000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.56 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में अपनी पकड़ मजबूत की, वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट और पश्चिम एशिया में तनाव में कमी ने इसे सहारा दिया। मंगलवार के कारोबारी दिन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में हल्की तेजी दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 5 पैसे मजबूत होकर 94.53 के स्तर पर पहुंच गया। इस मजबूती के पीछे दो मुख्य कारक जिम्मेदार रहे। पहला, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट, जिससे आयात बिल कम होने की उम्मीद जगी। दूसरा, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना, जिससे वैश्विक बाजार में स्थिरता का माहौल बना।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। इसी कारण लगातार दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 544.15 अंक बढ़कर 76,808.48 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.25 अंक उछलकर 23,989.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,846.74 अंक तक पहुंच गया था जबकि निफ्टी भी 24,002.60 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वहीं व्यापक कारोबार में निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.40 फीसदी से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में बंद हुए। वहीं निफ्टी आईटी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एफएमसीजी और

निफ्टी रियल्टी में भी 1-2 फीसदी की बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एचयूएल और ओएनजीसी शामिल रहीं, जबकि हिंडाल्को, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी लाइफ, आइशर मोटर्स और मारुति सुजुकी टॉप के शेयर सबसे अधिक गिरे। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच हुए औपचारिक शांति समझौते तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की योजना से भी निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। इन घटनाओं से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधा और भू-राजनीतिक तनाव को लेकर बनी चिंताएं काफी हद तक कम हुई हैं, जिससे दुनिया भर के बाजारों में सकारात्मक माहौल बना है। भू-राजनीतिक तनाव कम होने से सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग घटी है, जिसका फायदा भारतीय रुपए को मिला। इसी कारण रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत होकर 95 रुपए के स्तर से नीचे पहुंच गया और करीब 94.6 के आसपास कारोबार करता दिखा।

अंतर्राष्ट्रीय दबाव में सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के चलते घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार को दोनों धातुओं के वायदा अनुबंध गिरावट के साथ खुले और कारोबार कर रहे थे। खबर लिखे जाने तक सोने में हल्की, लेकिन चांदी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को वायदा बाजार में सोने और चांदी के भाव कमजोर रहे। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 25 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,891 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह 15 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 1,52,901 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,916 रुपये था। दिन के कारोबार में सोने ने 1,53,046 रुपये का उच्च और 1,52,827 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर देखा था। इसी तरह चांदी के जुलाई वायदा अनुबंध की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर यह 1,001 रुपये की बड़ी नरमी के साथ 2,50,457 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह 998 रुपये की गिरावट के साथ 2,50,460 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,51,458 रुपये था। दिन के कारोबार में चांदी ने 2,50,467 रुपये का उच्च और 2,50,001 रुपये का निम्न स्तर दर्ज किया। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती बरकरार रही। कॉमेक्स पर सोने का वायदा 4,331.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 20.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,331.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

गेहूं-सोयाबीन पर खाड़ी का असर, यूएस-ईरान सुलह की आहट से दामों में गिरावट!

नई दिल्ली। एजेंसी। आमतौर पर स्थानीय मौसम, फसल की पैदावार और मांग-आपूर्ति के समीकरण तय करते हैं कृषि जिंसों की कीमतें लेकिन इस बार गेहूं और सोयाबीन जैसे प्रमुख कृषि उत्पादों के दाम हजारों किलोमीटर दूर पश्चिम एशिया की भू-राजनीति से हिल गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के सामान्य होने की उम्मीदों ने इन दोनों जिंसों को वैश्विक बाजारों में चार महीने के निचले स्तर पर धकेल दिया है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसानों और व्यापारियों दोनों की नजरें अब खाड़ी क्षेत्र पर टिकी हैं। एक रिपोर्ट बताती है कि गेहूं की कीमतें गिरकर 5.80 डॉलर प्रति बुशल के करीब पहुंच गई हैं, जो 10 अप्रैल के बाद का न्यूनतम स्तर है। इसके पीछे मुख्य कारण हॉर्मुज जलडमरूमध्य के सुचारु संचालन की संभावना है, जिससे खाद और ईंधन की आपूर्ति आसान होगी, किसानों की लागत घटेगी और अंततः उत्पादन वृद्धि से बाजार में सप्लाई का दबाव बढ़ेगा। हालांकि, यह पूरी तरह से एकतरफा नहीं है; अमेरिका में सूखे की गंभीर स्थिति ने यूएसडीए को शीतकालीन गेहूं उत्पादन अनुमान घटाने पर मजबूर किया है, और फसल की गुणवत्ता भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर है, जो संभावित रूप से गिरावट को सीमित कर सकती है। सोयाबीन बाजार भी दबाव में है, जहां कीमतें 11.2 डॉलर प्रति बुशल से नीचे कारोबार कर रही हैं और चार महीने के निचले स्तर पर हैं। इसकी एक बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है, जिससे बायोफ्यूल की मांग कमजोर पड़ने की आशंका है, क्योंकि सोयाबीन का उपयोग इसमें होता है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी मौसम का फसल के लिए अनुकूल बने रहना, दक्षिण अमेरिका (विशेषकर अर्जेंटीना, जिसका यूएसडीए अनुमान 5 करोड़ टन है) से मजबूत आपूर्ति, दुनिया के सबसे बड़े आयातक चीन की सुस्त मांग और अमेरिकी प्रोसेसिंग प्लांट्स में मरम्मत के चलते धीमी गतिविधियां, सभी मिलकर सोयाबीन की कीमतों पर चौतरफा दबाव बना रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कोई नई जिम्मेदारी या पद मिलने की संभावना है, जिससे आपका आत्मविश्वास पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होगा। विद्यार्थियों को अपनी मंजिल पाने के लिए पूरी एकाग्रता के साथ मेहनत करनी होगी, क्योंकि यही समय उनके भविष्य की नींव रखेगा। किसी विरोधी की बातों में आकर खुद पर शक न करें, क्योंकि आपकी समझदारी ही आपकी असली ताकत है।

वृषभ- आज आपके अंदर खुद को साबित करने की जबरदस्त ऊर्जा दिखाई देगी। प्रतिस्पर्धा का भाव आपको और मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा और आपकी मीठी वाणी लोगों को आपकी तरफ आकर्षित करेगी। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से आपकी पहचान और सम्मान दोनों बढ़ेंगे। किसी प्रशासनिक या राजनीतिक मामले को लेकर थोड़ी परेशानी आ सकती है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा।

मिथुन- आज आपको हर परिस्थिति में धैर्य और संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी। व्यवसाय में बड़ा जोखिम उठाने से बचें, क्योंकि धीरे-धीरे और समझदारी से बढ़ना ही आपके लिए फायदेमंद रहेगा। अपने कामों में स्पष्टता बनाए रखें, इससे उलझनों से बचने में मदद मिलेगी। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं से लाभ मिलने के अच्छे संकेत हैं।

कर्क- आज आपके नेतृत्व करने की क्षमता सबके सामने खुलकर आएगी। टीम के साथ मिलकर किया गया काम आपको नई पहचान और सम्मान दिला सकता है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समझदारी बनी रहेगी, जिससे मन को सुकून मिलेगा। छोटे बच्चों की खुशी के लिए आप कोई प्यारा-सा उपहार ला सकते हैं।

सिंह- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद खास रहने वाला है। मनपसंद काम मिलने से उत्साह बढ़ेगा और आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम भी देखने को मिलेगा। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। अपने कामों में स्पष्टता बनाए रखना बहुत जरूरी होगा, क्योंकि यही सफलता की चाबी बनेगी। विरोधियों की बातों में आने से बचें और अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान रखें।

कन्या- आज का दिन सफलता और संतोष दोनों लेकर आएगा। रिश्तों में प्रेम और सहयोग की भावना बढ़ेगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। पुराने लेन-देन निपटाने का समय आ सकता है, इसलिए आर्थिक मामलों में योजना बनाकर आगे बढ़ें। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है, जिससे घर में उत्साह का वातावरण बनेगा।

तुला- करियर के लिहाज से आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ संकेत दे रहा है। रुका हुआ या फंसा धन वापस मिलने से राहत और खुशी दोनों महसूस होंगी। आपकी कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। जरूरतों के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से काम करना आपको सफलता दिलाएगा। परिवार में चल रही अनबन बातचीत से दूर हो जाएगी और रिश्तों में फिर से अपनापन लौट आएगा।

वृश्चिक- आज आपके आसपास का माहौल खुशियों और सकारात्मकता से भरा रहेगा। सबको साथ लेकर चलने की आपकी कला लोगों का दिल जीत लेगी। हालांकि किसी की सलाह पर आंख बंद करके भरोसा करना ठीक नहीं होगा, अपने फैसले खुद लेना बेहतर रहेगा। कोई करीबी सहयोगी मुश्किल समय में आपकी मदद के लिए आगे आ सकता है। पुरानी सेहत से जुड़ी परेशानी थोड़ी परेशान कर सकती है, इसलिए लापरवाही न करें।

धनु- आज का दिन तरक्की और उपलब्धियों के नए रास्ते खोल सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलने से आपकी पहचान और पद दोनों मजबूत होंगे, साथ ही वेतन बढ़ने के संकेत भी हैं। हालांकि कोई मित्र अनजाने में आपके काम में रुकावट डाल सकता है, इसलिए सतर्क रहें। नया काम शुरू करने का विचार अच्छा रहेगा, लेकिन परिवार और भाई-बहनों की सलाह जरूर लें।

मकर- आज का दिन रचनात्मकता और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। नई योजनाओं और सृजनात्मक कार्यों में आपका मन खूब लगेगा। जरूरतमंद की मदद करके आपको आत्मिक सुकून मिलेगा। यदि आप राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हैं, तो सम्मान मिलने की संभावना मजबूत है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना ही आपकी सफलता का रास्ता बनेगा।

कुंभ- आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत होगी। आसपास के लोगों को अच्छी तरह पहचानें, क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। किसी अजनबी की सलाह पर निवेश करने से बचना बेहतर रहेगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने से मन प्रसन्न होगा।

मीन- आज का दिन सम्मान और उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और नए अवसर आपके सामने आएंगे। सहकर्मियों का सहयोग आपको हर काम में मजबूती देगा। हालांकि अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि छोटी-सी बात भी गलतफहमी पैदा कर सकती है। सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने से बचें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी रुकावट दूर होने से घर में खुशियों का माहौल बनेगा और वैवाहिक जीवन में भी प्रेम बना रहेगा।

शब्दजाल - 8292

शब्द जाल में गोविंदा की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए, नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

दा	क	जं	व	ग	द	रि	या	दि	ल	क
दा	वि	ल	ज	य	जी	ज	द	इ	ता	ली
गि	स	र्म	ल	बा	छ	पु	रा	रा	क	क
री	ज	क	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	आं	आं	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	खें	पू	ना	ण	र	को
ती	ग	ई	लि	या	प	बा	श	र	ला	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	र	लो	श	पा
वे	बा	म	व्व	ब्रा	ह	त्या	री	ह	प	क
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	वें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	जा	न	रा	बा	द	प	थ

इल्जाम, दादागिरी, जंगबाज, ताकतवर, हत्या, दरियादिल, खुदगर्ज, हम, दो आंखें बारह हाथ, दुल्हे राजा

शब्दजाल - 8291 का हल

दैनिक पंचांग

17 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05.07 बजे से
कर्क	07.25 बजे से
सिंह	09.41 बजे से
कन्या	11.53 बजे से
तुला	14.04 बजे से
वृश्चिक	16.18 ब.से
धनु	18.34 बजे से
मकर	20.39 बजे से
कुंभ	22.26 बजे से
मीन	23.59 बजे से
मेष	01.29 बजे से
वृष	03.09 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 168 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि तृतीया 21.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 13.37 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 20.51 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 11.12 बजे तदनन्तर गर 21.39 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 1.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872743
जूलियन दिन 2461208.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम तारीख 01
विशेष रम्भा तीज व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अनोखा दंड

बहुत पुरानी बात है। दक्षिण भारत में वीरसेन नामक एक राजा राज्य करते थे। वीरसेन वे तो बहुत प्रतापी पर उन्हें अपनी प्रशंसा सुनना काफी अच्छा लगता था। चापलूस दरबारी उनकी तथा राज्य के शासन-व्यवस्था की हमेशा प्रशंसा करते रहते थे, जिससे राजा को राज्य की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता था। राज्य में पंडित विष्णुदेव नामक एक निर्धन ब्राह्मण थे, जो भिक्षा मांगकर किसी तरह अपने परिवार का पेट पालते थे। एक बार अकाल पड़ा और भिक्षा भी बंद हो गई। बच्चों के पेट में अन्न गए तीन दिन बीत गए। पंडितजी जब तीसरे दिन भी खाली हाथ लौटे तो पत्नी रोते हुए बोली, 'अब मुझसे बच्चों की हालत देखी नहीं जाती। कोई भी मां अपने बच्चों को इस तरह मरते हुए नहीं देख सकती। तुम्हें कुछ-न-कुछ करना ही होगा।' पंडितजी ने झल्लाकर कहा, 'क्या करूं? चोरी करूं?' पत्नी ने कहा 'हां, चोरी करो क्योंकि इसके सिवा और कोई चारा नहीं बचा है।' पंडितजी ने अनेक तर्कों द्वारा पत्नी को मनाने का प्रयास किया पर वह पत्नी की जिद के आगे नतमस्तक हो गए। रात को वह राजमहल के भंडार गृह में पहुंचे। उन्होंने अपनी पगड़ी उतारी और उसमें अनाज रखकर गट्ठर बांधा और तेजी से बाहर आ गए। लेकिन घर लौटकर पंडित जी को नींद नहीं आई। रात भर करवटें बदलते रहे और सुबह होते ही सीधे राजदरबार जा पहुंचे। अपना अपराध सुनाने के बाद उन्होंने राजा से अनुरोध किया कि वह उन्हें चोरी की सजा दें। सारी कथा सुनकर राजा उदास हो गए। थोड़ी देर सोचने के बाद उन्होंने कहा, 'सजा तो मैं अवश्य दूंगा पर आपको नहीं बल्कि स्वयं को। आज से मैं घूम-घूमकर प्रजा के सुख-दुःख की जानकारी लूंगा जिससे फिर किसी को चोरी करने की आवश्यकता ही न पड़े। चूंकि आपने अपनी ईमानदारी प्रमाणित कर दी है इसलिए आपको दंड मुक्त किया जाता है।' इस प्रकार एक ईमानदार व्यक्ति के कारण पूरे राज्य की प्रजा सुखी हो गई।

फिल्म वर्ग पहेली - 7236

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती हैं' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, वेद प्रकाश अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर कदम' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिल्लाह' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सुनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ऐशसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7235

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7545

★★★ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7544 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8760

बाएँ से दाएँ

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8759 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नक्सलियों के गढ़ शत्तीझोड़ी में शहीद आशीष शर्मा की स्मृति में नक्सल मुक्त भारत क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

बकरकट्टा ने नल्हेझरी को हराकर बनी विजेता

पद्मेश न्यूज। लांजी। जो सोचते नहीं है वो हो जाए तो यही ऐहसास होता है कि हमारे अमर शहीद ईश्वरीय कृपा बरसा रहे हैं। बालाघाट के छत्तीसगढ़ सीमा से लगे टांडा नदी किनारे बैगा जनजाति बाहुल्य गांव जहाँ नक्सलियों ने सड? बनाने पर डम्फर जलाए थे, अधिकारी नेता जाने से डरते थे और गांवों के जनजाति लोग पुलिस से मिलने व लाभ लेने से डरते थे यहाँ तक कि नौकरी के जॉइनिंग लेटर लेने से मना कर दिए थे। जहां कभी गोलियों की आवाजे गुंजती थी और गांव के लोगो ने नक्सल प्रताडना तक सही है। वहाँ अमर शहीद आशीष शर्मा जी स्मृति में नक्सल मुक्त भारत क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ जिसमें मप्र और छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित गांवों की 30 टीम शामिल हुईं। 10 जून 2026 से प्रारंभ होकर 15 जून 2026 को हुए समापन समारोह में मुख्य अतिथि लांजी विधायक राजकुमार करहि जी और पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा ने जैसे ही अमर शहीद आशीष शर्मा की तस्वीर में दीपक जलाया तो हजारों जनजाति परिवारों की भीड़ इकट्ठी हो गई। फाइनल मुकाबला नल्हेझरी और बकरकट्टा के मध्य खेला गया जिसमें मुख्य अतिथि ने खिलाडि?ों से परिचय प्राप्त करते हुए उन्हें अमर शहीद की स्मृति में बनी टी शर्ट भेंट की गई और जब खेल प्रारंभ हुआ तो देर रात हो गई। 8 ओवर में बकरकट्टा टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 122 रन बनाये और नल्हेझरी को बहुत बड़े अंतर से हराते हुए नक्सल मुक्त भारत क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता बन गई। बालाघाट जिले के सुदूर गांव में टेमनी पहाड़ के ऊपर बसे 5 गांव के लिए ऐतिहासिक दिन इसलिए भी रहा क्योंकि यहाँ कोई खेल मैदान नहीं था और हॉक फोर्स टेमनी के जवानों ने खुद मेहनत करके वॉलीबॉल ग्राउंड तैयार किया जिसे अमर शहीद आशीष शर्मा की याद में बच्चों युवाओं को समर्पित किया गया। शक्तिझोड़ी पहाड़ी मैदान जहाँ चारों ओर पेड़ के नीचे बैठे हज़ारों लोग यह बता रहे थे कि अब किसी का डर नहीं रहा क्योंकि यही गांव था जो नक्सलियों के कारण नौकरी का जॉइनिंग लेटर लेने से मना कर दिया था। आज वही लोग रात को भी पुलिस के साथ खुशियों का जश्न मना रहे थे। छत्तीसगढ़ी दिवारी नृत्य जनजाति बच्चों ने किया तो विधायक राजकुमार करहि और एसपी आदित्य मिश्रा भी खुद को नहीं रोक पाये। बैगा गुरु जी ने एक गीत सुनाया कि -पढ़ेगें लिखेंगे, खेलेंगे कूदेंगे, अब नहीं रहा कोई डर रे, नक्सली खत्म हुए और आशीष शर्मा हो गए अमर रे..... छुआछूत को दूर करने पहल हुई जिसमे बैगा और गोंड समाज के युवक युवती विधायक करहि और एसपी मिश्रा के साथ एक ही पंगत में बैठकर जंगली माहुल के पत्तों से बने पत्तल में लांजी क्षेत्र का प्रसिद्ध व्यंजन भटा भात का स्वाद लिया और एक दूसरे को गले लगाया। एसपी श्री मिश्रा ने ग्रामीणों की सड? सुरक्षा को देखते हुए हेलमेट भी वितरित किए और सामाजिक सहयोग करने वालों को शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्थानीय लोगों की माँग अनुसार विधायक लांजी राजकुमार करहि ने घोषणा कि यह खेल प्रति वर्ष होगा। कार्यक्रम के अंत में भोजन प्रसादी के बाद एसपी आदित्य मिश्रा ने टेमनी कैम्प के जवानों को अमर शहीद आशीष शर्मा जी की तस्वीर भेंट कर सफल आयोजन हेतु बधाई और शुभकामनाएं दी।

रक्तदान महादान का संदेश

वनांचल क्षेत्र में जहां युवाओं ने खेल भावना के साथ टूर्नामेंट में भागीदारी की वहीं आयोजको के द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया था जहां हॉकफोर्स के जवानों सहित स्थानीय युवाओं ने रक्तदान महादान कर संदेश दिया। दुसरी ओर विद्यांजलि के विचारो से तैयार टेमनी शासकीय स्कूल में जनजाति बच्चो के लिये वॉलीबॉल मैदान का विधायक करहि एवं एसपी मिश्रा के द्वारा उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डीएसपी संतोष पटेल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, देवेश ऐड़े, महामंत्री गौरव बैस, सचिन अग्रवाल, सुरजदीन गुप्ता, सरपंच देवरबेली सुरेन्द्र मरावी, जनप्रतिनिधि गण, स्थानीय गणमान्य जन, सभी ग्रामो के ग्राम वासी सहित बडी संख्या में दर्शक गण उपस्थित रहे।

रेत से भरे दो ट्रैक्टरों पर लांजी पुलिस की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में लगातार रेत के अवैध रूप से खनन एवं परिवहन को लेकर जानकारी प्राप्त हो रही है। जिसके परिपालन में 16 जून को लांजी थाना प्रभारी एवं उनकी टीम के द्वारा ग्राम बापड़ी से रेत से भरे दो ट्रैक्टरों को जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की गई है। इस संबध में पुलिस थाना लांजी के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा जिले मे चल रही अवैध गतिविधियो, अपराधो की रोकथाम तथा अवैध रेत परिवहन की रोकथाम पर प्रभावी कार्यवाही हेतु लगातार आदेशित किया जा रहा है। जिसके पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लांजी श्रीमति प्रतिष्ठा राठौर द्वारा भी लगातार मार्गदर्शन दिये जा रहे हैं। आदेश के पालन में 16 जून 2026 लांजी के पुलिस के द्वारा मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति अपने-अपने ट्रेक्टर ट्रॉली में अवैध रेत का परिवहन कर रहे हैं। मुखबिर के बताये अनुसार पुलिस दल ग्राम बापडी पहुंचा ग्राम बापडी बाघ नदी के कच्चे रास्ते पर इंतजार किया कुछ समय पश्चात बाघ नदी तरफ से 02 ट्रैक्टर एक नीले रंग का मय ट्राली के व एक सफेद रंग का ट्रैकर मय ट्राली के आते दिखायी दिये जो टेक्टरो के चालक पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगे जिसको हमराह स्टाफ, पंचान के हिकमत अमली से दोनो ट्रेक्टर ड्रायवरो को ट्रेक्टर ट्राली सहित रोका एवं दोनो ट्रेक्टर की ट्राली की जांच की गई जो दोनो ट्रेक्टर की ट्राली मे रेत खनिज भरा होना पाया गया, चालकों से उक्त रेत खनिज के परिवहन के संबंध मे रायल्टी (वैध दस्तावेजो) के संबंध में पूछा तो कोई रायल्टी या दस्तावेज नही होना बताये। वाहन चालक का नाम पता पूछने पर उन्होने अपना-अपना नाम 01. उमेश पिता प्यारेलाल घोरमारे जाति माना उम्र 32 वर्ष निवासी बापडी थाना लांजी, 02. मोहनलाल पिता टेकचंद दमाहे जाति लोधी उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम बापडी थाना

लांजी बताये एवं ट्रेक्टरो के नंबर के बारे में पूछने पर अपने-अपने ट्रेक्टर का रजिस्ट्रेशन नंबर एमएच 35 एजी 0625 तथा एमपी 50 एए 4060 होना बताये। वाहन चालक उमेश पिता प्यारेलाल घोरमारे, वाहन चालक मोहनलाल पिता टेकचंद दमाहे द्वारा बिना रायल्टी (वैध दस्तावेजो) के रेत खनिज का परिवहन करना पाया गया। जो वाहन चालक उमेश घोरमारे, वाहन चालक मोहनलाल दमाहे का कृत्य धारा 303 (2) बीएनएस एवं धारा 4/21 खान एवं खनिज (विकास का विनियमन अधिनियम 1957) के तहत दंडनीय पाया जाने से मौके पर वाहनों को जप्त कर कब्जा पुलिस मे लिया जाकर आरोपीगण के विरूद्ध उपरोक्त धारा सदर के तहत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना लांजी से थाना प्रभारी उनि. दीप सिंह परमार, प्रआर धनलाल लिल्हारे, आर दिलीप यादव, आर. मोहीसन एवं आर सुजीत पाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

घर के पोर्च में खड़ी पल्सर मोटरसाइकिल जलकर हुई कंकाल, कटा तार और जला मीटर... जानबूझकर आगजनी का शक

पद्मेश न्यूज। लांजी। बीती रात्रि नगर के वार्ड क्रमांक 8, मरार मोहल्ला में एक चौंकाने वाली घटना घटी। घर के सामने पोर्च में खड़ी बजाज पल्सर एन एस 125 मोटरसाइकिल पूरी तरह से आग की भेंट चढ़ गई।

आग इतनी भयंकर थी कि मोटरसाइकिल तो जलकर कंकाल बन गई, साथ ही दीवार पर लगा विद्युत मीटर भी पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना की जानकारी देते हुए क्रिस लालजी बड़मे ने बताया कि रात करीब 2 बजे कूलर-पंखा अचानक बंद हो जाने से उनकी नींद खुली। बाहर निकलकर देखा तो मोटरसाइकिल में भयंकर आग लगी हुई थी। उन्होंने तुरंत घरवालों को जगाया और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आसपास के पड़ोसियों ने भी आवाज सुनकर मदद के लिए दौड़कर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक मोटरसाइकिल पूरी तरह से जल चुकी थी।

सबसे संदिग्ध बात

घटना स्थल पर पहुंचे लोगों ने देखा कि सीढ़ी के ऊपरी भाग में खंभे से आने वाली सर्विस लाइन का तार कटा हुआ था। इस बात को देखते हुए स्थानीय लोग और परिवार का मानना है कि यह आग संयोग से नहीं, बल्कि किसी सरारती तत्व द्वारा जानबूझकर लगाई गई है। पहले बिजली का तार काटा गया और फिर मोटरसाइकिल में आग लगाई गई। क्रिस लालजी बड़मे ने बताया कि यह मोटरसाइकिल उन्होंने लगभग एक वर्ष पहले किस्तों पर फाइनेंस करके खरीदी थी। अभी भी कई किस्तें बाकी हैं। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दोहरी मार पड़ी है।

पुलिस में दर्ज शिकायत

क्रिस बड़मे ने इस घटना की लिखित शिकायत थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य कारण से लगी, या फिर यह जानबूझकर नुकसान पहुंचाने की साजिश थी। स्थानीय लोग इस घटना से आक्रोशित हैं और मांग कर रहे हैं कि पुलिस जल्द से जल्द दोषियों को पकड़े, ताकि ऐसे सरारती तत्वों को सबक मिल सके।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में धूमधाम से मनाया गया प्रवेश उत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगाव लांजी बालाघाट में 16 जून 2026 को बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक सत्र 2026-27 हेतु छात्र छात्राओं का विद्यालय में प्रवेश उत्सव का द्वितीय चरण समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राजकुमार करहि विधायक लांजी किरनापुर, संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे, उपप्राचार्य प्रवीण साहु एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व सरस्वती पूजन कर किया गया। इस अवसर पर संस्था के छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ -साथ विविध सांस्कृतिक एवं देशभक्ति मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। साथ ही छात्र छात्राओं को उपस्थित अतिथियों द्वारा तिलक लगाकर एवं नवीन पाठ्य-पुस्तक प्रदान कर स्वागत करते हुए नये सत्र हेतु प्रवेश कराया गया। ऐसे छात्र छात्राए जिनको पूर्व में साइकिल प्राप्त नहीं हुई थी उन्हें साइकिल भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र - छात्राओ एवं अतिथियों को संबोधित करते हुए संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय के छात्र-छात्राएं वाकई में बहुत ही कर्मठ और लगनशील हैं जो इतनी भीषण गर्मी में भी इतनी तादाद में विद्यालय में उपस्थित हुए हैं, जहां अन्य विद्यालय में बच्चे उंगलीयों पर गिने जा सकते हैं वहीं हमारे विद्यालय में इतनी संख्या में छात्र छात्राओं की

उपस्थिति इनका विद्यालय एवं शिक्षकों के प्रति लगाव को दर्शाता है।यह लगाव एक दिन की मेहनत का नहीं अपितु विद्यालय के शिक्षक -शिक्षिकाओं के सतत् प्रयास एवं कर्म के प्रति समर्पित भाव का परिणाम है। जहां अन्य विद्यालय में शिक्षक बच्चों के नाम तक नहीं जानते वहीं हमारे विद्यालय में शिक्षक - शिक्षिकाएं हरेक बच्चे एवं उनके पालकों से भली-भांति परिचित हैं। आगे आपने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी सत्र आपके जीवन को एक नई दिशा देने वाला होगा, और इसके लिए आपको पूर्ण लगन और समर्पण से शिक्षा ग्रहण करना होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकुमार करहि विधायक लांजी किरनापुर द्वारा अपने उद्बोधन में छात्र छात्राओं की तारीफ की कि इतनी भीषण गर्मी में भी बच्चों की उपस्थिति विद्यालय के प्रति लगाव और समर्पण को दर्शाता है। साथ ही बच्चों को भविष्य में अपनी मंजिल को कैसे प्राप्त करें। इस संबंध में अनेकों टिप्स बताकर बच्चों को प्रेरित किए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक बापूरे पूर्व जनपद सदस्य, बी आर बापूरे सेवा निवृत्त अभियंता, चित्रलेखा कालबेले उपसरपंच ग्राम पंचायत बोलेगांव, युवराज भटेरे, ओमप्रकाश बापूरे, बिंदु पांडे एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं की गरिमामई उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में संस्था के उपप्राचार्य साहु द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं छात्र छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ शिक्षक सरोज पटेल, शबाना कुरैशी एवं रविप्रकाश शहारे द्वारा किया गया।

निर्माण इंस्टीट्यूट में करियर गाइडेंस व एआई एजुकेशन पर हुआ सेमिनार

पद्मेश न्यूज। लांजी। निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी, लांजी में सोमवार 15 जून 2016 को करियर गाइडेंस एवं एआई इन एजुकेशन पर एक जोरदार सेमिनार का आयोजन किया गया। संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर विनय कुमार गोयल की अध्यक्षता में सेमिनार का शुभारंभ हुआ। डायरेक्टर प्रणय कुमार ने विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका को विस्तार से समझाते हुए भविष्य की तैयारियों के लिए मंत्र दिए। सेमिनार में मुख्य रूप से यह संदेश दिया गया कि एआई अब कोई भविष्य की बात नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार एआई से जुड़े करियर विकल्प चुनें और लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ें। एआई शिक्षा को अधिक प्रभावी, रोचक और स्मार्ट बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

रेडी टू एआई कॉन्टेक्ट पैनल ने दिखाए लाइव चमत्कार

संस्था में मौजूद रेडी टू एआई कॉन्टेक्ट पैनल की मदद से छात्रों को विभिन्न एआई

प्रॉम्प्ट मॉडल, टेक्स्ट प्रारूप और प्रॉम्प्ट शैलियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। छात्रों को बताया गया कि कैसे एआई की मदद से वेबसाइट, वेब पेज, एप्लीकेशन, पोस्टर आदि बनाए जा सकते हैं। एआई पैटर्न पहचान, समस्या समाधान, स्मार्ट वॉयस असिस्टेंट, चेहरे से मोबाइल अनलॉक और स्वचालित (सेल्फ-ड्राइविंग) कारों जैसे लाइव उदाहरणों ने बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

डरो मत, समझो, सीखो और तैयार हो जाओ

संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर विनय कुमार गोयल ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा, कुछ दशक पहले जब कंप्यूटर आया तो लोग डर गए कि नौकरियां चली जाएंगी। फिर इंटरनेट आया, मोबाइल आया और अब एआई का युग आ गया है। डरने की जरूरत नहीं है। समझना है, सीखना है और तैयार होना है। उन्होंने बताया कि एआई अब केवल टेक्निकल लोगों तक सीमित नहीं रहा। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, कला, लेखन और घरेलू कामों तक हर क्षेत्र में घुस चुका है। आज हिंदी भाषा में भी कई शानदार एआई टूल्स उपलब्ध हैं जो टेक्स्ट लिखने, चित्र बनाने, कोडिंग करने और काम आसान बनाने में मदद करते हैं।

छात्र-छात्राओं और अभिभावकों में खासा उत्साह

सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों और अभिभावकों ने इस पहल की खूब सराहना की। छात्रों को न सिर्फ करियर की स्पष्टता मिली, बल्कि भविष्य को लेकर नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भी मिला। आयोजकों ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में धूमधाम से मनाया गया प्रवेशोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 16 जून को नवीन सत्र के स्वागत में प्रवेशोत्सव का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रमोद कुमार भिमटे ने की, जबकि शाला प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष सुलोचना चौके विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की छाया चित्र पर माल्यार्पण से हुई। प्राचार्य प्रमोद कुमार भिमटे एवं अतिथि सुलोचना चौके ने परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर ज्ञान की देवी मां सरस्वती का आशीर्वाद मांगा। तत्पश्चात छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत कर सभा को सरस्वतीमय बना दिया। उनकी मधुर स्वर लहरियों ने पूरे कार्यक्रम में दिव्य वातावरण का सृजन किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रमोद कुमार भिमटे ने अपने उद्बोधन में कहा कि नया सत्र विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का अवसर है। उन्होंने छात्राओं को नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शिक्षक स्टॉफ के सदस्यों ने भी बारी-बारी से संबोधित करते हुए नवीन सत्र में बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और समग्र

विकास पर जोर दिया। पालकों ने भी कार्यक्रम में अपनी बात रखी और विद्यालय प्रबंधन तथा शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि घर-परिवार के स्तर पर भी बच्चों के नियमित अध्ययन और अनुशासन को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। अंत में सभी बच्चों को मिठाईयां वितरित कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

हमारी बदौलत नक्सली मुक्त हुआ है जिला,अब हमारी ही उपेक्षा कर रहा पुलिस विभाग

बालाघाट में नक्सल उन्मूलन के 'गोपनीय सैनिक' बेरोजगार, महीनों से नही मिला मान्यदेय

नक्सली मुक्त जिला घोषित होने से काम भी नही दे रही पुलिस, गोपनीय सैनिकों ने सौपा ज्ञापन विभाग में नौकरी देने की करी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कुछ माह पूर्व ही बालाघाट जिले को नक्सल मुक्त जिला घोषित किया गया है, जहां नक्सल मुक्त जिला घोषित होने पर शासन प्रशासन स्वयं अपनी पीठ थपथपाते नही थक रहा है। तो वही दूसरी ओर जिले को नक्सल मुक्त बनाने में अपना अहम योगदान देने वाले मुखबिर(गोपनीय सैनिक) अब दर-दर की ठोकरे खाने के लिए मजबूर हैं।नक्सल मुक्त जिला होने के चलते अब उनके समक्ष रोजगार संकट उत्पन्न हो गया है, वहीं विभाग भी उन्हें रोजगार मुहैया नहीं कर पा रहा है। जिसके चलते नक्सलियों का इनपुट और पिछले कई वर्षों से नक्सली सूचनाओं के संकलन का कार्य करने वाले मुखबीर (गोपनीय सैनिक) शासकीय कार्यालयो के चक्कर काटने के लिए मजबूर हैं। जिन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए पुलिस विभाग में ही उन्हें रोजगार दिए जाने की मांग की है,आर्थिक व मानसिक रूप से परेशान इन मुखबिरों(गोपनीय सैनिकों) ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौपा, वहीं कुछ मुखबिरों ने कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें अपनी व्यथा सुनाई, जिसमें उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी, बच्चों की पढ़ाई लिखाई, उनके लालन पालन, उनकी मानसिक व आर्थिक दैनिक स्थिति आदि का हवाला देते हुए जल्द से जल्द उन्हें पुलिस विभाग में रोजगार दिए जाने की मांग की है।

नाम, फोटो व पहचान उजागर ना करने की शर्त पर सुनाई दास्तान

जिले में नक्सल गतिविधियों के लगभग खत्म होने के बाद अब एक नया मानवीय संकट सामने आया है। नक्सल उन्मूलन अभियान में अहम भूमिका निभाने वाले मुखबिर (गोपनीय सैनिक) आज खुद ही बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। जिन लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर पुलिस को सूचनाएं दीं, वही अब शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही।मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे गोपनीय सैनिकों ने अपना नाम, फोटो और पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि गोपनीय सैनिकों को पिछले कई महीनों से मान्यदेय नहीं मिला है। पहले उन्हें नक्सल गतिविधियों की जानकारी देने के एवज में नियमित भुगतान और सहयोग मिलता था, वहीं अब नक्सल प्रभाव कम होते ही विभाग ने उनकी ओर ध्यान देना लगभग बंद कर दिया है। नतीजतन, उनका जीवनयापन संकट में आ गया है और वे रोजगार की तलाश में सम्बधित विभाग व विभाग से जुड़े शासकीय कार्यालयों में चक्कर काटने के लिए मजबूर है।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

मुखबिरो द्वारा कलेक्टर कार्यालय में सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने आरक्षक या सहायक आरक्षक में सीधे नियुक्ति देने,किसी भी मुखबिर का मान्यदेय नही काटे जाने, जो मूल वेतन है वही हर माह दिए जाने, पुलिस का पहला सूचना तंत्र (मुखबिर) है इसलिए विभाग की नौकरी में उन्हें पहले प्राथमिकता देने, सभी आवेदको को अनुभव के आधार पर शासन में पुलिस विभाग के अंतर्गत शासकीय पदों पर सीधे नियुक्त करके जीवन बर्बाद होने से बचाने की गुहार लगाई है।मुखबिरों ने स्पष्ट किया कि वे पिछले कई वर्षों से पुलिस विभाग के लिए काम कर रहे हैं तो उन्हें किसी अन्य विभाग में पदस्थ ना किया जाए बल्कि पुलिस विभाग के अंतर्गत किसी भी शासकीय पद पर नियुक्ति दिया जाकर शासन की सेवा करने एवं परिवार का अच्छा भरण-पोषण करने का अवसर दिया जाए, ताकि उनका जीवन बर्बाद होने से बच सके।

मुखबिरो की कई सूचनाओं पर पुलिस को मिली है सफलता

नाम व पहचान उजागर ना करने की शर्त पर मुखबिरों ने बताया कि जिले के करीब 135 मुखबीर, पुलिस से सीधे संपर्क में थे, जो नक्सलियों के आने जाने, उनके ठहरने, नक्सली गतिविधियों और उनके इनपुट आदि की सूचनाए सीधे पुलिस विभाग को देते थे, उनकी कई सूचनाओं के आधार पर जिले में नक्सली एनकाउंटर भी हुए हैं, कई जगह नक्सली डंप पकड़े गए हैं ,वही उन्ही के इनपुट पर पुलिस को कई बार बड़ी सफलता भी प्राप्त हुई है। इन 135 के करीब मुखबिरो में से कुछ मुखबिरो को विशेष भर्ती के तहत पुलिस विभाग में रोजगार दिया गया है, जिनका वेतन बराबर आ रहा है ,लेकिन शेष करीब 65 से 70 मुखबिर आज भी बेरोजगारी की जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर है। उन्होंने बताया कि कुछ मुखबिरों की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि उनके सामने रोजमर्रा के खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है।परिवार के भरण-पोषण के लिए उनके पास पैसे तक नही है।वही स्थायी रोजगार के अभाव में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

मुखबिरो को किया जा रहा नजरअंदाज

गोपनीय सैनिकों का कहना है कि उन्होंने पुलिस और प्रशासन की मदद के लिए अपनी पहचान व जान तक दांव पर लगा दी, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई। अब जब नक्सलवाद मुक्त जिला हो गया है, तो उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है।पीड़ितों ने प्रशासन से मांग की है कि उन्हें पुलिस विभाग में रोजगार देकर नियमित वेतन दिया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें।मुखबिरों ने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी के 15 से 20 साल विभाग को दे दिए हैं पिछले कई वर्षों से विभाग का काम कर रहे हैं तो उन्हें रोजगार देने की जिम्मेदारी भी विभाग की है। पुलिस विभाग ने उन्हें रोजगार देकर उनकी मदद करनी चाहिए, ताकि उनका और उनके परिवार का जीवन सवर सके।

वारासिवनी में पेट्रोल डीजल के किल्लत की आशंका पर पंपों में लगी गाड़ियों की लंबी लाइनें

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी और आसपास के गांवों में पिछले दो दिनों से पेट्रोल और डीजल की भारी कमी हो गई है। इसके कारण आम लोगों को अपनी गाड़ियों में ईंधन भरवाने के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि १४ जून की शाम से ही शहर के कुछ पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल पूरी तरह खत्म हो गया था। वहीं १६ जून की सुबह तक ज्यादातर अन्य पंपों पर भी पेट्रोल डीजल खत्म होने के बोर्ड लग गए। जैसे ही लोगों को पता चला कि पेट्रोल खत्म हो रहा है तो जिन गिने चुने पंपों पर पेट्रोल मिल रहा था वहां अचानक भारी भीड़ उमड़ पड़ी और गाड़ियों की लंबी लंबी लाइनें लग गईं। पेट्रोल नही मिलने से सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को हो रही है जो रोज काम पर जाते हैं या जो किसान और व्यापारी हैं। लोग अपनी गाड़ियों में ईंधन डलवाने के लिए एक पंप से दूसरे पंप के चक्कर काट रहे हैं। जानकारी के अनुसार पेट्रोल के साथ साथ अब डीजल का स्टॉक भी खत्म होने की कगार पर है। पेट्रोल पंपों पर बताया जा रहा है कि ईंधन की नई खेप आने और सप्लाई सामान्य होने में २ दिन का समय लग सकता है। ऐसी स्थिति में नागरिकों को सलाह दी जा रही है कि वे जरूरत के हिसाब से ही पेट्रोल डीजल का इस्तेमाल करें और फालतू में स्टॉक ना करें। अब लोगो की नजरें पेट्रोल की नई गाड़ी आने पर टिकी हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए ताकि जनता को राहत मिल सके। ग्राम खापा के रहने वाले लकेश पटले ने बताया कि वे किसी काम से वारासिवनी आए थे। गाड़ी में पेट्रोल कम होने पर जब वे रामपायली रोड वाले पेट्रोल पंप पर गए तो वहां पेट्रोल खत्म था। इसके बाद वे शास्त्री पेट्रोल पंप पहुंचे लेकिन वहां भी पेट्रोल नहीं मिला। अब वे तीसरे पंप पर आए हैं और यहां भी वही हाल है। उन्होंने कहा कि दो तीन पंप बंद होने से चालू पंपों पर बहुत ज्यादा भीड़ बढ़ गई है और प्रशासन को इसकी तुरंत कोई व्यवस्था करनी चाहिए।

खेत में बाढ़ लगाने की बात पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से की मारपीट

तीन आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना क्षेत्र में एक महिला आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ बेरहमी से मारपीट और गाली गलौज करने का गंभीर मामला सामने आया है। अपने ही खेत में सुरक्षा के लिए घेराबंदी लगाने की बात को लेकर हुए विवाद में तीन लोगों ने मिलकर महिला पर हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय सँहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नवेगांव तीन की रहने वाली ४५ वर्षीय सुनीता दमाहे जो पेशे से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं उसने रामपायली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सुनीता ने बताया कि १५ जून २०२६ की दोपहर करीब ४.३० बजे वह अपने खेत में बाड़ यानि घेरा लगा रही थीं। इसी दौरान गांव के ही तीन निवासी सुलोचना पति सुखदेव पटेल, चम्माला पिता नारायण पटेल और दिलेश्वरी पिता सुखदेव पटले वहां पहुंचे। आरोपियों ने बिना किसी ठोस कारण के सुनीता द्वारा लगाई जा रही बाढ़ को जबरन तोड़ दिया। जब सुनीता ने उन्हें ऐसा करने से मना किया और विरोध जताया तो तीनों आरोपी आक्रोशित हो गए और उन्होंने पीड़िता को गंदी गालियां देना शुरू कर दिया। बात सिर्फगाली गलौज तक ही सीमित नहीं रही आरोपियों ने एक राय होकर सुनीता दमाहे पर हमला कर दिया। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि तीनों ने उसे हाथ.मुक्कों और लात.घूंसों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। इस मारपीट के कारण सुनीता के सिर पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के दौरान आरोपियों ने पीड़िता को धमकी दी कि अगर तुमने इस खेत से बाड़ को नहीं हटाया तो तुम्हें जान से खत्म कर देंगे। घटना के बाद पीड़िता ने अपने परिवार के साथ थाना रामपायली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अपराध क्रमांक ०२१०/२०२६ दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय सँहिता २०२३ की धारा २९६ बी, ११५,२ ३५१,२ ३/५ के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

शासकीय माध्यमिक शाला सहेकी के प्रधानपाठक चुन्नीराम धारने का सेवानिवृत्ति समारोह भावपूर्ण माहौल में संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय माध्यमिक शाला सहेकी के प्रधानपाठक चुन्नीराम धारने 31 मई 2026 को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान एवं विदाई के अवसर पर जनशिक्षा केंद्र एवं संकुल शाला मनेरी द्वारा 15 जून को भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री धारने के 37 वर्ष 6 माह 13 दिन के लंबे शैक्षणिक सेवा काल के उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। समारोह की अध्यक्षता संकुल प्राचार्य रामेश्वर घोरमारे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्रधानपाठक चुन्नीराम धारने स्वयं उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में सहेकी सरपंच श्रीमती विमला मनीराम घोरमारे, उपसरपंच दामोदर बल्लारखेड़े, सेवानिवृत्त शिक्षक राजेंद्र मुरकुटे, मच्छलेश शेंडे, संतोष बनोठे (प्रभारी प्राचार्य, शासकीय हाई स्कूल सावरीखुर्द), दुलीचंद घोरमारे, विमला नारनौरे, कोमलचंद गुरदे, कृष्णा कावड़े, योगेंद्र भंडारकर, सुशील कुमार बोरकर, सुनील रामटेक्कर, महेश लिल्हारे आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधानपाठक चुन्नीराम धारने को शॉल, श्रीफल, अभिनंदन पत्र, डायरी-पेन, चांदी की गणेश प्रतिमा, डिनर सेट एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से सम्मानित किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों ने श्री धारने के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि वे कर्मशील, मिलनसार, सरल स्वभाव के, मृदुभाषी और सभी के शुभचिंतक रहे। उनका पूरा जीवन शिक्षा जगत के लिए प्रेरणास्रोत और अनुकरणीय रहा। वक्ताओं ने कहा, श्री धारने ने पूरे सेवा काल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए समर्पित भाव से कार्य किया। सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें समाजसेवा और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने की शुभकामनाएं दी गईं तथा उनके स्वस्थ, सुखमय और दीर्घायु जीवन की कामना की गई। समारोह में संकुल परिवार के ज्ञानचंद घोरमारे, जगदीश हनोते, वीरेंद्र हुमने, जगदीश ढोक, रूपलाल कटरे, टेकचंद पाचे, नितिन रणदिवे, सुरेश किरेकार, चंद्रशेखर बनोठे, डेविड मेश्राम, शांतनु उपराड़े, नेहा साहू, दीपिका वाकड़े, लक्ष्मी ढोक, महेंद्र रामटेके, गौरीशंकर आसटकर, उमेश लिल्हारे, जैलाल धारने, राजेंद्र ढोक, गणेश यादव, मनीराम घोरमारे, पुरुषोत्तम सोनवाने, गिरधारी धुवारे, उषा उपराड़े, लता टेंभरे, जनशिक्षक विजय दशरिया, पूर्व जनशिक्षक ध्रुव गजभिए सहित जनशिक्षा केंद्र एवं संकुल मनेरी के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन महेश नगपुरे (पूर्व जनशिक्षक, सहेकी) ने किया तथा राधेश्याम सोनवाने (जनशिक्षक) ने आभार व्यक्त किया।समारोह पूरे सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

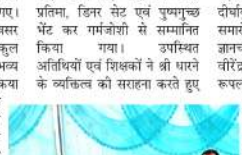

बैहर में पनिका समाज की राष्ट्रीय स्तरीय बैठक आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश में निवासरत पनिका समाज आरक्षण के मुद्दे पर एक ठोस कानूनी और राजनीतिक रणनीति बना रहा है।जिसको लेकर बैहर में 17 जून को राष्ट्रीय स्तर की बैठक आहुत की गई है।यहां बैठक समाजसेवी बिहारी दास मुरचुले के नेतृत्व में किया जा रही है। बैठक में देश के अनेकों राज्य से पनिका समाज के प्रमुख शामिल होंगे और रणनिती पर मंथन करेंगे।समाज की मुख्य मांग पनिका जाति को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हटाकर पुनः अनुसूचित जनजाति (एसटी) की श्रेणी में शामिल करना है,समाज के प्रतिनिधियों द्वारा बनाई जा रही मुख्य रणनीतियों में समाज का दावा है कि 1971 से पूर्व पनिका जाति अविभाजित मध्य प्रदेश में अनुसूचित जनजाति का हिस्सा थी, जिसे बिना पूर्व सुनवाई के हटाकर ओबीसी वर्ग में शामिल कर दिया गया।इस भूल को सुधारने और आदिम जाति के रूप में पूर्ववत दर्जा बहाल करने की मांग की जा रही है।बताया गया की सामाजिक संगठनों और विकास समितियों द्वारा समय-समय पर जिला कलेक्टरों और विधायक ,मंत्री एवं सांसदो के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपे जाते रहे हैं। अपनी मांगों को मजबूती से रखने के लिए समाज का प्रतिनिधि मंडल भी केंद्र सरकार के जनजातीय मंत्रालय और प्रधानमंत्री के समक्ष भी अपनी बात रख चुके है । आरक्षण की मांग को लेकर प्रदेश के अनेकों जिलों में पनिका समाज के प्रमुखों की उपस्थिति में सामाजिक एकीकरण और आरक्षण पर मंथन किया जाता है।बताया गया कि व्हाट्सएप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी समाज के हर व्यक्ति, बुजुर्गों और युवाओं तक इस मुद्दे की जानकारी पहुँचाकर उन्हें जागरूक किया जा रहा है, समाज के संगठनों द्वारा पहले भी उच्च न्यायालयों में याचिकाएं लगाई जा चुकी हैं, ताकि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच लंबित प्रस्तावों पर निर्णय लिया जा सके, क्षेत्र में पनिका समाज की एक बड़ी आबादी मध्य प्रदेश के कई जिलों में निवास करती है और कई विधानसभा क्षेत्रों में यह निर्णायक मतदाता है। सरकारें पनिका समाज की मांग पर विचार नहीं कर रही है, लेकिन अब पनिका समाज चुप नहीं बैठेगी। जो बालाघाट जिले के बैहर में हो रही बैठक से सरकार को एक बड़ा संदेश देने की बात कही जा रही है।बैठक में अधिक से अधिक पनिका समाज के स्वजातीय बंधुओं को बैठक में उपस्थित होने की अपील की गई है।

सांसद श्रीमती भारती पारधी 17 जून को परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 17 जून 2026 को परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांसद पारधी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर जनसंपर्क कार्यक्रमों में शामिल होंगी तथा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करेंगी। इस दौरान वे केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाएंगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांसद श्रीमती पारधी 17 जून को प्रात: 9:30 बजे बालाघाट से परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रस्थान करेंगी और प्रात: 10 बजे समनापुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर वरिष्ठजनों का सम्मान करेंगी। इसके बाद प्रात: 11 बजे मोतेगांव पहुंचकर वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करेंगी। दोपहर 12 बजे लामता में आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्रीमती पारधी भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री पवन पाटीदार के साथ सहभागिता करेंगी तथा वरिष्ठजनों का सम्मान करेंगी। इसके उपरांत दोपहर 01 बजे पचपेढ़ी(चांगोटोला) में वरिष्ठ नागरिक सम्मान कार्यक्रम में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी दोपहर 2:00 बजे परसवाड़ा, दोपहर 3:15 बजे मझगांव तथा सायं 4:30 बजे खुरमुंडी पहुंचकर वरिष्ठजनों का सम्मान करेंगी और स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी के इस दौरे को क्षेत्र के नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित करने तथा वरिष्ठजनों के सम्मान के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कलेक्टर ने खाद्य, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की समक्ष में की सुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 16 जून को खाद्य आपूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सीएम हेल्पलाईन की 200 से अधिक दिनों की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ताओं एवं संबंधित विभाग के अधिकारी से समक्ष में चर्चा कर शिकायत के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली और लंबित शिकायतों को बंद करने के निर्देश दिये।

किरनापुर तहसील के तुलसीराम बावनकर, वारासिवनी तहसील के किशोर कुमार एवं बालाघाट तहसील के ग्राम केशलेवाड़ा के प्रदीप द्वारा खाद्यान्न पर्ची नहीं मिलने एवं खाद्यान्न पात्रता पर्ची में नाम नहीं जोड़े जाने की शिकायत की गई थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान बताया गया कि किशोर कुमार एवं प्रदीप की शिकायत का समाधान हो चुका है और उसे बंद करा दिया गया है। तुलसीराम की शिकायत का भी निराकरण कर दिया गया हैं। इस पर उनकी शिकायत को भी शीघ्र बंद कराने के निर्देश दिये गये।

कटंगी तहसील के ग्राम बोरीखेड़ा (मा) के रामदयाल, बिरसा के ओमलाल दांदरे एवं बालाघाट तहसील के ग्राम मंझारा के मुकेश कुमार चौरे द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की गई थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि उनके प्रकरण में आवेदक महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की राशि माह मार्च 2026 में प्राप्त हो गई है। लेकिन योजना के पोर्टल पर यह प्रदर्शित नहीं हो रही थी। संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ताा को बैंक खाते में जमा राशि का विवरण दिखाया गया है। जिस पर इन तीनों शिकायतों को बंद कराया गया।

कमला टेंभुर्ने, भुवनेश्वरी लिल्हारे एवं रूखमणी निषाद का वर्ष 2024 में जिला चिकित्सालय में प्रसव हुआ था। लेकिन इन तीनों महिलाओं को संबल योजना के अंतर्गत मिलने वाली प्रसूति सहायता योजना की राशि नहीं मिलने की शिकायत की गई थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान डॉ ऋत्विक पटेल ने बताया कि इन तीनों महिलाओं के खाते में प्रसूति सहायता की राशि जमा करा दी गई है। जिस पर इन तीनों शिकायतों का निराकरण हो जाने के कारण उन्हें बंद कराने के निर्देश दिये गये।

रामबाबू देवांगन होगे बालाघाट एसडीएम

पदमेश न्यूज,बालाघाट। जिले में अलग-अलग स्थान पर अपनी सेवाएं बतौर तहसीलदार के रूप में दे चुके रामबाबू देवांगन इन दिनों डिप्टी कलेक्टर एसडीएम डिंडोरी के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे मध्य प्रदेश शासन द्वारा उनका स्थानांतरण दोबारा बालाघाट कर दिया गया है।ज्ञात हो कि रामबाबू देवांगन कोरोना काल के दौरान बालाघाट में अपनी सेवाएं दे चुके हैं उनकी सेवाओं के लिए उनकी जमकर प्रशंसा हुई है वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी बहुत अधिक सराहना भी की थी, बड़ी बात यह है कि रामबाबू देवांगन द्वारा शहर के बहुचर्चित देवी तालाब को लेकर बड़ा फैसला दिया गया था उनके फैसले के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय हुई थी।निश्चित ही उनके बालाघाट पुन: आगमन की खबर उनके शुभचिंतकों के लिए हर्ष का विषय है तो वे लोग जिनके खिलाफ उन्होंने बहुत शानदार तरीके से आदेश दिए थे उनके लिए थोड़ी चिंता का विषय जरूर है।बड़ा सवाल यह है कि रामबाबू देवांगन डिप्टी कलेक्टर को क्या बालाघाट एसडीएम का प्रभार मिलेगा हालांकि वर्तमान समय में बालाघाट एसडीएम के तौर पर गोपाल सोनी अपनी सेवाएं दे रहे हैं, उनकी सेवाओं का समय 3 साल से अधिक का हो चुका है।वर्तमान में बालाघाट के साथ साथ किरनापुर एसडीएम के प्रभार में भी है। जानकार बताते हैं कि मध्य प्रदेश शासन आगामी दिनों में सोनी का स्थानांतरण कर देगा उसके बाद रामबाबू देवांगन को बालाघाट एसडीएम का चार्ज मिल सकता है।

बैहर में जल संकट गहराया

पद्मेश न्यूज। बैहर। भीषण गर्मी और जलस्रोतों के सूख जाने से बैहर नगर इन दिनों गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। नगर परिषद ने 21 मई 2026 से नगर में नल-जल योजना के तहत होने वाली नियमित जलापूर्ति बंद कर दी है। अब जिन घरों में निजी कुएं नहीं हैं।वहां एक दिन के अंतराल में टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर नगर की जीवनदायिनी तन्नौर नदी में पानी का स्तर पूरी तरह घट चुका है। नदी के जल संग्रहण स्थल सूख जाने के कारण नगर की दो बड़ी पानी की टंकियां खाली पड़ी हैं। जिनसे पूरे नगर में जलापूर्ति की जाती थी। नगर परिषद का कहना है कि मानसून आने और नदी में पुनः जलभराव होने के बाद ही पूर्व की तरह नलों के माध्यम से नियमित जल वितरण संभव हो सकेगा।

15 वार्डों में जलापूर्ति बड़ी चुनौती

नगर परिषद के सामने नगर के सभी 15 वार्डों में पानी पहुंचाना बड़ी चुनौती बन गया है। कई वार्ड नगर से दूर स्थित हैं।जहां टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाने में अधिक समय और कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कुछ वार्ड ऐसे भी हैं जहां कुएं या तो हैं ही नहीं और जहां हैं भी वहां पानी समाप्त हो चुका है। ऐसे क्षेत्रों में लोग केवल टैंकरों पर निर्भर हैं।

टैंकरों से किसी तरह पीने का पानी तो उपलब्ध कराया जा रहा है, लेकिन स्नान, कपड़े धोने और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। नगरवासियों का कहना है कि पानी की कमी ने दिनचर्या को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लोग एक-एक दिन कठिनाई और चिंता के बीच गुजार रहे हैं।

पहली बार इतने गंभीर हालात प्याऊ भी बंद

बैहर नगर में पहली बार इस तरह पानी की त्राहि-त्राहि की स्थिति बनी है। हालात इतने खराब हैं कि नगर परिषद को सार्वजनिक प्याऊ भी बंद करने पड़े हैं। वर्तमान में केवल एकमात्र कूप (कुएं) के सहारे टैंकरों द्वारा जलापूर्ति की जा रही है। जिससे पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से राहत की मांग

नगरवासियों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि वैकल्पिक जलस्रोतों की तत्काल व्यवस्था की जाए तथा अतिरिक्त टैंकरों की संख्या बढ़ाकर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। वहीं सभी की निगाहें अब मानसून पर टिकी हैं।जिससे इस भीषण जल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है।

आज दूसरे एकदिवसीय में बदलावों के साथ उतर सकती है भारतीय टीम

लखनऊ। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में बदलावों के साथ उतरेगी। इस मैच में स्पिनर कुलदीप यादव और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम पहले ही ही इस सीरीज में 1-0 से आगे है।

भारतीय टीम प्रबंधन इस मैच में विभिन्न संयोजनों को आजमा सकता है। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने सीरीज की शुरुआम में ही कहा था कि टीम अलग-अलग संयोजन अपनाने पर ध्यान देगी। जिससे पता चले कि क्या लाभदायक हो सकता है। कुलदीप के इसलिए अवसर मिल रहा है जिससे कि वह लय हासिल करें और बीच के ओवरों में खेल पर नियंत्रण रखें। कुलदीप दक्षिण अफीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में खेले थे पर उसके बाद से उनके फॉर्म में गिरावट आई है।

इस मैच में स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह पक्की नजर आ रही है। वहीं युवा हर्ष दुबे को इस मैच में शायद ही अवसर मिले। हर्ष ने पिछले मैच में तीन विकेट लिए थे पर इस मैच में उनकी जगह कुलदीप ले सकते हैं।

तेज गेंदबाज के तौर पर गुरनूर बराड़ ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और उन्हें अवसर मिलना तय है। वहीं प्रिंस यादव को जगह मिलना संभव नहीं दिखता। । विराट कोहली की जगह नंबर तीन पर यशस्वी को उतारा जा सकता है। पहले मैच में इस नंबर पर ईशान किशन को उतारा गया था। इस मैच में अनुभवी रोहित शर्मा पर बड़ी पारी खेलने का दबाव रहेगा।

दूसरी ओर अफगानिस्तान की टीम पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी और गेंदबाजी में असफल रही थी। अब उसका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्पिन गेंदबाजी अफगानिस्तान की सबसे बड़ी ताकत है पर पहले मैच में उसके स्पिनर नाकाम रहे। बल्लेबाजी में रहमानुल्लाह गुरबाज के अलावा अन्य सभी विफल रहे।

दोनो टीमें टीम इस प्रकार हैं =

भारत - शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, वॉशिंगटन सुंदर, हर्ष दुबे, इशान किशन, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

अफगानिस्तान -हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), सेदिकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, बिलाल सामी, नांगेयालिया खरोती, फरीद अहमद मलिक, एएम गजनफर, मोहम्मद नबी, राशिद खान,

दरविश रसूली, इब्राहिम जादरान, जिया उर रहमान शरीफी।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के इंग्लैंड के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज से वापसी की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार पांड्या मांसपेशियों की चोट से उबर गये हैं और अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। इस रिपोर्ट के अनुसार पांड्या जल्द ही मैदान पर प्रशिक्षण शुरू कर देंगे। इस रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा निर्धारित पुनर्वास कार्यक्रम का पालन कर रहे हैं। इस दौरान चिकित्सा टीम उनकी प्रगति पर लगातार नजर रखे हुए है और उनकी रिकवरी के हर पहलू पर करीब से नजर रख रहे हैं। सीओई के विशेषज्ञ इस दौरान इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि किसी भी प्रकार की जल्दबाजी न की जाये जिससे उनकी वापसी पूर्ण फिटनेस के साथ हो। सूत्रों के अनुसार, हार्दिक इस सप्ताह के अंत तक जॉगिंग और सामान्य दौड़ना शुरू कर सकते हैं। इसके बाद, वह धीरे-धीरे नेट्स में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास भी शुरू करेंगे। यह उनके पुनर्वास का एक महत्वपूर्ण चरण होगा, जहां उनकी शारीरिक क्षमता और चोट के ठीक होने की स्थिति का मूल्यांकन किया जाएगा। मेडिकल टीम यह पक्का करना चाहती है कि मैदान पर वापसी से पहले वह पूरी तरह से मैच फिट हों। यदि सब कुछ योजना के अनुसार चलता रहा और हार्दिक उम्मीद के मुताबिक ठीक होते गए, तो वह इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसी सीरीज से एक बार फिर मैदान पर वापसी कर सकते हैं। पांड्या टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। वह टीम को संतुलन देते हैं। अपनी तेज गेंदबाजी से मध्य ओवरों में विकेट दिलाते हैं और निचले क्रम में विस्फोटक बल्लेबाजी करके मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। 2027 एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में टीम के लिए पांड्या की फिटनेस बेहद अहम मानी जा रही है।

अश्विन ने गुरनूर को अवसर देने के लिए चयनकर्ताओं के सराहा

चेन्नई। दिग्गज ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भारतीय टीम में अवसर देकर चयनकर्ताओं ने अच्छा काम किया है।गुरनूर ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में शानदार गेंदबाजी कर अपने चयन को सही साबित किया है। इस मैच में बरार ने अपनी गति और सटीकता से सभी को प्रभावित किया, लगातार 145 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदें डालीं। उन्होंने अपने स्पेल में 27 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए, इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पांचवीं गेंद पर ही अपना पहला विकेट हासिल करन एक बड़ी उपलब्धि है। अश्विन ने बरार की गेंदबाजी के कई पहलुओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी कम उम्र उनके लिए एक बड़ा फायदा है और उनमें अपार क्षमता है।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर गुरनूर की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, गुरनूर हमें कहना होगा कि वह वाकई बहुत प्रभावशाली हैं। वह लंबे हैं और ऐसा लगता है कि वह काफी मजबूत भी हैं। उन्होंने हर गेंद 145 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से डाली। उनमें बहुत क्षमता है। नई गेंद के साथ उनका कौशल, उनका एक्शन और स्विंग, सब कुछ बहुत बढ़िया है। अश्विन ने यह भी जोड़ा कि बरार अभी युवा हैं और भविष्य में और भी तेज गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं इससे पहले गुरनूर के चयन पर कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने हैरानी जताई थी, उनका कहना था कि जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को अवसर दिया जाना चाहिये था क्योंकि उनका घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन रहा था। वहीं अश्विन ने इस चयन को सही ठहराते हुए कहा कि यह चयनकर्ताओं की दूरदर्शिता का परिणाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुरनूर को एक संभावित प्रतिभा के रूप में पहचानने में चयनकर्ताओं की समझ सराहनीय है और उन्होंने इस युवा गेंदबाज को भारत के लिए एक संभावित स्टार बताया।

अश्विन ने कहा, जब चयनकर्ताओं ने आकिब नबी की जगह गुरनूर बरार को चुना, तो कई लोगों ने इस पर चर्चा की। मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन फैसला था। दोनों के बीच कोई तुलना नहीं है, लेकिन जिन चयनकर्ताओं और कोचों ने गुरनूर को देखा, उनकी परख बहुत अच्छी है और उन्हें इसके लिए बधाई दी जानी चाहिए। अश्विन ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि गुरनूर अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं और सही दिशा में प्रयास करते हैं, तो वह भविष्य में भारतीय क्रिकेट के लिए एक बहुत बड़े गेंदबाज बन सकते हैं।

सहवाग का खुलासा, जब द्रविड़ की सलाह के कारण मैं तिहरा शतक पूरा नहीं कर पाया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने खुलासा किया है कि एक बार जब वह तिहरे शतक के बेहद करीब पहुंच गये थे तो कप्तान रहे राहुल द्रविड़ की सलाह के कारण उसे पूरा नहीं कर पाये थे। सहवाग को एक ऐसे विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर याद किया जाता है जो क्रिकेट की पारंपरिक शैली को अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से बदलने में सफल रहा है। वहीं अपनी धुआंधार शुरुआत से वे न केवल विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाते थे, बल्कि टेस्ट मैच जीतने के लिए एक नया रवैया भी पेश करते थे। भारत के लिए टेस्ट में दो तिहरे शतक लगाने वाले वह एकमात्र बल्लेबाज हैं पर एक ऐसा अवसर आया जब वह अपने तीसरे तिहरे शतक के बेहद करीब पहुंच गए थे पर द्रविड़ की एक सलाह के कारण वे यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने से चूक गए। सहवाग ने ये भी कहा कि द्रविड़ की बात मानकर उन्होंने अपने करियर की एक बड़ी गलती कर दी थी।

ये मामला साल 2009 का है। तब मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में सहवाग अपनी स्वाभाविक शैली में बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन के खेल में टीम को बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचा चुके थे। उन्होंने एक ही दिन में रिकॉर्ड 284 रन बना दिए थे। क्रीज पर टिके सहवाग अपने टेस्ट करियर के तीसरे तिहरे शतक से करीब थे।

वहीं जब दिन का खेल खत्म होने में कुछ ओवर बाकी थे, तब द्रविड़ ने उनसे बात की। द्रविड़ ने सहवाग को सलाह दी कि अब जोखिम लेने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि दिन का खेल समाप्त होने वाला है। उन्होंने सहवाग से कहा, आज विकेट बचाकर खेलो, अगली सुबह आकर आराम से अपने 300 रन पूरे कर सकते हो। तुम्हारे पास 400 रन बनाने का भी मौका होगा। द्रविड़ की यह सलाह सहवाग को सही लगी और वह बचे हुए ओवर सावधानी से खेलने लगे। दिन का खेल खत्म होने तक दोनों बल्लेबाज नाबाद रहे, और सहवाग को पूरा विश्वास था कि अगली सुबह वह अपना तिहरा शतक आसानी से पूरा कर लेंगे। वह अगले दिन पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरे लेकिन 293 रन बनाकर आउट हो गए। श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच लपककर उन्हें इतिहास रचने से रोक दिया। सहवाग ने अपनी इस विस्फोटक पारी में केवल 254 गेंदों का सामना किया था, जिसमें 40 चौके और 7 छक्के शामिल थे। यह एक ऐसी पारी थी जो हमेशा उनकी आक्रामक शैली का प्रतीक रहेगी। सहवाग ने कहा कि किया कि उन्हें दूसरे दिन के आखिरी ओवरों में अपनी स्वाभाविक आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखनी चाहिए थी। उन्हें इस बात का गहरा अफसोस हुआ कि उन्होंने द्रविड़ की सलाह मानी। उन्होंने यह भी बताया कि आउट होने के बाद वह मजाकिया तौर पर ही सही, लेकिन द्रविड़ को उनकी सलाह के लिए जमकर कोस रहे थे।

आईपीएल 2026 फाइनल को रिकॉर्ड संख्या में दर्शकों ने देखा

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल से दर्शकों के मामले में भी एक रिकार्ड बनाया है। इसे सबसे अधिक दर्शकों ने देखा। इससे आईपीएल दुनिया की सबसे लोकप्रिय खेल लीग्स में से एक के रूप में उभरकर सामने आई है। इस वर्ष के टूर्नामेंट को कुल एक अरब 20 करोड़ से अधिक दर्शकों ने देखा। ये आंकड़ा पिछले साल की तुलना में सात फीसदी से अधिक रहा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक खिताबी मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता था। आईपीएल 2026 सत्र में दर्शकों का अपनी स्क्रीन से असाधारण जुड़ाव देखने को मिला। कुल मैच देखने का समय 870 अरब मिनट के चौंका देने वाले आंकड़े तक पहुंच गया, जो लीग की निरंतर बढ़ती लोकप्रियता और मनोरंजक मूल्य का स्पष्ट प्रमाण है। विशेष रूप से, फाइनल मैच ने दर्शक संख्या के सभी पिछले रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। यह अब तक का सबसे अधिक देखा जाने वाला आईपीएल मैच बन गया, जिसे स्क्रीन पर 40 करोड़ से अधिक लोगों ने एक साथ देखा, जो क्रिकेट के प्रति भारतीय उपमहाद्वीप के जुनून को दर्शाता है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी आईपीएल 2026 ने क्रांतिकारी प्रगति दर्ज की है। कनेक्टेड टीवी (स्मार्ट टीवी और स्ट्रीमिंग डिवाइस पर) पर दर्शकों की संख्या में 22 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई, जो दर्शकों द्वारा सामग्री उपभोग के तरीकों में महत्वपूर्ण बदलाव को इंगित करता है।

हार्दिक के अच्छे विकल्प हो सकते हैं नितीश - रैना

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए चोटिल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नितीश का वर्तमान समय में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह हार्दिक के अच्छे विकल्प बनने की योग्यता रखते हैं। साथ ही कहा कि चयन समिति को अन्य विकल्प भी देखने चाहिये। इसका कारण है कि हार्दिक कई बार चोटिल होते रहते हैं। रैना ने कहा कि पंड्या की बार-बार होने वाली चोटें चिंता का विषय हैं और 2027 विश्व कप से पहले भारत को उनका एक भरोसेमंद विकल्प ढूंढना अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करना चाहिए। रैना ने नितीश को एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश किया, यह बताते हुए कि इस युवा ऑलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने विस्तार से बताया, उनकी बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। रैना ने टीम प्रबंधन को सलाह दी कि उन्हें रेड्डी के काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना चाहिए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार मौके देने चाहिए ताकि वह अपनी जगह पक्की कर सकें।

बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भविष्य के संभावित कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की भूमिका को अहम बताया। उनका मानना है कि आईसीसी जैसे अत्यधिक दबाव वाले टूर्नामेंट में इन दिग्गजों का अनुभव गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। रैना ने जोर दिया, दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं। विश्व कप में भारत की कप्तानी करते समय शुभमन के लिए रोहित और विराट का साथ होना बहुत बड़ा फायदा होगा। यह दिखाता है कि भारत अपने युवा नेतृत्व को स्थापित करते हुए भी अनुभवी खिलाड़ियों के महत्व को बनाए रखना चाहता है।

शरणार्थी शिविर से फीफा विश्वकप तक पहुंचे नेस्टोरी

मियामी। फीफा विश्वकप फुटबॉल में इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही मुकाबले में जीत दिलाने वाले खिलाड़ी नेस्टोरी इरानकुंडा हीरो बनकर उभरे हैं। तुर्किये के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 27वें मिनट में शानदार गोल दागकर उन्होंने न केवल अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, बल्कि 20 वर्ष और 125 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनने की भी उपलब्धि अपने नाम की है। नेस्टोरी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर में जन्मे नेस्टोरी के माता-पिता को बुरुंडी में गृहयुद्ध के कारण अपना देश छोड़ना पड़ा था और शरण लेने के लिए तंजानिया पहुंचना पड़ा था। इसी दौरान नेस्टोरी का जन्म हुआ। बचपन में ही उनका परिवार ऑस्ट्रेलिया चला आया, जिसने उनकी जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। यहीं पर नेस्टोरी ने फुटबॉल खेलना शुरु किया और धीरे-धीरे अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। एडिलेड यूनाइटेड के लिए खेलते हुए उन्होंने घरेलू फुटबॉल में अपनी पहचान बनाई, अपनी गति, तकनीक और आक्रामक खेल से ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली

युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गये।

साल 2024 में जर्मनी के दिग्गज क्लब बायर्न म्यूनिख ने इस फुटबॉलर को अवसर दिया हालांकि जर्मनी में चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं। उन्होंने क्लब की दूसरी टीम के लिए कई मुकाबले खेले, पर वरिष्ठ टीम में उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए, नेस्टोरी को नियमित खेल समय की आवश्यकता थी, जिससे उन्हें अपने भविष्य को लेकर चिंता होने लगी। इसी बीच, उन्होंने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया और वर्ष 2025 में इंग्लैंड के क्लब वॉटफोर्ड से जुड़ गए। यह निर्णय उनके करियर के लिए अच्छा रहा। वॉटफोर्ड में उन्हें लगातार खेलने का मौका मिला और वह टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में शामिल हो गए। नेस्टोरी ने हमेशा कहा था कि विश्व कप में खेलना उनका सबसे बड़ा सपना है, और इसके लिए नियमित रूप से मैदान पर उतरना अनिवार्य था। नेस्टोरी के ऑस्ट्रेलियाई साथी मोहम्मद टौरे उनकी प्रतिभा के बड़े प्रशंसक रहे हैं। टौरे ने एक बार कहा था कि उन्होंने कई अच्छे खिलाड़ी देखे हैं, लेकिन नेस्टोरी जैसी विशेष प्रतिभा बहुत कम मिलती है।

एफआईएच महिला नेशंस कप : भारतीय टीम ने दूसरे मुकाबले में जापान को हराया

ऑकलैंड । कप्तान सलीमा टेटे और लालरेमसियामी के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप 2026 में मंगलवार को अपने पूल ए के दूसरे मुकाबले में जापान को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम का सेमीफाइनल में पहुंचना तय हो गया है। भारतीय टीम ने अब तक पूल ए के अपने दोनो ही मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की जीत में कप्तान सलीमा और लालरेमसियामी की अहम भूमिका रही। दोनो ने ही एक-एक गोल किये। वहीं जापान की ओर से एकमात्र गोल एई हिरामित्सु ने किया। मिडफील्डर ज्योति ने इस मैच के साथ ही अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। इस मैच के पहले सत्र में दोनो ही टीमें गोल करने में विफल रहीं थीं।

तीसरे क्वार्टर के 33वें मिनट में भारतीय टीम को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे सलीमा ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। इस प्रकार टीम को 1-0 की बढ़त मिली। इसके दो मिनट बाद ही 35 वें मिनट में जापान की एई हिरामित्सु ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके बाद चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने गोल करने के लिए कई हमले कियेरखा। इसी का परिणाम रहा कि 49वें मिनट में लालरेमसियामी ने एक गोल दागकर भारतीय टीम की बढ़त को 2-1 कर दिया।

फीफा विश्व कप 2026 : ईरान ने न्यूजीलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर रोका

लॉस एंजिल्स । ईरान ने फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के ग्रुप जी के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर ही रोक दिया। इसी के साथ ही न्यूजीलैंड विश्वकप में पहली जीत हासिल करने से वंचित हो गयी। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ईरान ने दो बार पिछड़ने के बाद भी अच्छी वापसी की और एक अंक हासिल किया। इस मैच में ईरान की जीत में रामिन रेजाईन की अहम भूमिका रही। उन्होंने दो गोल दागे। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से एलिजा जस्ट ने दो गोल किये पर अंत में व ड्रॉ पर ही मजबूर हो गयी।

मैच की शुरुआत में ही ईरान ने हमला बोल दिय। मेहदी तारेमी के शॉट को हालांकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकॉम्बे ने रोक लिया। इसके तत्काल बाद ही

न्यूजीलैंड ने बढ़त हासिल कर ली। एलिजा जस्ट ने क्रिस वुड के पास पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

ईरान ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी के प्रयास तेज कर दिये। रामिन रेजाईन ने गोलकीपर क्रोकॉम्बे को छकाते हुए एक गोल दाग दिया। इस गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और ईरान ने मैच में अपनी वापसी दर्ज कराई।

वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में न्यूजीलैंड की ओर से एलिजा जस्ट ने गोल दागने में कोई गलती नहीं की। इस प्रकार टीम ने दूसरा गोल दाग दिया। ईरान ने एक बार फिर मोहम्मद मोहेब्बी को एक सटीक क्रॉस दिया, जिस पर मोहेब्बी ने हेडर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को पोस्ट के सहारे नेट में पहुंचा दिया। स्कोर एक बार फिर बराबरी पर, 2-2 हो गया।

मैच के अंतिम मिनटों में दोनों ही टीमें निर्णायक गोल दागने में विफल रहीं। स्टॉपेज टाइम में क्रिस वुड का हेडर सीधे गोलकीपर बेइरानवंद के हाथों में गया जिससे मुकाबला बराबरी पर रहा। इससे , न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। अब न्यूजीलैंड टीम 22 जून को मिस्र के खिलाफ अगले ग्रुप जी मैच में उतरेगा, जबकि ईरान का सामना बेल्जियम से होगा।

जिला रैंकिंग टेबल टेनिस : मृदुल जोशी और हिया पटेल बने चैंपियन

रोमांचक फाइनल मुकाबलों में रिदम गड़िया और रीत इंगले को दी शिकस्त

इंदौर। इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में आयोजित सत्र की द्वितीय इंदौर जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा के फाइनल मुकाबले संपन्न हुए। अभय प्रशाल में खेले गए इन मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। बालक अंडर-17 आयु वर्ग में मृदुल जोशी और बालिका अंडर-17 वर्ग में हिया पटेल ने अपने-अपने कड़े मुकाबले जीतकर खिताबी सफलता हासिल की। खिताबी मुकाबले में बालक अंडर-17 आयु वर्ग में मृदुल जोशी ने रिदम गड़िया को बेहद कड़े संघर्ष में 3-2 से परास्त कर ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, बालिका अंडर-17 वर्ग के फाइनल में हिया पटेल ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए रीत इंगले को 3-0 से शिकस्त देकर खिताबी जीत दर्ज की। इसके पूर्व खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में रिदम गड़िया ने साकार भार्गव को 3-0 से, मृदुल जोशी ने मृदुल पुरोहित को 3-0 से, बालिका वर्ग में रीत इंगले ने आरवी जैन को 3-2 से और हिया पटेल ने आन्या त्रिवेदी को 3-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया था। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बालक अंडर-17 वर्ग में रिदम गड़िया ने मयंक सादेल को 3-2 से, साकार भार्गव ने राघव राज राठौर को 3-0 से, मृदुल पुरोहित ने अथर्व सिंह को 3-1 से और मृदुल जोशी ने अर्णव शेलगांवकर को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इसी तरह बालक अंडर-19 वर्ग में अबु बक्र ने वंश चौहान को 3-1 से, लक्ष्य ओझा ने रक्षित चावड़ा को 3-1 से, अभि जैन ने मीत मीमरोट को 3-2 से और मृदुल जोशी ने मयंक सादेल को 3-0 से शिकस्त देकर अंतिम चार में प्रवेश किया। बालिका अंडर-19 वर्ग में हिया पटेल ने आरवी जैन को 3-1 से, सौम्या जैन ने नेहल नाहर को 3-0 से, भाग्यश्री दवे ने आन्या त्रिवेदी को 3-0 से और रीत इंगले ने सान्वी सिंघल को 3-1 से परास्त कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

स्पर्धा के अन्य वर्ग के मुकाबलों में भी कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पुरुष वर्ग में प्रथम बाथम ने धवल वैद्य को 3-0 से, वंश चौहान ने योगेश कुमावत को 3-2 से, रिदम गड़िया ने नवीन नातू को 3-2 से और मृदुल जोशी ने विनय यादव को 3-1 से हराया। वहीं महिला वर्ग में भूमिका साहुकार ने सान्वी सिंघल को 3-0 से, हिया पटेल ने रीत इंगले को 3-2 से, तन्वी खांडेकर ने सिद्धी भदौरिया को 3-2 से और आरवी जैन ने भव्यांशी सोनी को 3-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुलना स्टेडियम में होगा जिला स्तरीय भव्य आयोजन

योग संगम पोर्टल पर संस्थाओं का पंजीयन अनिवार्य, सुबह 6 बजे से होगा सामूहिक योगाभ्यास

अधिक से अधिक लोगों से योग के कार्यक्रम में शामिल होने की अपील

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को बालाघाट जिला मुख्यालय स्थित मुलना स्टेडियम में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा अधिक से अधिक लोगों से इसमें सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई है और इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में 16 जून को कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले की सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, खेल एवं स्वयं सेवी संस्थाओं एवं संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, जिला आयुष अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार पंदे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, तपेश असाटी, आयुष विभाग के चिकित्सक, अशासकीय शालाओं के प्राचार्य, खेल संगठनों के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 21 जून को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम मुलना स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने सभी प्रतिनिधियों से अपील की कि वे सामूहिक योग दिवस पर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास करें ताकि कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि योग एक ऐसी विद्या है जिसका लाभ सभी को लेना चाहिए। यह केवल एक दिन करने की विधा नहीं है, बल्कि इसे प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग करने से व्यक्ति मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से स्वस्थ रहता है।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर ने कहा कि योग करने से हम सभी निरोग रहते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे 21 जून को होने वाले विश्वस्तरीय कार्यक्रम में अपने-अपने स्तर पर लोगों को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि यह आयोजन सफल हो सके। कलेक्टर ने सभी नागरिकों से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने की अपील की है।

आयुष विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. भूपेंद्र उइके ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के सुव्यवस्थित संचालन एवं प्रतिभागियों के आंकड़ों के संकलन के लिए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा योग संगम पोर्टल प्रारंभ किया गया है। जिले के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालय, महाविद्यालय, शासकीय कार्यालय, बैंक, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) तथा निजी संस्थानों को 21 जून के पूर्व अपनी संस्था का पंजीयन योग संगम पोर्टल की आधिकारिक वेबसाइट https://yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam पर अनिवार्य रूप से कराना होगा। उन्होंने बताया कि पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद संबंधित संस्थाओं को अपनी जानकारी आयुष विभाग बालाघाट के व्हाट्सएप्प नंबर 9926378331 पर भी साझा करनी होगी, जिससे जिले की सहभागिता का समुचित रिकॉर्ड तैयार किया जा सके।

बैठक में तय किया गया कि जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ 21 जून को प्रातः 6 बजे मुलना स्टेडियम में होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाएं, एनसीसी एवं एनएसएस के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में योग प्रेमी शामिल होंगे। सभी प्रतिभागी कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास करेंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर योग को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है। साथ ही जिन संस्थाओं या व्यक्तियों के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होना संभव नहीं है, उनसे अपने स्तर पर योग सत्र आयोजित करने की अपील की गई है।

आयुष विभाग ने बताया कि कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद आयोजित योग गतिविधियों के फोटो एवं वीडियो निर्धारित डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए जाएंगे, जिससे जिले की सहभागिता राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित हो सके। बैठक में उपस्थित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली का आधार है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। 21 जून के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए इसका व्यापक स्तर पर उपलब्ध सभी माध्यमों से प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता बताई गई।

बालाघाट जिले में 17 से 21 जून तक हल्की वर्षा और तेज हवाएं चलने की संभावना

कृषि विज्ञान केंद्र ने किसानों को जारी की मौसम आधारित सलाह

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पांच दिवसीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 17 जून से 21 जून 2026 के दौरान मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस अवधि में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हल्के बादल छाए रहने, हल्की वर्षा होने, आकाशीय बिजली गिरने तथा आंधी-तूफान के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की गई है।

जिला कृषि मौसम इकाई एवं कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव-बालाघाट द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में हवा की गति लगभग 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने नागरिकों एवं किसानों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में जिले का अधिकतम तापमान 39.3 से 39.8 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं सुबह के समय वातावरण में 49 से 50 प्रतिशत तथा दोपहर के समय 33 से 37 प्रतिशत तक सापेक्षिक आर्द्रता (नमी) बनी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में दक्षिण दिशा से लगभग 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि आंधी-तूफान की स्थिति में हवा की गति अचानक बढ़ सकती है।

कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने जिले के किसानों को सलाह दी है कि मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाएं। धान की बुवाई, बीज उपचार एवं अन्य खरीफ फसलों से संबंधित कार्य मौसम की स्थिति को देखकर करें। तेज हवा और बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए किसान खुले खेतों में अनावश्यक रूप से न रुकें तथा कृषि उपकरणों एवं पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

जंगली सूअर को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हुई मारुति वैन-घायल युवक की मौत

वन क्षेत्रों से गुजरने वाले मार्ग बनते जा रहे हादसों के कारण

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले के वनांचल क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले सड़क मार्ग अब वाहन चालकों और राहगीरों के लिए लगातार जानलेवा साबित होते जा रहे हैं। जंगलों से निकलकर अचानक सड़क पर आ रहे वन्य प्राणियों के कारण आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। बीते सप्ताह वारासिवनी थाना क्षेत्र के भांडी जंगल नाले के पास जंगली सूअर से टकराकर मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वहीं 16 जून की रामपायली थाना क्षेत्र में ऐसा ही एक और दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें जंगली सूअर को बचाने के प्रयास में मारुति वैन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और एक युवक की मौत हो गई।

मृतक भरतलाल पिता केशोराव नेवारे 22 वर्ष ग्राम अगासी थाना कटंगी निवासी बताया गया रामपायली जाते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक भरतलाल के पिता केशोराव नेवारे खेती-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। भरतलाल परिवार का बड़ा बेटा था और वह ग्राम सावंगी निवासी योगेश गौतम के यहां काम करता था।

बताया गया कि 16 जून की सुबह करीब 6 बजे भरतलाल काम के लिए घर से निकला था। इसके बाद वह अमन उइके के साथ मारुति वैन से किसी कार्य से रामपायली जा रहा था। वाहन अमन उइके चला रहा था।

सुबह करीब 7 बजे जब वाहन ग्राम खड़कपुर के जंगल मार्ग से गुजर रहा था तभी अचानक सड़क पर जंगली सूअर आ गया। सूअर को बचाने के प्रयास में चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और मारुति वैन सड़क किनारे डिवाइडर से जा टकराई।

जिला अस्पताल पहुंचने से पहले हो चुकी थी मौत

हादसे में भरतलाल गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। उसे तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर किया गया। लेकिन जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि युवक भरतलाल की मौत रास्ते में ही हो चुकी थी।

जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मामले की डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित थाना भेज दी है।

वन मार्गों पर सावधानी की जरूरत

लगातार बढ़ रही ऐसी घटनाओं ने वन क्षेत्रों से गुजरने वाले मार्गों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन जंगल मार्गों पर चेतावनी संकेत, स्पीड नियंत्रण और वन्य प्राणियों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा उपाय किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

विधायक की मौजूदगी मे जनकल्याण शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज़। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत किन्ही मे जनकल्याण शिविर का आयोजन समारोहपूर्वक किया गया। विधायक राजकुमार कर्रहे के मुख्यातिथ्य मे आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम भारत माता, महात्मा गांधी एवं डॉ भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। इस कार्यक्रम मे विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर समस्याओं के आवेदन प्राप्त कर शिकायतों का त्वरित निराकरण किए गए। कार्यक्रम के दौरान अतिथि वक्ताओं द्वारा शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए अंतिम छोर पर बसे व्यक्ति तक उसका लाभ पहुंचाए जाने सरकार द्वारा कार्य किए जाने से अवगत कराया गया। इस दौरान विधायक राजकुमार कर्रहे ने ग्राम पंचायत किन्ही मे विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान बतौर विशेष अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भुवनभाऊ राहंगडाले, निर्माण समिति सभापति योगराज भास्कर, जनपद सदस्य सरिता शिवचरण उइके, सांसद प्रतिनिधि चुमेश लिल्हारे, विधायक प्रतिनिधि रामकुमार राणा, प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व किरनापुर गोपाल सोनी, तहसीलदार वर्षा झारिया, नायब तहसीलदार बबीता सूर्या,प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी किरनापुर ममता कुलस्ते, ग्राम पंचायत किन्ही सरपंच अनिता धनवले, उपसरपंच दयानंद धनवले, सचिव होमेंद्र पटले, ग्राम पंचायत वाया सरपंच भजनलाल बिसेन सहित आसपास के विभिन्न ग्राम पंचायतो के जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी कर्मचारी एवं अनेक गणमान्य नागरिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कौमी एकता की मिसाल बनेगा हज़रत हक्कू शाह बाबा का 222 वां सालाना उर्स

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। शहर के हृदय स्थल स्थित हज़रत हक्कू शाह बाबा दरबार में शहंशाह-ए-बालाघाट, कुतुब-ए-शहर हज़रत सैय्यद अब्दुल हकीम हक्कू शाह बाबा का 222वां सालाना उर्स-ए-पाक 21 जून से 29 जून 2026 तक श्रद्धा और अकीदत के साथ मनाया जाएगा। उर्स के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें जिले सहित देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में जायरीन और अकीदतमंद शामिल होंगे।उर्स का शुभारंभ 21 जून को सुबह 10 बजे परचम कुशाई एवं गुस्ल-ए-मज़ार-ए-पाक के साथ होगा। 23 जून को दरबार शरीफ में मुकद्दस तबर्रुकात की ज़ियारत कराई जाएगी, जबकि 25 जून को सुबह मिलाद शरीफ एवं कुरान खुवानी का आयोजन होगा।उर्स का प्रमुख आकर्षण 26 जून, शुक्रवार (10 मोहर्रम) को निकाला जाने वाला शाही संदल जुलूस रहेगा। यह जुलूस दोपहर 2 बजे दरबार शरीफ से निकलेगा, जिसमें देशभर से आए अकीदतमंद शामिल होंगे।28 जून, रविवार को शाम 7 बजे से लंगर-ए-आम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी धर्मों और समुदायों के लोग शामिल होकर भाईचारे और एकता का संदेश देंगे।उर्स के समापन अवसर पर 29 जून को सुबह कुल शरीफ की फातिहा पढ़ी जाएगी। वहीं रात 9 बजे से शानदार कव्वाली मुकाबले का आयोजन होगा। इस अवसर पर हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल सब्बू शादाब साबरी (करियर शरीफ, उत्तराखंड) एवं शफ़ीक़ शाबेज़ वारसी (देवा शरीफ, उत्तर प्रदेश) अपनी प्रस्तुति देंगे।हज़रत हक्कू शाह बाबा दरबार के खादिमों एवं उर्स कमेटी ने सभी अकीदतमंदों और श्रद्धालुओं से उर्स शरीफ में शामिल होकर दरबार की फैज़ी-बरकत हासिल करने की अपील की है। बताया गया कि यह आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कौमी एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देगा।

ईडी ने मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट में अपर डिवीज़न क्लर्क की करीब डेढ करोड की संपत्ति की जब्त

भोपाल । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के भोपाल ज़ोनल ऑफिस ने मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट में अपर डिवीज़न क्लर्क, हीरो केसवानी के मामले में,10.06.2026 को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए के तहत लगभग 1.47 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी रूप से ज़ब्त (अटैच) किया है। ईडी ने ईओडब्ल्यू, भोपाल द्वारा प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट, के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच में पता चला कि 01.01.2005 से 03.08.2022 के दौरान, केसवानी ने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं ज़्यादा संपत्ति (लगभग 1.47 करोड़ रुपये) जमा की, जो उनकी वैध आय का लगभग 286.27 थी। ईओ डब्ल्यू, भोपाल द्वारा की गई तलाशी के दौरान उनके घर से 86.73 लाख रुपये नकद बरामद किए गए, जिसके बारे में वे संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे पाए। आगे की जांच में पता चला कि अपराध से हुई कमाई को उनको पत्नी के नाम पर घुमाया और निवेश किया गया था, जिनकी आय का कोई विश्वसनीय या सत्यापित स्वतंत्र स्रोत नहीं था। घरेलू गतिविधियों से आय के दावों का कोई दस्तावेज़ी सबूत नहीं मिला। बैंक खातों के विश्लेषण से पता चला कि अनियमित नकद जमा और लेनदेन किए गए थे जो ज्ञात आय से मेल नहीं खाते थे, जिससे पता चलता है कि अपराध से हुई कमाई को वैध दिखाने के लिए लेयरिंग की गई थी। आरोपी अपने विभाग को संपत्ति और आय का विवरण बताने में भी विफल रहा और परिवार के सदस्यों के नाम पर संपत्ति खरीदकर मालिकाना हक छिपाने की कोशिश की।

दागी अफसर को जिम्मेदारी देने पर हाईकोर्ट सख्त

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने पीडब्ल्यूडी में दागी अधिकारी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी से पूछा है कि गंभीर आरोपों से घिरे अधिकारी को प्रमुख पद का प्रभार क्यों सौंपा गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रशासनिक निर्णयों की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि जिन अधिकारियों के खिलाफ जांच या आरोप लंबित हैं, उन्हें संवेदनशील पदों पर नियुक्त करना उचित नहीं माना जा सकता। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने संबंधित विभाग के प्रमुख सचिव के आचरण पर भी टिप्पणी की और भविष्य के लिए सतर्क रहने की सलाह दी।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आई मोटरसाइकिल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत लामता रोड स्थित ग्राम समनापुर में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रैक्टर की ठोकर से घायल दोनों युवक को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया गया है। दोनो घायल रविंद्र पिता तेजलाल सोलंखे 42 वर्ष एवं राजकुमार पिता भरतलाल बघेल 25 वर्ष ग्राम बड़ी कुम्हारी थाना बालाघाट निवासी बताये गये है। जिनका इलाज गोंदिया के एक निजी अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविंद्र सोलंखे खेती किसानी के साथ मिक्सर मशीन चलाने का कार्य भी करते हैं। इन दिनों उनका काम ग्राम टेकाड़ी में चल रहा था। 16 जून की सुबह रविंद्र और राजकुमार मोटरसाइकिल से ग्राम टेकाड़ी मकान की स्लैब ढालने के कार्य के लिए जा रहे थे। इसी दौरान समनापुर कॉलोनी के पास उनकी मोटरसाईकिल तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर से दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को कार से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर आने लगे। रास्ते में 108 एंबुलेंस मिलने पर दोनों को एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया गया है कि दोनों घायलों का इलाज गोंदिया स्थित जानकी अस्पताल में चल रहा है। इस सड़क हादसे की जांच ग्रामीण पुलिस द्वारा की जा रही है।

करोड़ो का आसामी निकला नगर निगम जबलपुर का असिस्टेंट हेल्थ ऑफिसर

- फ्लैट, प्लॉट, बीमा पॉलिसियों के दस्तावेज सहित सोने-चाँदी के जेवरात बरामद - एक करोड़ से अधिक रकम के लेनदेन के कागज भी जप्त- - 6 बैंक खातो में 10 लाख और 450 ग्राम सोना जमा होने का अनुमान

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की टीम ने नगर निगम जबलपुर के प्रभारी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, पोलाराव के ठिकाने पर छापामार कार्यवाही की अंजाम दिया। अभी तक की सर्चिंग में करीब 2 करोड़ 82 लाख की अनुपातहीन संपत्ति उजागर होने की जानकारी सामने आई है। वहीं आगे की छानबीन में यह आंकड़ा काफी बढ़ सकता है।

- पोलाराव के खिलाफ मिली थी भ्रष्टाचार की शिकायत

विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, जबलपुर द्वारा पोलाराव पिता सन्यासी बारीआ, प्रभारी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम जबलपुर, निवासी, मकान नं-ए-6, जेडीए स्कीम 11 आदि प्लाजा के पीछे, जबलपुर के खिलाफ भ्रष्टाचार कर करोड़ों रूपये की असमानुपातिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। शिकायत की शुरुआती जाँच में भ्रष्टाचार करने के आरोप सही पाये जाने पर आरोपी के खिलाफ धारा 13(1)(बी), 13(2) अनिअ की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

- तीन टीमो ने अलसुबह 6 बजे मारी रेड

आगे की कार्यवाही करते हुए 16 जून मंगलवार को ईओडब्ल्यू, जबलपुर द्वारा आरोपी के मकान एवं कार्यालय में सर्चिंग के लिये तीन टीमें तैयार की गई। गठित तीनों टीमों ने पोलाराव के ठिकाने पर एक साथ अलसुबह 6 बजे छापे की कार्यवाही शुरु की गयी।

पोलाराव और उसके परिवार वाले के नाम पर अभी तक की गई सर्च कार्यवाही में 45 लाख कीमत के आवास (फ्लैट), 65 लाख का प्लॉट, 65 लाख घरेलू सामान की इन्वेंट्री और सजावट में खर्च किये गये 16 लाख, बीमा पॉलिसियों पर 10 लाख के निवेश के दस्तावेज बरामद किये गये हैं। इसके साथ ही मकान से 22 लाख 50 हजार सोने के और 232 किलोग्राम चाँदी के जेवरात मिले हैं। टीम को साढ़े आठ लाख की एक फोर व्हीलर और 6 लाख 20 हजार रुपये कीमत के तीन दू व्हीलर भी बरामद हुए हैं। इसके साथ ही आरोपी के मकान से 1 करोड़, 19 18 हजार रुपये के नगदी लेनदेन के दस्तावेज भी जप्त किये गये हैं। अधिकारियों का कहना है कि पोलाराव ओर उसके परिजनो के 6 बैंक खातो की जानकारी मिली है, जिसमें लगभग 10 लाख की नगदी सहित लाखो रुपये कीमत को सोना होने की संभावना है। अब तक की कार्यवाही में आरोपी की करीब 2,82 करोड़ रूपये की अनुपातहीन संपत्ति उजागर हुई है। आरोपी के ठिकाने से मिले दस्तावेज, जेवर, बैंक खातों और नगदी से संबंधित सर्च अभी जारी है। कार्यवाही के दौरान और अधिक संपत्ति मिलने की संभावना है।

ईओडब्ल्यू और कोर्ट के मामले में फसी लाल कोठी पर फिर हुई डेढ़ करोड़ की हेराफेरी

भोपाल। राजधानी की पॉश अेरा कॉलोनी में स्थित लाल बंगला जो पहले से ही ईओडब्ल्यू के प्रकरण में उलझा हुआ है, उसे एक बार फिर साढ़े दस करोड़ रुपए बेचने की प्लानिंग थी। इसके लिए बकायदा डेढ़ करोड़ रुपए का एडवांस भी दे दिया गया। यह रकम बैंक आफ महाराष्ट्र से वन टाइम सैटलमेंट के नाम पर पति-पत्नी ने वसूल ली। लेकिन सौदा तय करते समय उन्होंने प्रॉपर्टी खरीद रहे वास्तविक मालिक से जुड़े दो मामलों को छुपाया। जब इन प्रकरणों की भनक पीड़ित को लगी तब उसने अपनी रकम वापस लौटाने को कहा। इसके बाद विवाद होने पर मामला हबीबगंज थाने जा पहुंचा। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद जालसाजी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार अेरा कॉलोनी में स्थित ई-2 में बंगला नंबर 28 लाल कोठी के नाम से चर्चित है। इस बंगले के मालिकाना हक को लेकर रुपेश अग्रवाल और उनकी बहन मल्लिका गर्ग के बीच विवाद है। जिसमें मल्लिका गर्ग ने उक्त संपत्ति को अपनी बताकर बैंक आफ महाराष्ट्र से तीन करोड़ रुपए का लोन ले लिया था। इसकी शिकायत मिलने पर भोपाल ईओडब्ल्यू ने 4 फरवरी, 2022 को जालसाजी का प्रकरण दर्ज किया है। जिसमें तत्कालीन बैंक मैनेजर सहज पाठक, मल्लिका गर्ग और उनके पति अंकुर गर्ग को आरोपी बनाया गया है। यह प्रकरण अभी भी विचाराधीन है। इस मामले में शिकायत मल्लिका गर्ग की ननद पारुल अग्रवाल ने की थी। वे शहर की काफी प्रतिष्ठित महिला भी हैं। लोन लेने के लिए मृतत: उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में रहने वाली मल्लिका गर्ग और उनके पति अंकुर गर्ग ने भोपाल के अेरा कॉलोनी में स्थित लाल कोठी के पते पर फर्जीवाड़ा किया था।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

वर्षो से लंबित विभिन्न मांगों को लेकर एनएसयूआई ने किया कालेज का घेराव

गेट बंद कर किया धरना, प्रदर्शन की जमकर नारेबाजी सौपा ज्ञापन, मांग पूरी ना होने पर कलेक्ट्रेट व यूनिवर्सिटी घेराव की भी दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी ना होने से पीजी महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे विघार्थी काफी परेशान है, जहा बार बार आवेदन निवेदन और ज्ञापन सौपने के बाद भी मांग पूरी ना होने पर उन्होंने एनएसयूआई के बैनर तले मंगलवार को कालेज का घेराव कर, धरना आंदोलन किया।इस दौरान गुस्साए छात्रों ने कॉलेज का गेट बंद कर,जमकर नारेबाजी करते हुए कालेज पर धरना प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जताया। लंबित छात्रवृत्ति भुगतान, सीट वृद्धि और कालेज में मूलभूत सुविधाए देने सहित 15 सूत्रीय प्रमुख मांगों को लेकर उन्होंने आंदोलन के बाद कालेज प्रबधंन और कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपते हुए, जल्द से जल्द मांग पूरी ना होने पर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर धरना प्रदर्शन व आंदोलन करने की बात कही है।तो वही उन्होंने इसपर भी मांग पुरी ना होने पर छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी का घेराव किए जाने की चेतावनी दी है।मंगलवार को पीजी कालेज में आयोजित इस धरना प्रदर्शन के दौरान छात्र नेता ऋषभ सहारे, शुभम बंसोड़, शुमेद बंसोड़, शुधांशु लिल्हारे, रोहित मोहारे, हर्ष डहरवाल, और प्रफुल मोहारे, सहित एनएसयूआई के अन्य पदाधिकारी, सदस्य व विघार्थी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगो को लेकर किया कालेज का घेराव

बालाघाट में शासकीय विश्वविद्यालय प्रारम्भ करने,एससी, एसटी ओबीसी की 3 वर्षो से लंबित छात्रवृति जल्द प्रदान करने,युनिवर्सिटी को चेंज करने, जिले में ऑटोनॉमस सेंटर बनाने, महाविद्यालय में सभी संकायो में सीट वृद्धि करने,सभी कक्षाओ के सीसीटीवी कैमरे शुरू करवाने,व्याखायताओं की पूर्ति करने, अन्य रिक्त पदों को भरने,पुस्ताकालय में पुस्ताकों की पूर्ति की जाने,महाविद्यालय में व्याखायताओं के द्वारा बात करने के व्यवहार में सुधार लाने, प्रतिदिन कक्षाए लगाई जाने, कॉलेज के गार्ड वाले गेट पर एक पुछताछ केन्द्र बनाने, जिसमें 2 टीचर हमेशा वहाँ उपस्थित रखने, पूछताछ केन्द्र एवं हेल्प लाईन नं. प्रदान करने, वॉशरुम की साफ सफाई करवाने, बाहरी प्राइवेट कॉलेजो की परीक्षा पीजी कॉलेज में ना कराई जाने,जिससे छात्र-छात्राओं को प?ाई में दिक्कतें उत्पन्न ना हो,पेपर लिक करने वालो पर उचित दण्डात्मक कार्यवाही कर तत्काल फांसी की सजा सुनाई जाने,कॉलेज से सम्बंधित सभी सूचनाएँ के अभाव के कारण सभी ऑनलाईन कैफे को व्हाटसप ग्रुप के माध्यम सूचना प्रदान की जाने, जिससे छात्र / छात्राओं को ऑन लाईन कैफे के माध्यम से सही जानकारी प्राप्त हो सकें। सहित वर्षो से लंबित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा गया है।

विघार्थियों की समस्याओं पर ध्यान नही दे रहा कालेज प्रबंधन

आंदोलन कर रहे एनएसयूआई पदाधिकारियों ने बताया कि महाविद्यालय में अध्ययनरत हजारों छात्र-छात्राओ को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन कालेज प्रबंधन व युनिवर्सिटी द्वारा उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। छात्रवृत्ति से लेकर परीक्षा परिणाम, प्रवेश व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं तक कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबे समय से लंबित पड़े हैं,जिससे विद्यार्थियों में भारी नाराजगी है।आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति समय पर नहीं मिलने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।वहीं कॉलेज में सीटों की कमी के कारण हर साल कई विद्यार्थियों को प्रवेश से वंचित होना पड़ रहा है। संगठन ने सबको प्रवेश, सबको शिक्षा के नारे के साथ सभी संकायों में सीट वृद्धि की मांग को प्रमुखता से उठाया है।

प्राचार्य सहित व्याख्याताओं के कमरे में एसी कुलर, बच्चो को पंखे तक नसीब नही

एनएसयूआई पदाधिकारियो ने वर्तमान भीषण गर्मी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।लगातार बढ़ते तापमान के बावजूद कई कक्षाओं में पंखे खराब पड़े हैं, जिससे छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।परीक्षा कक्षों में भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से परीक्षार्थियों को कठिन परिस्थितियों में परीक्षा देनी पड़ रही है।उन्होंने बताया कि प्राचार्य सहित व्याख्याताओं के कमरे में एसी कुलर लगे है लेकिन बच्चो को पंखे की हवा तक नसीब नही हो रही है।जिन्होंने सभी कक्षाओं के पंखों व सीसीटीवी कैमरे की तत्काल मरम्मत कराकर उन्हें शुरू कराने और परीक्षा कक्षों में कूलर की व्यवस्था किए जाने की भी मांग की है।

यूनिवर्सिटी सिर्फ परीक्षा ले रही है, जारी नही हो रहे परीक्षा परिणाम

संगठन ने विभाग संकायों के परीक्षा परिणाम में हो रही देरी पर भी सवाल उठाए। पदाधिकारियों ने बताया कि परीक्षा हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन अब तक परिणाम घोषित नहीं किया गया है,जबकि विघार्थियों की द्वितीय सत्र की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिससे विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। इसके अलावा पिछले 3 वर्ष से विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति भी प्रदान नही की गई है।जिसको लेकर छात्रों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

कर्मचारियों की कमी से झूझ रहा महाविद्यालय

एनएसयूआई पदाधिकारियो ने महाविद्यालय में कर्मचारियों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि स्टाफ की कमी के कारण प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने की मांग की। साथ ही महाविद्यालय में आटोनोमस सेंटर की स्थापना की मांग भी प्रमुखता से रखी गई, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और अवसर मिल सकें।

नही बनी बात तो करेंगे कालेज व यूनिवर्सिटी का घेराव- ऋषभ

छात्र नेता ऋषभ सहारे और शुभम बंसोड़ ने स्पष्ट कहा कि यदि जल्द से जल्द मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं जिला कलेक्ट्रेट व महाविद्यालय पहुंचकर घेराव कर धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने छात्र हितों की लड़ाई को आगे भी जारी रखने की बात कहते हुए, तत्काल कालेज की अव्यवस्थाओ में सुधार की मांग की है।

न्यूज गैलरी

हट्टा में संदिग्ध हालात में युवक की मौत

आंगन में मिली लाश-गले पर फांसी के निशान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 में मंगलवार सुबह एक युवक का शव उसके ही घर के आंगन में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक कुलदीप पिता झनक लाल उदयपुरे 35 वर्ष के गले पर फांसी के निशान मिलने से मौत संदिग्ध मानी जा रही है। इस युवक ने आत्महत्या की यहां पर उसकी गला घोटकर हत्या की गई। हट्टा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुलदीप अपने छोटे भाई कृष्ण किशोर उदयपुरे, विधवा बहन ज्योति और भांजी सोनिया के साथ रहता था। पिछले माह 12 मई को ही उसकी मां का निधन हुआ था। हट्टा के सेनानी चौक में कुलदीप की ऑटो पॉर्ट्स गैरेज की दुकान है।जिसे वह भाई के साथ मिलकर चलाता था। बताया गया है कि कुलदीप को शराब की लत थी और उसका घर आने-जाने का कोई निश्चित समय नहीं था। 15 जून को रोज की तरह उसने गैरेज खोला था। शाम को घर लौटने के बाद वह मोटरसाइकिल से कहीं निकला था। बाद में भाई कृष्ण किशोर ने गैरेज बंद किया। रात में खाना खाकर सभी सो गए। कुलदीप अक्सर घर के बाहर आंगन में ही सोता था और उसके खाने का भी कोई तय समय नहीं था। 16 जून की सुबह जब परिजन उठे तो कुलदीप आंगन में मृत पड़ा मिला। उसके गले पर फांसी लगाने जैसे निशान थे।

पुलिस जांच में उलझा मामला

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौर दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल की जांच की। जांच में सामने आया कि मृतक के गले पर रस्सी के निशान तो स्पष्ट हैं।लेकिन मौके पर ऐसा कोई स्थान नहीं मिला जहां कुलदीप ने फांसी लगाई हो। न ही कोई रस्सी या फंदा बरामद हुआ है। इससे कई सवाल खड़े हो गए हैं।क्या कुलदीप ने खुद फांसी लगाई या किसी ने गला घोंटकर हत्या की और शव आंगन में रख दिया। फिलहाल पुलिस इन दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। परिजनों के मुताबिक कुलदीप की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी।हट्टा पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बालाघाट भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल कुलदीप की मौत का राज उसके घर के आंगन में ही दफन है।

सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है- थाना प्रभारी अविनाश सिंह

थाना प्रभारी ने बताया कि मर्ग कायम कर लिया गया है और सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

जमीन विवाद में पति-पत्नी से की मारपीट- दी जान से मारने की धमकी

एक ही परिवार के 4 लोगों पर अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना हट्टा क्षेत्र के ग्राम देवरी में जमीन विवाद को लेकर पति-पत्नी से मारपीट करने का मामला सामने आया है।हट्टा पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम देवरी निवासी 52 वर्षीय रमेश गौतम अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करते हैं। करीब एक साल पहले उन्होंने गांव के ही सुभाष गौतम और अनिल गौतम से 55 डिसमिल जमीन खरीदी थी।16 जून को सुबह करीब 10:30 बजे रमेश गौतम अपनी पत्नी संगीता गौतम के साथ खरीदी गई जमीन पर मिट्टी डालकर धूरा बना रहे थे। इसी दौरान पंकज गौतम ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचा और जमीन को अपनी बताते हुए मिट्टी डालने से मना किया। आरोप है कि पंकज ने अश्लील गालियां दीं और फोन कर अपने पिता सुभाष गौतम को बुला लिया।कुछ देर बाद सुभाष गौतम, अनिल गौतम और पराग गौतम भी मौके पर आ गए। सभी ने रमेश से कहा कि तुम्हें 55 डिसमिल जमीन दे दी है, यह जमीन हमारी है यह कहकर उन्होंने मिट्टी डालने पर आपत्ति जताई। इसके बाद चारों ने रमेश और उनकी पत्नी संगीता के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। रमेश के गाली देने मना करने पर उन्होंने रमेश गौतम और उसकी पत्नी को हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दिए और जाते-जाते चारों ने दोबारा जमीन पर मिट्टी डालने परजान से खत्म करने की धमकी दे दी।घटना के बाद रमेश गौतम पत्नी संगीता के साथ हट्टा थाना पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों का मेडिकल परीक्षण जिला अस्पताल बालाघाट में कराया। हट्टा पुलिस ने रमेश की शिकायत पर सुभाष गौतम, अनिल गौतम, पंकज गौतम और पराग गौतम के खिलाफ एक राय होकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवादी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट